आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष-3, अंक-08 अगस्त, 2024

स्वतंत्रता और हमारा दायित्व

15 अगस्त 1947 से अनवरत यह देश स्वनिर्मित संविधान के तहत सामाजिक, आर्थिक, तकनीकी व राजनैतिक क्षेत्र में नित नई ऊँचाईयों को छू रहा है। स्वतंत्रता दिवस हर भारतीय के लिए गर्व के साथ आत्मावलोकन का दिन है। पांच हजार साल की प्रामाणिक सभ्यता और संस्कृति कैसे आक्रमणकारियों और आतातायियों के दंश को झेलते हुए वर्तमान में न सिर्फ जीवित है परन्तु नई उपलब्धियों को वरण कर रहीं है, यह अपने आप में अप्रतीम है।

जब विश्व अधंकार में डूबा हुआ था, तब हमारे ऋषि-मनीषी ''तमसो मा ज्योर्तिगमय'' के परिकल्पना को चरितार्थ कर रहे थे। ''वसुधैव कुटुम्बकम'' और ''सर्वे भवन्तु सुखिनः'' जैसे मंत्र इस बात के द्योतक हैं कि हम ''कूपमण्डूक'' नहीं हैं। हमारे वेद पुराण, गीता व उपनिषद में उल्लेखित सुक्त हमारे जीवन के आधार रहें हैं। साहित्य, संगीत, सेवा, कला, दर्शन, आयुर्वेद, ज्योतिष के हम सुत्रधारक हैं। सत्य, अहिंसा, करूणा, परोपकार, और समाजिकता के हम वाहक रहें हैं। उत्कृष्टता की पराकाष्ठा के उपरान्त भी लगभग एक हजार साल तक विदेशियों का शासन हमारे आत्मसम्मान के लिए कलंक है। अंततोगत्वा जब हम सामान्तर संस्कृतियों का अवलोकन करते हैं तो पाते हैं कि पर्शीया, मेसोपोटामिया, रोम, मिस्र, युनान जैसे सभ्यताओं ने उन्ही आतातायियों के सामने अपने को नतमस्तक कर दिया और उन्ही में विलीन हो गये। लेकिन, हम अनवरत संघर्ष करते हुए अपने धर्म और संस्कृति को संरक्षित रखा।

हर राष्ट्र, समाज और व्यक्ति के लिए समय-समय पर अपना आत्मावलोकन नितांत आवश्यक है। भूत में हमारी पराधीनता कहीं न कहीं हमारे लिए अपयश का कारण है।

आज हम स्वतंत्र है, इस वर्ष हम स्वतंत्रता की 78वी वर्षगाठ मना रहे है, विश्व में सबसे बडे लोकतंत्र का गौरव हमें प्राप्त है, हमारी जनसंख्या विश्व में सर्वाधिक है। हमारे स्वप्न में वही भारत है जो राम और कृष्ण के समय का था, हम विश्वगुरू बनने के लिए लालायित हैं, एक राष्ट्र के रूप में हमारी यात्रा अनवरत जारी है।

हमने अपने प्रतिभा व लगन से विश्व पटल पर एक विशिष्ट स्थान प्राप्त किया है, भारत का विजय पताका चंद्रमा से लेकर मंगल तक लहरा रहा है। परमाणु सम्पन्न राष्ट्र होने के उपरान्त भी हम शांति के अग्रदूत हैं। जी-7, जी-20 जैसे मंचो पर मंचासीन होकर हमने अपनी मंशा को विश्व के सामने जता दिया है कि हम विश्व को एक नई दिशा देने के लिए तैयार हैं, लेकिन अभी भी एक सशक्त राष्ट्र के लिए हमे लम्बी यात्रा तय करनी है। संविधान को मानस पटल पर रख कर एवं धर्म का सहारा लेकर बंधुत्व, समरसता, शान्ति के साथ इस राष्ट्र को एक अनन्त यात्रा करनी है।

एक सच्चा भारतीय धर्म, लिंग, जाति, प्रांत, भाषा से परे होते है, राष्ट्र का विकास व उत्थान ही उसका परम ध्येय होता है।

बेरोजगारी, अशिक्षा, प्रांतवाद, भाषावाद, धर्मवाद, जातीय श्रेष्ठता हमारे राष्ट्र के विकास यात्रा के लिए बाधक है। पाश्चात्य संस्कृति का हमारे युवाओं पर हावी होना, चारित्रिक पतन, नशीलें पदार्थो का सेवन, राष्ट्र बोध का अभाव, जातीय उन्माद, राष्ट्रीय कर्तब्यों के प्रति उदासीनता, आर्थिक और समाजिक असन्तुलन अभी भी हमारे लिए अभिशाप बना हुआ है। एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को चरितार्थ करने के लिए हमारे प्रत्येक नागरिक के चरित्र में राष्ट्रीय कर्तब्यों का बोध होना नितान्त आवश्यक है।

एक सफल राष्ट्र के नागरिक स्वतन्त्रता व स्वछन्दता के अन्तर को स्पष्ट रूप से समझते हैं। राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से ही युग-युगान्तर तक भारत विश्व पटल पर एक श्रेष्ठ व सामर्थवान राष्ट्र के रूप में अपने को स्थापित कर सकेगा, आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक क्षमताओं का सतत् विकास अति आवश्यक है। आर्थिक विकास को समावेशी बनाने, पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान, सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना वर्तमान परिपेक्ष्य में अति आवश्यक है।

अब वो दिन दूर नही जब भारत अपने पुरातन गौरव को आधुनिक परिपेक्ष्य में आत्मसात करते हुए सम्पूर्ण विश्व को एक नयी दिशा देगा।

भारत माता की जय

प्रकाशकः-

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

अगस्त माह विशेष

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन को श्रीकृष्ण जयंती, श्रीकृष्णाष्टमी, गोकुलाष्टमी एवं श्री जयंती के नाम से भी जाना जाता है। जन्माष्टमी का त्योहार भगवान कृष्ण के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। भगवान श्रीकृष्ण का जन्म रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि के संयोग में जयंती नामक योग में हुआ था। भगवान विष्णु ने धरती पर पाप और अधर्म का नाश करने के लिए हर युग में अवतार लिया।

इसी क्रम में भगवान विष्णु के आठवें अवतार कृष्ण ने द्वापर युग में भाद्रपद महीने की अष्टमी तिथि पर देवकी के गर्भ से उनकी आठवीं संतान के रूप में जन्म लिया। कृष्ण के जन्म से लोक परलोक दोनों ही प्रसन्न हो गए थे। इस कारण कृष्ण के जन्म के रूप में जन्माष्टमी का पर्व भादव महीने की अष्टमी तिथि को मनाया जानें लगा। कंश के कारगार में जन्म लेने के बाद उनके पिता वासुदेव उनके गोकुल में नंद बाबा के यहां छोड़ आए थे।

हिंदू धर्म में कृष्ण जन्माष्टमी के त्योहार का बहुत ही विशेष महत्व है। बाल गोपाल का जन्म मध्य रात्रि में हुआ था। इसलिए जन्माष्टमी की तिथि को मध्यरात्रि में घर में मौजूद लड्डू गोपाल की प्रतिमा का जन्म कराया जाता है। इस दिन भगवान कृष्ण की विधिवत पूजा की जाती है। जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर भगवान कृष्ण के बाल रूप की पूजा की जाती है। इस दिन लड्डू गोपाल की पूजा करने से और व्रत करने से साधक को संतान सुख की प्राप्ति होती है और इसके साथ ही उनकी सारी मनोकामना की पूर्ति होती है।

जन्माष्टमी के दिन मध्यरात्रि में भगवान कृष्ण के मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। जन्माष्टमी के दिन बहुत सारी जगहों पर दही हांडी का भी कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसके साथ ही कृष्ण की बाल लीलाओं का भी आयोजन किया जाता है। श्रीकृष्ण ने अपने जन्म से लेकर जीवन के हर पड़ाव पर चमत्कार दिखाए। श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े कई किस्से हैं, जो मानव समाज को सीख देते हैं। अधर्म और पाप के खिलाफ सही मार्गदर्शन करते हैं।

हमारी विरासत

माधवाचार्य

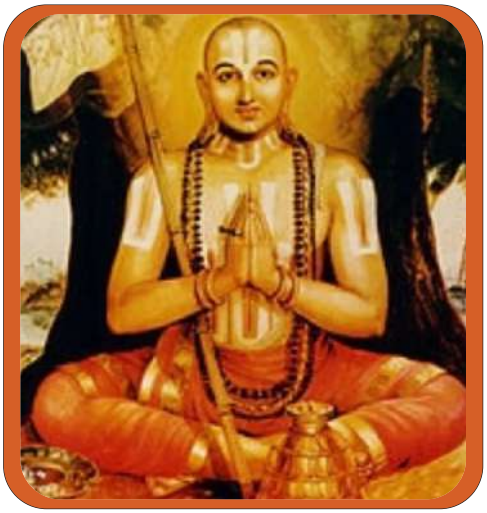

माधवाचार्य या माधव विद्यारण्य (1296 से 1386), विजयनगर साम्राज्य के संस्थापक हरिहर राया प्रथम एवं बुक्का राया प्रथम के संरक्षक, सन्त एवं दार्शनिक थे। उन्होंने दोनो भाइयों को सन् 1336 में विजयनगर साम्राज्य की स्थापना में सहायता की। वे विद्या के भण्डार-सरस्वती के वरद पुत्र, महान तपस्वी और अद्भुत प्रतिभावान् थे। संस्कृत वाङ्मय में इतनी अधिक एवं उनकी इतनी उच्चकोटि की कृतियॉ है कि उन्हें इस युग के व्यास कहा जाता है। उन्होंने सर्वदर्शन संग्रह की रचना की जो हिन्दुओं दार्शनिक सम्प्रदायों के दर्शनों का संग्रह है। इसके अलावा उन्होंने अद्वैत दर्शन के 'पंचदशी' नामक ग्रन्थ की रचना भी की। विद्यारण्य की तुलना में यदि मध्यकाल में दूसरा कोई नाम लिया जा सकता है, तो वह समर्थ गुरु रामदास का है, जिन्होंने शिवाजी महाराज को माध्यम बनाकर इस्लामी साम्राज्य का मुकाबला किया।

स्वामी विद्यारण्य का जन्म 11 अप्रैल 1296 को तुंगभद्रा नदी के तटवर्ती पम्पाक्षेत्र (वर्तमान हम्पी) के किसी गांव में हुआ था। उनके पिता मायणाचार्य उस समय के वेद के प्रकांड विद्वान थे। मां श्रीमती देवी भी विदुषी थी। इन्हीं विद्यारण्य के भाई आचार्य सायण ने चारों वेदों का वह प्रतिष्ठित टीका की थी, जिसे 'सायणभाष्य' के नाम से जाना जाता है। विद्यारण्य का बचपन का नाम माधव था। विद्यारण्य का नाम तो 1331 में उन्होंने तब धारण किया, जब उन्होंने संन्यास ग्रहण किया।

विद्यारण्य ने हरिहर प्रथम के समय से राजाओं की करीब तीन पीढ़ियों का राजनीतिक व सांस्कृतिक निर्देशन किया। 1372 में करीब 76 वर्ष की आयु में उन्होंने राजनीति से सेवानिवृत्ति ली और शृंगेरी वापस पहुंच गये और उसके पीठाधीश्वर बने। इसके करीब 14 वर्ष बाद 1386 में उनका स्वर्गवास हो गया। लेकिन जीवनभर वह भारत देश, समाज व संस्कृति के संरक्षण की चिन्ता करते रहे। उन्होंने अद्वैत दर्शन से संबंधित ग्रंथों के साथ सामाजिक महत्व के ग्रंथों का भी प्रणयन किया। अपनी पुस्तक 'प्रायश्चित सुधानिधि' में उन्होंने हिन्दुओं के पतन के कारणों की भी अपने ढंग से व्याख्या की है। उन्होंने हिन्दुओं की विलासिता को उनके पतन का सबसे बड़ा कारण बताया। नियंत्रणहीन विलासिता का इस्लामी जीवन हिन्दुओं को बहुत आकर्षित कर रहा था। नाचने गाने वाली दुश्चरित्र स्त्रियों व मुस्लिम वेश्याओं के संग का उन्होंने कठोरता से निषेध किया है।

विद्यारण्य की प्रारंभिक शिक्षा तो उनके पिता के सान्निध्य में ही हुई थी, लेकिन आगे की शिक्षा के लिए वह कांची कामकोटि पीठ के आचार्य विद्यातीर्थ के पास गये थे। इन स्वामी विद्यातीर्थ ने विद्यारण्य को मुस्लिम आक्रमण से देश की संस्कृति और समाज की रक्षा हेतु नियुक्त किया था। विद्यारण्य ने गुरु का आदेश पाकर पूरा जीवन उसी लक्ष्य की प्राप्ति हेतु समर्पित कर दिया। इन्होंने अनेक ग्रन्थों की रचना की जो बहुत ही प्रसिद्ध हैं जैसे सर्वदर्शन संग्रह, अनुभूति प्रकाश, जीवनमुक्ति विवेक, जैमिनीयन्यायमाल, कालमाधवीय, पंचादशी, पराशर, माधवीय पराशर-स्मृति व्याख्यान स्मृति संग्रह, दृग्-दृश्य-विवेक।

अतिथि व्याख्यान

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए श्री रश्मिन पुलेकर

दिनांक : 03 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ आयुर्विज्ञान संस्थान (आयुर्वेद कॉलेज) में स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग द्वारा 'टाइम मैनेजमेंट एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि एवं व्याख्यान कर्ता माननीय रश्मिन पुलेकर, शिक्षक आर्ट ऑफ लिविंग, टेड एक्स वक्ता, बेंगलुरु कर्नाटक ने दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि करके कार्यक्रम की शुरुआत की, आयुर्वेद कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. नवीन के. ने स्मृति चिन्ह् देकर अतिथि महोदय का स्वागत किया।

अतिथि महोदय ने विद्यार्थियों को समय प्रबंधन एवं तनाव प्रबंधन के बारे में बताया की कैसे सफलता के लिए तथा बिना तनाव के अपनी ऊर्जा का सही उपयोग कैसे करें।

अतिथि महोदय ने बताया की ऊर्जा की कमी हमें अपने लक्ष्य को उत्साह के साथ पाने में असफल बना रही है। उन्होंने दो तरह की ऊर्जा के बारे में बताया कि कैसे कम ऊर्जा और उच्च ऊर्जा, इसी से हमारे जीवन की सफलता असफलता जुड़ी हुई है स उच्च ऊर्जा के साथ हम अपने जीवन में सभी चीज़ों की प्राप्ति कर सकते हैं चाहे वो सफलता हो या हमारा कोई भी उद्देश्य होस

ऊर्जा की कमी रहने पर हम

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

क्या कर सकते हैं उस पर हमेशा संशय रहता है, क्यों नहीं कर सकते उस पर कभी संशय नहीं होता है, इसलिए हमे ऊर्जा बढ़ाकर रखनी है। उन्होंने आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान के बारे में बताया कि कैसे इस संस्थान से लगभग विश्व भर में 4.5 करोड़ से अधिक लोग अपने स्वयं विकास और तनाव एवं समय प्रबंधन को सुदर्शन क्रिया योग की मदद से लाभ उठा रहे हैं। ऊर्जा की कमी होने पर हमसे नकारात्मकता चिपक जाती है।

अतिथि महोदय ने बताया कि आंतरिक अनुभूति से हम सभी चीजें सीख सकते हैं। उन्होंने सफलता–समय–ऊर्जा के चक्र के बारे में भी बताया, अतिथि महोदय ने बताया कि अपना समय उन चीज़ों पर व्यर्थ ना करें जिनसे हमारी ऊर्जा कम हो।

अतिथि महोदय ने बताया कि आर्ट ऑफ लिविंग के शोधकर्ताओं ने शोध में पाया कि सांस लेने के पैटर्न (स्वरूप) को बदलकर हम अपनी भावनाएं भी बदल सकते हैं। अच्छी नींद उच्च ऊर्जा को प्राप्त करने का सबसे कारगर हथियार है। अतिथि महोदय ने सफलता का मंत्र बताया की समय उन चीज़ों को देना चाहिए जो हमारी ऊर्जा को बढ़ाए। आज के इस भाग दौड़ वाले समय में सबसे अत्यधिक आवश्यकता समय एवं तनाव प्रबंधन की है, इसलिए इस पर सबसे अधिक जोर देना चाहिए। अंत में अतिथि महोदय ने सभागार में उपस्थित सभी लोगों को दस मिनट ध्यान लगाने के लिए कहा तथा इसके पश्चात उससे होने वाले बदलाव का अनुभव करने के लिए कहा।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संजय पांडेय जी (एसटीसी), आलोक गुप्ता जी (एओएल, शिक्षक) डॉ. राजकुमार जी (विभागाध्यक्ष बॉयोकेमिस्ट्री विभाग बी.आर.डी. मेडिकल कॉलेज), आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य (कार्यवाहक) डॉ. नवीन के., डॉ. शांतिभूषण हांडुर, डॉ. गिरिधर, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. संध्या पाठक, डॉ. सार्वभौम आदि शिक्षक एवं सभी चरक एवं सुश्रुत बैच के विद्यार्थी उपस्थित रहें।

स्वस्थवृत्त एवं योगा विभाग के प्राध्यापक डॉ. परीक्षित देवनाथ ने अतिथि महोदय का एवं सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन चरक बैच की छात्रा खुशी वर्मा ने किया।

चरक जयंती - वाद-प्रतिवाद प्रतियोगिता

दिनांक : 09 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज् (आयुर्वेद कॉलेज) के पंचकर्म सभागार में संहिता सिद्धांत एवं संस्कृत विभाग द्वारा चरक जयन्ती के अवसर पर वर्तमान स्वास्थ्य परिदृश्य और गतिहीन जीवन शैली में चरकोक्त आयुर्वेद सिद्धांतों की प्रासंगिकता विषय वाद–प्रतिवाद प्रतियोगिता और क्वीज प्रतियोगिता और चरक शपथ का आयोजन किया गया। जिसमें तीनों समूह स्थापना प्रतिस्थापन और वितण्ड ने अपने अपने विचार तर्क और चरक संहिता के संदर्भों के अनुसार व्यक्त किया। छात्रों ने अपने विचार रखने के लिए पीपीटी प्रजेंटेशन का भी सहारा लिया।

कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. नवीन ने सभी प्रतिभागियों के प्रति साधुवाद प्रदान करते हुए विजयी समूह स्थापना समूह की घोषणा किया और पुरस्कार वितरित किए। डॉ. परिक्षित, डॉ. सुमित

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

वाद–प्रतिवाद प्रतियोगिता के दौरान शिक्षकगण एवं विद्यार्थी

और डॉ. गोपीकृष्ण ने निर्णायक की भूमिका निभाया।

चरक जयन्ती के अवसर पर डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय ने

महर्षि चरक के जीवन परिचय को बताते हुए कहा कि महर्षि चरक मात्र शरीर ही नहीं दशों इन्द्रिय, मन, आत्मा तक स्वास्थ्य की कामना की है और इसके बारे में चरक संहिता में उल्लेख किया है। स्वस्थ के स्वास्थ्य का रक्षण करना और रोगी के विकार का शमन करना ही आयुर्वेद का प्रायोजन है। आयुर्वेद को जन–जन तक पहुंचाने में महर्षि चरक और ऋषि परंपरा के शिष्या अनुयायियों का अहम भूमिका है आज परंपरागत ज्ञान भारत के सूदूर ग्रामों में भी देखने को मिलता है। जिसमें महर्षि चरक का अतुलनीय योगदान है।

कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस द्वितीय वर्ष के छात्र शौर्य और आशमा ने किया। सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों का आभार ज्ञापन करते हुए डॉ. शान्ति भूषण ने कहा कि चरक संहिता के स्वास्थ्य के सूत्र आज भी प्रासंगिक और सत्य सिद्ध होते है जिन्हें जीवन में धारण कर हम स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। कार्यक्रम अंत में संहिता सिद्धांत विभाग के ओर से मिष्ठान वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में प्रथम और द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहें।

78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर

ध्वजारोहण के दौरान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई एवं प्रस्तुति देते हुए विद्यार्थी

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते माननीय कुलपति

दिनांक : 15 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में 78वां स्वतंत्रता दिवस हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी ने ध्वजारोहण कर उद्बोधन में कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के इस महापर्व पर राष्ट्रीय एकता, अखंडता, गौरव एवं संविधान में निहित आदर्शों व मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित कर देश व लोकतंत्र की प्रगति में हम सभी को अपना योगदान देना है। भारत को पुनः विश्वगुरु एवं विश्वशक्ति के रूप में स्थापित करने का प्रयास करना है। युवा शक्ति शिक्षित होगी तो राष्ट्र उन्नति के पथ पर अग्रसित होगा। पंचकर्मा भवन पर कुलपति जी ने ध्वजारोहण कर सलामी दिया।

नर्सिंग कॉलेज में आयोजित सांस्कृतिक प्रस्तुति की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को राष्ट्र सेवा के लिए आह्वाहन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में फार्मेसी कॉलेज के छात्रों ने बैटल ऑफ झांसी को मंच पर प्रस्तुत कर सभी की देश भाव से भर दिया। पैरामेडिकल के छात्रों ने देशभक्ति गीत फिर भी दिल है हिंदुस्तानी नृत्य, आयुर्वेद कॉलेज द्वारा तेरी मिट्टी में मिल जावा की प्रस्तुति और संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय ने 'ए मेरे वतन के लोगों' गीत से सभी को देश प्रेम के रंग में रंग दिया वहीं एनसीसी कैडेट्स ने देशभक्ति नृत्य नाटिका से देश के वीर सपूतों को नमन किया। पूरा परिसर भारत माता के उदघोष से गुंजीत होता रहा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से फार्मेशी विभाग के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह ने स्वागत उद्बोधन, आयुर्वेद प्राचार्य डॉ. नवीन. के., पैरामेडिकल विभाग के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, कृषि विभाग के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे ने स्वतंत्रता दिवस पर संबोधित किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन छात्रा निधि वर्मा और नीलिमा ने किया, आभार ज्ञापन नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा जी ने किया।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में एन.सी.सी. अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव के नेतृत्व में कैडेट्स ने मार्च पास करते हुए राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दिया। परेड का नेतृत्व कैडेट्स सागर जायसवाल ने किया। परेड में अंडर ऑफिसर मोतीलाल, अंशिका सिंह, आदित्य विश्वकर्मा, अभिषेक चौरसिया, अनुभव, अमित चौधरी, शिवम सिंह, भानु प्रताप सिंह, सागर यादव, कृष्णा त्रिपाठी, आशुतोष सिंह, अमृता कन्नौजिया, संजना शर्मा, गौरी कुशवाहा, अश्मित सिंह, आंचल पाठक, पूजा सिंह, दरख्शा बानो, खुशी गुप्ता, शालिनी चौहान, अनुष्का गुप्ता, निकिता गौड़, साक्षी प्रजापति, चांदनी निषाद, खुशी यादव, हरयश्व कुमार साहनी ने ध्वज को सलामी दिया।

समारोह में प्रमुख रूप से उप कुलसचिव श्री श्रीकांत, डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, डॉ. विकास यादव, डॉ. अमित दुबे, धनंजय पाण्डेय, साध्वीनंदन पांडेय, डॉ. सुमित, डॉ. आयुष पाठक सहित समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं एनसीसी कैडेट, छात्र भारी संख्या में सम्मिलित हुए।

ऑनलाइन व्याख्यान

संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

'रजस्वलाचर्या' महिला स्वास्थ्य संरक्षण में वरदान विषय पर छात्राओं का ऑनलाइन मार्गदर्शन करती हुई डॉ. हेतल एस. दवे.

दिनांक : 17 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में प्रसूति तंत्र विभाग एवं स्त्री रोग राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल एच. दवे. ने 'रजस्वलाचर्या' महिला स्वास्थ्य संरक्षण में वरदान विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान में छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि 'रजस्वलाचर्या' परंपरा प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों में विस्तृत रूप से वर्णित है, जिसमें माहवारी (रजस्वलाचर्या) के दौरान महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की व्याख्या है। रजस्वलाचर्या का अर्थ है। रजस्वला, यानी माहवारी के समय में महिला द्वारा अनुसरण की जाने वाली जीवनशैली और आहार नियम।

यह न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

आयुर्वेद में मासिक धर्म को 'अर्तव' कहा जाता है, जो शरीर के प्रमुख धातुओं में से एक रज (ब्लड) से संबंधित है। मासिक धर्म महिला के प्रजनन स्वास्थ्य का प्रमुख संकेतक है। आयुर्वेद के अनुसार, मासिक धर्म का स्वास्थ्य तीन दोषों, वात, पित्त और कफ, के संतुलन पर निर्भर करता है।

माहवारी के समय हल्का, सुपाच्य और पौष्टिक भोजन लेना चाहिए। ताजे फल, सब्जियां, दही और दलिया जैसे खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता दी जाती है। अत्यधिक तले हुए, मसालेदार और भारी भोजन से परहेज करना चाहिए।

मासिक धर्म के समय महिलाओं को शालीचावल, जौ, दूध, घी, मिश्री का सेवन स्त्रियों को स्वस्थ बनाता हैं। मासिक धर्म में खट्टे फलों और बंद डिब्बे वाले सामग्रियों का सेवन नहीं करना चाहिए। रजस्वलाचर्या मधुमेह से भी स्त्रियों को निरोगी बनाता है। रजस्वलाचर्या के दौरान योग और प्राणायाम से अपनी ऊर्जा को संचित किया जा सकता है। रजस्वलाचर्या के नियम महिलाओं के समग्र स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हो सकते हैं।

स्वच्छता के नियमों का पालन करने से माहवारी के दौरान संक्रमण और अन्य समस्याओं से बचा जा सकता है।

आयुर्वेद में माहवारी को एक शुद्धिकरण की प्रक्रिया के रूप में देखा गया है, माहवारी के दौरान हार्मोनल बदलावों के कारण महिलाओं में चिड़चिड़ापन, उदासी और तनाव जैसे मानसिक अस्थिरता के समय योग, ध्यान और सृजनात्मक कार्यों से अशांत मन को संतुलित किया जा सकता है।

आज के व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन में, रजस्वलाचर्या के सिद्धांत न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक हो सकते है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन को भी बनाए रखने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

इसलिए, इस प्राचीन परंपरा को समझने और अपनाने से महिलाएं अपने स्वास्थ्य का बेहतर तरीके से ख्याल रख सकती हैं, जिससे वे समाज में सशक्त और समर्थ भूमिका निभा सकें। छात्राओं के प्रश्नों का जवाब देते हुए डॉ. हेतल ने कहा की आयुर्वेद महिलाओं के मासिक धर्म को एक प्राकृतिक और नियमित प्रक्रिया मानता है जो कि महिलाओं के स्वास्थ्य और प्रजनन शक्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मासिक धर्म के दौरान महिलाओं को ताजे फलों, सब्जियों और हरे पत्तेदार सब्जियों का सेवन करना चाहिए। गर्म तासीर के भोजन का सेवन मासिकधर्म में नहीं करना चाहिए।

इसी के साथ रजस्वलाचर्या में सिंघाड़े के आटे का हलवा, हरी धनिया, हरितकी का सेवन करना मासिक धर्म अत्यंत ही हितकारी है। तिल का तेल, घी और आयुर्वेदिक जड़ी–बूटियों जैसे अश्वगंधा, शतावरी आदि का सेवन इस समय विशेष रूप से लाभकारी होता है। ये जड़ी–बूटियाँ शरीर को पोषण प्रदान करती हैं और हार्मोनल संतुलन को बनाए रखने में मदद करती हैं।

डॉ. हेतल पटेल ने सभी छात्राओं से आग्रह किया की वो एक वोलेंटियर की तरह से आयुर्वेद के इस रजस्वलाचर्या को बीस बीस महिलाओं तक पहुंचकर समाज को तथा राष्ट्र को महिला रोग मुक्त करें। महिलाओ में आज भी मासिक धर्म को लेकर संकोच का भाव है, इस विषय पर बात चीत करे चुप्पी तोड़े और अपने स्वस्थ के प्रति सचेत रहें।

ऑनलाइन व्याख्यान का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपमा ओझा ने किया। व्याख्यान में संबद्ध स्वाथ्य संकाय की मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी तथा मेडिकल बायोकेमिस्ट्री की छात्राओं ने भाग लिया।

इस व्याख्यान में बीएससी मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी द्वितीय वर्ष की छात्रा पूजा सिंह ने इस एक घंटे के व्याख्यान का निष्कर्ष प्रस्तुत किया।

छात्रा अंशिका सिंह, मंजूषा द्विवेदी एवं विंध्यवासिनी के प्रश्नों का उत्तर डॉ. हेतल ने सहजता से देकर छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

सप्तदिवसीय स्मृति व्याख्यानमाला

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

तृतीय स्थापना दिवस के साप्ताहिक समारोह में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए बीआरडी के प्राचार्य डॉ. राम कुमार जायसवाल

दिनांक : 22 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के तृतीय स्थापना दिवस के साप्ताहिक समारोह में युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्र संत ब्रह्मलीन महंत अवेधनाथ जी महाराज स्मृति सप्त दिवसीय व्याख्यान माला का शुभारंभ पंचकर्म हाल में मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. राम कुमार जायसवाल, बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज, कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी ने मां सरस्वती, भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन व दीप प्रज्ज्वलित कर स्थापना दिवस और व्याख्यानमाला का उद्घाटन किया।

मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. राम कुमार जायसवाल ने युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेधनाथ ने शिक्षा क्षेत्र में क्रांति लाया था। जिस बीज रूपी शिक्षा के पौधे को महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने लगाया था वो आज विशाल वट के रूप में समृद्ध होकर अपनी जड़े जमा चुका है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के विशाल वट से समृद्ध महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर अपने स्थापना के तीसरे वर्ष को स्मृति दिवस और उत्सव के रूप में मना कर एक नए अध्याय को पूर्ण कर रहा है।

डॉ. राम कुमार जायसवाल ने कहा की मेरा सौभाग्य है इसी विशाल वट वृक्ष के महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के आंगन से शिक्षा की लौ में तपकर आज चिकित्सा के क्षेत्र में मानव सेवा का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है।

विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस समारोह के उद्घाटन सत्र में मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने लोककल्याण की भावना से समाज के हर क्षेत्र में क्रांति ला रहा है। विश्वविद्यालय आरोग्य धाम में शिक्षा और चिकित्सा के द्वारा मानव सेवा का संकल्प पूरा कर रहा है।

विश्वविद्यालय अपने उच्च मानदंड, पूर्ण अनुशासन, और संस्कार युक्त शिक्षा से नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। रास्ता कठिन है, कठिन परिस्थितियों में भी हम स्वास्थ्य सेवा को सर्वाधिक लोगों तक पहुंचाने का संकल्प पूरा कर रहे है। संस्थान के उत्थान में सभी की भूमिका महत्वपूर्ण है।

उद्घाटन सत्र में राष्ट्रगान, कुलगीत नर्सिंग कॉलेज की छात्रा सुधाए प्रिया और अपूर्वा ने किया। स्वागत उद्बोधन नीलिमा द्विवेदी एवं संचालन छात्रा निधि वर्मा ने किया। कार्यक्रम में आभार ज्ञापन नर्सिंग छात्रा अर्पिता ने किया।

उद्घाटन सत्र में प्रमुख रूप से कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डी.एस. अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एम. एस. मंजूनाथ, संबंध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह कृषि विभाग के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे फार्मेसी विभाग के प्राचार्य डॉ. एस. के. सिंह, पैरामेडिकल विभाग के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव सहित सभी विभागों के शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित रहें।

डॉ. राम कुमार जायसवाल को स्मृति चिन्ह भेंट करते माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई एवं मंचासीन अतिथिगण

आरोग्य पथ
मासिक ई-पत्रिका

सप्तदिवसीय स्मृति व्याख्यानमाला

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

तृतीय स्थापना दिवस के साप्ताहिक समारोह के द्वितीय दिवस पर विद्यार्थियों को 'एनीमिया भारतवर्ष के लिए एक चुनौती' विषय पर जानकारी देते हुए डॉ. राज किशोर सिंह

दिनांक : 23 अगस्त, 2024 को महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय के साप्ताहिक स्थापना समारोह की व्याख्यान श्रृंखला के दूसरे दिन डॉ. राज किशोर सिंह, प्रोफेसर मेडिसिन विभाग बीआरडी मेडिकल कॉलेज के द्वारा 'एनीमिया भारतवर्ष के लिए एक चुनौती' विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया गया।

डॉ. राज किशोर ने बताया की भारत सरकार के राष्ट्रीय नीति के अनुसार गर्भवती महिलाओं में हीमोग्लोबिन 11 से कम होने पर महिलाएं गर्भवती नहीं है उनमें हीमोग्लोबिन 12 से कम होने पर वह पुरुषों आदि में हीमोग्लोबिन 13 से कम होने पर एनीमिया बीमारी समझना चाहिए।

उन्होंने बताया कि वैश्विक स्तर पर 30 प्रतिशत लोग एनीमिया से ग्रसित है जबकि हमारे भारतवर्ष में गर्भवती महिलाओं में 52 प्रतिशत गर्भवती महिलाएं एनीमिया से ग्रसित है 6 महीने से 5 साल के बच्चों में एनीमिया की स्थिति अत्यंत ही भयावह है इस आयु वर्ग में 67 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से ग्रसित है एनीमिया के लक्षणों के बारे में बताते हुए प्रोफेसर राजकिशोर ने कहा कि एनीमिया मानसिक सामाजिक और शारीरिक तीनों तरह के लक्षण देता है शारीरिक लक्षणों में कमजोरी सांस फूलना बार–बार इन्फेक्शन होना चक्कर आना जल्दी थकान लगना सीढ़ियां चढ़ने पर पैरों में दर्द हो जाना आदि होते हैं। मानसिक लक्षण करीब–करीब सभी एनीमिया मरीजों में पाए जाते हैं जो अत्यंत ही गंभीर हैं जैसे डिप्रेशन या अवसाद एंजायटी या अनावश्यक उत्तेजना मेमोरी या स्मृति का काम होना किसी काम में एकाग्रता की कमी वैसे विषय जिसमें ज्ञान व एकाग्रता की ज्यादा आवश्यकता होती है जैसे गणित भौतिक व केमिस्ट्री उनमें बच्चों का परफॉर्मेंस खराब हो जाता है।

सामाजिक लक्षणों के बारे में बताते हुए डॉक्टर राजकिशोर ने बताया की एनीमिया के कारण मैरिज में डिप्रेशन एंजायटी होती है जिससे कि एंटी सोशल व्यवहार की संभावना बढ़ जाती है इस तरह से एनीमिया शारीरिक मानसिक व सामाजिक रूप से किसी भी व्यक्ति को परिवार को वह राष्ट्र को कमजोर करने वाली एक व्यापक बीमारी या महामारी है इससे निपटने के लिए भारत सरकार ने एनीमिया मुक्त भारत अभियान बृहद स्तर पर शुरू किया है।

डॉ. राजकिशोर ने आह्वान किया कि हम सभी एनीमिया के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्राप्त कर एनीमिया का समय से पहचान कर वह इलाज कर समाज का भला करें उन्होंने कहा कि रोग होने से बचाव अच्छा है इसके लिए एनीमिया होने के कारकों खासकर आयरन फोलिक एसिड और बी12 की कमी पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि चाय काफी पीने से भोजन में उपस्थित लोह तत्व या आयरन शरीर में ऑब्जर्व नहीं हो पता है जिससे कि एनीमिया होने की संभावना बढ़ जाती है जंक फूड वह पैकेज्ड फूड में आयरन की मात्रा नहीं होती है इससे भी एनीमिया का खतरा बढ़ जाता है एक एनीमिक व्यक्ति कमजोर होता है मानसिक रूप से वह साइंस जैसे कठिन विषयों में कमजोर होता है वह ऐसे व्यक्ति शोध व नवाचार में अत्यंत पिछड़े होते हैं उन्होंने कहा कि भारतवर्ष में शोध और नवाचार के पिछड़ेपन का एक महत्वपूर्ण कारण एनीमिया जैसे रोग की व्यापकता है समाज से खासकर गर्भवती महिलाओं में वह बच्चों में एनीमिया को हमें अति गंभीरता से लेना होगा गर्भवती महिलाओं का एनीमिया उन्हें तो नुकसान करता ही है उनके बच्चों की मानसिक क्षमता हमेशा के लिए काम कर देता है गर्भवती महिला का एनीमिक होना एक अभिशाप से काम नहीं है वह वर्तमान और भविष्य दोनों को बर्बाद कर देता हैं।

एनीमिया से बचने के लिए हमें एनीमिया मुक्त भारत के तीन बिंदुओं पर कार्य करना होगा पहले आयरन पालिक एसिड बी12 का पोषक तत्वों में सम्मिलीकरण दूसरा साल में दो बार पेट के कीड़ों की दवा का सेवन व तीसरा समाज के सभी टपके किया लोगों खासकर ग्राम प्रधान आशा नौजवान छात्रों वी नेतृत्वकर्ताओं को एनीमिया की भयावता उसके महत्व और उसके बचाव के बारे में जागरूक करना।

सप्तदिवसीय स्मृति व्याख्यानमाला

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

साप्ताहिक स्थापना समारोह की व्याख्यान श्रृंखला के तीसरे दिवस पर विद्यार्थियों को स्वास्थ्य देखभाल की चुनौतियाँ एवं आयुर्वेद विषय पर सम्बोधित करते हुए डॉ. जी.एस. तोमर

दिनांक : 24 अगस्त, 2024 को महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय के साप्ताहिक स्थापना समारोह की व्याख्यान श्रृंखला के तीसरे दिन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज में वर्तमान स्वास्थ्य देखभाल की चुनौतियाँ और आयुर्वेद विषय पर विचार व्यक्त करते हुए डॉ. जी. एस. तोमर ने कहा कि वर्तमान स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य कई चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिसमें पुरानी बीमारियों का बढ़ना, स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे पर दबाव, सेवाओं तक आसमान पहुँच और चिकित्सा देखभाल की लगातार बढ़ती लागत शामिल है।

मधुमेह, हृदय रोग और मोटापे जैसी पुरानी बीमारियाँ महामारी के अनुपात में पहुँच गई हैं, जिससे व्यक्तियों और स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों दोनों पर भारी बोझ पड़ रहा है।

इसके अलावा, कोविड–19 महामारी ने वैश्विक स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों की कमज़ोरियों को उजागर किया है। आयुर्वेद, भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली, एक पूरक दृष्टिकोण प्रदान करती है जो इनमें से अनेक चुनौतियों का समाधान करती है।

आयुर्वेद स्वास्थ्य के समग्र दृष्टिकोण पर जोर देता है, जो शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन पर ध्यान केंद्रित करता है। यह जीवनशैली में बदलाव, आहार समायोजन और प्राकृतिक उपचारों के माध्यम से निवारक देखभाल को बढ़ावा देता है, जो पुरानी स्थितियों को प्रबंधित करने और समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

आयुर्वेद का उपचार के प्रति व्यक्तिगत दृष्टिकोण, जो व्यक्ति की अनूठी संरचना (प्रकृति) और बीमारियों के मूल कारण पर विचार करता है, जबकि वर्तमान आधुनिक चिकित्सा में सभी की चिकित्सा एक जैसी है।

डॉ. तोमर ने कहा कि आयुर्वेद वर्तमान स्वास्थ्य सेवा चुनौतियों का अधिक व्यापक समाधान प्रदान कर सकता है। कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस छात्राएं शगुन और अरीबा बानो ने किया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी का आभार ज्ञापन डॉ. गोपीकृष्ण आचार्य ने किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डाबर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के महाप्रबंधक डॉ. दुर्गा प्रसाद सहित आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस., कृषि संकायाध्यक्ष डॉ. विमल दुबे, औषधि विज्ञान संकायाध्यक्ष डॉ. शशिकांत सिंह, आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. मिनी, डॉ. शांतिभूषण, डॉ. देवी नायर, डॉ. नवीन के, डॉ. दीपू. डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. संध्या पाठक, डॉ. जीतेंद्र मिश्रा, डॉ. सार्वभौम, डॉ. चौतन्या, डॉ. प्रिया सहित सभी बीएएमएस के विद्यार्थी उपस्थित रहें।

अतिथि व्याख्यान

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

दिनांक : 24 अगस्त, 2024 को महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग ने चरक, सुश्रुत एवं वाग्भट्ट बैच के बी.ए.एम.एस. के विद्यार्थियों के लिए अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। जिसमें डाबर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के महाप्रबंधक डॉ. दुर्गा प्रसाद ने 'औषधियों (हर्बोमिनरल आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन) के नैदानिक उपयोग' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि धातुएं एवं खनिज अत्यधिक विषैले होते हैं, इनके उपयोग करने से पूर्व इनके शोधन (शुद्धिकरण) एवं मृणा (भस्मीकरण) के महत्व को प्रकाशित किया। डॉ. प्रसाद ने कई विषाक्तता अध्ययनों के उपयोग के वैज्ञानिक प्रमाण भी दिए, जिन्हें आयुर्वेदिक प्रसंस्करण तकनीकों का पालन करके उपयोग करने पर सुरक्षित पाया गया। एक अध्ययन में यह

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. दुर्गा प्रसाद जी

देखा गया कि स्वर्ण भस्म के कण का आकार लगभग 23 से 35 एनएम की सीमा में हैं।

स्वर्ण भस्म एवं भस्म और

आयुर्वेदिक औषधियों के निर्माण प्रक्रिया और उपयोगिता के बारे में बताया।

कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस छात्राएं शगुन और अरीबा बानो ने किया । कार्यक्रम में उपस्थित सभी का आभार ज्ञापन डॉ. गोपीकृष्ण आचार्य ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. जी.एस. तोमर, आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस., कृषि संकायाध्यक्ष डॉ. विमल दुबे, औषधि विज्ञान संकायाध्यक्ष डॉ. शशिकांत सिंह तथा आयुर्वेद महाविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. मिनी, डॉ. शांतिभूषण, डॉ. देवी नायर, डॉ. नवीन के, डॉ. दीपू, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. संध्या पाठक, डॉ. जीतेंद्र मिश्रा, डॉ. सार्वभौम, डॉ. चौतन्या, डॉ. प्रिया, आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय सहित सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय ऑर्थोपेडिक टेक्निशियन दिवस

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

राष्ट्रीय ऑर्थोपेडिक टेक्निशियन दिवस पर विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए मॉडल्स का अवलोकन करते हुए माननीय कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई एवं डॉ. राजेश बहल जी

दिनांक : 24 अगस्त, 2024 को महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में राष्ट्रीय ऑर्थोपेडिक टेक्निशियन दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर बच्चों ने ऑर्थोपेडिक विभाग से संबंधित स्केलेटल सिस्टम, न्यूरॉन, स्कल बोन, क्लाविकल बोन और उसके। मसल अटैचमेंट, ह्यूमरस बोन और उसके मसल अटैचमेंट, क्यूबोटल फोसा, वर्टेब्रल कॉलम एक्स रे मशीन, सी आर्म मशीन, बोन एवं फ्रैक्चर हीलिंग मैकेनिज्म, प्लास्टर मैटेरियल एवं कटर इत्यादि मॉडल एवं पोस्टर प्रेजेंटेशन का कार्य डिप्लोमा इन ऑर्थोपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन कोर्स के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई जी के कर कमलों द्वारा हुआ।

कार्यक्रम में ऑर्थोपेडिक के इन्चार्ज श्री संदीप शर्मा जी ने बताया कि होता है। आज राष्ट्रीय आर्थोपेडिक तकनीशियन दिवस है। उन उत्कृष्ट पेशेवरों को पहचानने का समय जो हमारे अभ्यास की रीढ़ हैं। हम इसके लिए आभारी है। हमारे आर्थोपेडिक तकनीशियन जो हमारे रोगियों को उत्कृष्ट, दयालु और विचारशील दैनिक देखभाल प्रदान करते हैं। हमारे तकनीशियन, रोगी के देखभाल में महत्वपूर्ण हैं, अक्सर सबसे कमजोर लोगों की देखभाल करते हैं ;एक बच्चे को कास्ट हटाने के बारे में सोचें)। सन 1658 में 24 अगस्त को राष्ट्रीय ऑर्थोपेडिक डे की मान्यता दी गई है यह डॉ. निकोलस एंड्री डे जो फ्रांसीसी चिकित्सक थे का जन्मदिन है। उनकी पुस्तक 'ओर्थोपेडी सरल एवं यथार्थवादी प्रस्तुत किया गया। जो हड्डियों से संबंधित रोगों के रोकथाम और उपचार के तरीकों का विस्तृत वर्णन है।

कृपया हमारे असाधारण प्रौद्योगिकीविदों को पहचानने और धन्यवाद देने में मेरे साथ शामिल हों! साथ ही साथ हर साल एक थीम के साथ दुनिया भर में मनाया जाता है। इस साल का थीम है 'स्ट्रॉन्ग बोन्स ए स्ट्रॉन्ग इंडिया' इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव जी, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय की अधिष्ठाता डॉ. डी. एस. अजीथा मैम, कृषि विज्ञान संकाय के प्राचार्य डॉ. विमल कुमार दुबे जी, डायरेक्टर डॉ. राजेश बहल जी, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह जी, डॉ. संदीप श्रीवास्तव जी मौजूद रहें।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पैरामेडिकल कॉलेज के शिक्षक अभिनव, शुभम, संदीप, अनूप, जयशंकर, विशालदीप, आकाश, कुलदीप, सुप्रिया, अंकिता, आकांक्षा एवं आर्थपेडिक एंड प्लास्टर टेक्नीशियन कोर्स के विद्यार्थी पंकज रंजीत विश्वजीत, आयुषी, रंजना, अभय अंकित, बाल्मिकी, सुंदरी एवं जागृति व कॉलेज के समस्त विद्यार्थियों का योगदान रहा।

सप्तदिवसीय स्मृति व्याख्यानमाला

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

सप्तदिवसीय स्मृति व्याख्यानमाला में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए प्रो. गिरिधर वेदांतम एवं डॉ. सुनील कुमार सिंह

दिनांक : 25 अगस्त, 2024 को युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्र संत ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला में मुख्य वक्ता गुरु गोरक्षनाथ इंसिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के द्रव्यगुणा विभाग के प्रो. गिरिधर वेदांतम, ने आयुर्वेद के घरेलू उपचार पारंपरिक औषधियो के लाभ पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित व्याख्यान में गोरक्षनाथ इंसिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस के प्राचार्य डॉ. एम. एस. मंजूनाथ, मुख्य वक्ता प्रो. गिरिधर वेदांतम, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के प्रो. सुनील कुमार सिंह ने मां सरस्वती, भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन व दीप प्रज्ज्वलित कर व्याख्यानमाला का शुभारंभ किया।

मुख्य वक्ता प्रो. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति है, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में, जहां लोगों को रोजमर्रा के छोटे–मोटे रोगों के लिए डॉक्टर के पास जाने का समय नहीं मिलता, वहीं आयुर्वेदिक घरेलू उपचार बहुत सहायक सिद्ध हो सकते हैं। आयुर्वेद के प्रयोग से शरीर पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है।

आयुर्वेद में हल्दी एक प्राकृतिक एंटीसेप्टिक और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों औषधि है। हल्दी का सेवन दूध के साथ करने से इम्यूनिटी को बढ़ाया जा सकता है। सर्दी–जुकाम, त्वचा पर चोट जलने पर हल्दी को पानी या शहद के साथ मिलाकर लगाने से घाव जल्दी भरता है। तुलसी को आयुर्वेद में 'जीवन का अमृत' कहा जाता है। सर्दी, खांसी और बुखार जैसी समस्याओं में तुलसी के पत्ते लाभकारी है। अदरक में एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। नीम के पत्तों में एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–फंगल गुण होते हैं। त्वचा की समस्याओं, जैसे एक्ने, दाद या खाज में, नीम के पत्तों का पेस्ट बनाकर लगाने से फायदा होता है। नीम का रस पीने से खून साफ होता है और शरीर की रोग–प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। शहद और नींबू के मिश्रण से गले की खराश और खांसी में आराम पहुंचाता है। इसके साथ ही यह मिश्रण शरीर को डिटॉक्सिफाई करता है और वजन घटाने में सहायक होता है। सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ इसका सेवन बहुत लाभकारी माना जाता है। घरेलू उपचारों की बढ़ती लोकप्रियता पर प्रो. गिरिधर वेदांतम ने कहा की आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते तनाव और रासायनिक औषधियों के प्रभावों के कारण, लोग अब आयुर्वेद और घरेलू उपचारों की ओर वापस लौट रहे हैं। आयुर्वेदिक उपचार न केवल शरीर के रोगों का निदान करते हैं, बल्कि यह शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को बनाए रखने में भी मदद करते हैं।

व्याख्यानमाला में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन पद्धति है जिसने विश्व को रोगों से मुक्ति की अचूक औषधि है जिसे आज सम्पूर्ण विश्व आत्मसात कर रहा है आज युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्र संत ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ जी महाराज के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी की आज हम संकल्प लें की घर–घर में आयुर्वेद को पुनः स्थापित करेंगे।

कार्यक्रम का संचालन बीएसएसवी बॉयो टेक्नोलॉजी की छात्रा शगुन शाही ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. अमित दुबे, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. धीरेंद्र सिंह, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. अवैधनाथ सिंह, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, धनंजय पांडेय, अनिल मिश्रा, डॉ. अखिलेश दुबे, प्रज्ञा सिंह, डॉ. रश्मि झा, जन्मेजय सिंह, अनिल शर्मा, मिताली शर्मा सहित सभी शिक्षकगण उपस्थित थे।

सप्तदिवसीय स्मृति व्याख्यानमाला

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

सप्तदिवसीय स्मृति व्याख्यानमाला में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. जी.एन. सिंह जी

दिनांक : 26 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में तृतीय स्थापना दिवस सप्ताह समारोह के अवसर पर पूर्व केंद्रीय औषधि महानियंत्रक, भारत सरकार और माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के सलाहकार, डॉ. जी.एन. सिंह द्वारा एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।

अपने व्याख्यान की शुरुआत में डॉ.जी.एन.सिंह ने फार्मास्यूटिकल कंपनी रैनबैक्सी की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रैनबैक्सी के संस्थापक, रणबीर सिंह और गुरबक्स सिंह, ने 10 वर्षों की कठोर अनुसंधान के बाद उस समय भारत को विदेशी फार्मूलेशंस पर निर्भरता से मुक्त कराया। पहले जहाँ हमें अपनी आवश्यकताओं के लिए फार्मूलेशंस का आयात करना पड़ता था, वहीं रैनबैक्सी के अनुसंधान के कारण हम अपने फार्मूलेशंस को अमेरिका तक निर्यात कर रहे हैं।

डॉ. जी. एन. सिंह ने फार्मेसी के छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए प्रेरित किया और उन्हें फार्मास्यूटिकल्स के क्षेत्र में नए मापदंड स्थापित करने के लिए उत्साहित किया। उन्होंने छात्रों को मेहनत और समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होने का संदेश दिया। जिससे भारत को फार्मास्यूटिकल्स के क्षेत्र में विश्व स्तर पर और ऊँचाइयों तक पहुंचाया जा सके।

कार्यक्रम के अगले पड़ाव में माननीय कुलपति जी ने व्याख्यान की सराहना करते हुए भारत एवं वैश्विक स्तर पर फार्मास्यूटिकल्स का बिमारियों के रोकथाम में औषधियों पर प्रकाश डाला। अपने शब्दों को विराम देते हुए माननीय कुलपति जी ने विद्यार्थियों को आशीर्वचन दिया।

कार्यक्रम के अंत में औषधि विज्ञान संकाय के प्रधानाचार्य प्रोफेसर डॉ. शशिकांत सिंह जी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

कार्यक्रम का आयोजन औषधि विज्ञान संकाय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. शशिकांत सिंह जी के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। व्याख्यान के दौरान मंच संचालन कार्यक्रम श्री पियूष आनन्द जी द्वारा सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव, महंत दिग्विजयनाथ चिकित्सालय के निदेशक डॉ. राजेश बहेल, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजुनाथ एन. एस., कृषि विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे एवं फार्मेसी विज्ञान संकाय के डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, श्री प्रवीन कुमार सिंह, श्री दिलीप मिश्रा, श्री दीपक कुमार, श्रीमती जुही तिवारी और सुश्री श्रेया मद्धेशिया व समस्त विद्यार्थीगण उपस्थित रहें।

वृहद स्वास्थ्य कैम्प

गुरू गोरखनाथ इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

मरीजों को परामर्श देते डॉ. संजय माहेश्वरी जी एवं डॉ. रेखा माहेश्वरी जी

दिनांक : 26 अगस्त, 2024। भारत के जाने माने कैंसर सर्जन और लेप्रोस्कोपी एवं किडनी रोग विशेषज्ञ तथा स्लोन हॉस्पिटल अमेरिका और टाटा मेमोरियल के पूर्व निदेशक डॉ. संजय माहेश्वरी एवं उनकी धर्मपत्नी डॉक्टर रेखा महेश्वरी जो स्वयं पेट आंत गाल

ब्लैडर पाइल्स एवं कैंसर रोग विशेषज्ञ हैं अब गुरू गोरखनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आरोग्यधाम बालापर रोड सोनबरसा में प्रतिमाह निःशुल्क ओपीडी देखेंगे। इस कड़ी में आज ओपी डी का शुभारंभ हुआ, जो 28 अगस्त तक चलेगा। आज ओपी डी में कुल 58 मरीजों की जांच करके परामर्श दिया।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉक्टर रेखा महेश्वरी ने कहा कि आजकल महिलाओं में स्तन और गर्भाशय का कैंसर आम हो गया है यदि समय से इलाज नहीं हुआ तो यह जानलेवा हो सकता है। समय–समय पर अपना मेडिकल चेकअप करवाना चाहिए और डॉक्टर द्वारा बताए गए नियमों का पालन करना चाहिए। इस कैंप के दौरान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल डॉक्टर अतुल बाजपेई भारत के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जी. एन. सिंह के के कंस्ट्रक्शन के मालिक जगदीश आनंद कुलसचिव डॉक्टर प्रदीप कुमार राव निदेशक डॉ. कर्नल राजेश बहल प्रबंधक जी के मिश्रा आदि उपस्थित थे।

सप्तदिवसीय स्मृति व्याख्यानमाला

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

सप्तदिवसीय स्मृति व्याख्यानमाला में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कर्नल डॉ. आर. के. चतुर्वेदी एवं डॉ. संजय माहेश्वरी

दिनांक : 27 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला में मंगलवार को कर्नल डॉ. आर. के. चतुर्वेदी (पूर्व निदेशक, जेएसएस अस्पताल, मैसूर) एवं डॉ. संजय माहेश्वरी (सीईओ इंनेर्वेशन रिसर्च एंड इंटरनेशनल रिलेशंस एम. जी.वाई. मेडिकल यूनिवर्सिटी) ने नर्सिंग के अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर नर्सिंग के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया ।

डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा की नर्सिंग का इतिहास हजारों वर्षों पुराना है। नर्सिंग का आधुनिक स्वरूप फ्लोरेंस नाइटिंगेल के काम से विकसित हुआ, जिन्होंने 1850 के दशक में क्राइमियन युद्ध के दौरान नाइटिंगेल ने नर्सिंग को एक पेशेवर मान्यता दिलाई और इसे वैज्ञानिक और अनुशासित दृष्टिकोण से देखा गया। नर्सिंग पेशेवर क्षेत्र है जो समाज में स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नर्सिंग नवाचार के माध्यम से इस पेशे में रोजगार के अपार संभावनाएं हैं। आज के समय में, नर्सिंग एक व्यापक और विविध पेशेवर क्षेत्र बन गया है। इसमें बुनियादी देखभाल से लेकर विशेष क्षेत्रों जैसे कि प्रजनन स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और पेडियाट्रिक्स में नर्सों की जिम्मेदारियों में रोगियों की देखभाल, निदान, चिकित्सा प्रक्रियाओं के प्रबंधन से अच्छे परिणाम आ रहे हैं।

नर्सिंग के भविष्य पर डॉ. संजय माहेश्वरी ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा कि भविष्य में नर्सिंग की दिशा में कई संभावनाएँ और चुनौतियाँ हैं। चिकित्सा प्रौद्योगिकी के विकास के साथ, नर्सों को अधिक उन्नत तकनीकी कौशल की आवश्यकता होगी। रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मशीन लर्निंग जैसे उन्नत तकनीकों से नर्सेज स्वयं को तैयार रखना होगा।

नर्सिंग में नवाचारों से आधुनिक शिक्षा और चिकित्सा सेवा को समृद्ध किया जा सकता है। भविष्य में नर्सिंग के क्षेत्र में रोबोटिक्स तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सकता है। नर्सिंग के विद्यार्थी रोबोट के साथ संतुलन तालमेल बैठाकर कार्य करना भी बड़ी चुनौती होगी। अंत में उन्होंने चार्ल्स प्लम्प की कहानी पर चर्चा की और नर्सिंग संकाय और छात्रों को सफल होने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

व्याख्यान श्रृंखला में कर्नल डॉ. आर. के. चतुर्वेदी ने नर्सेज को मूलमंत्र देते हुए कहा की नर्सों की जिम्मेदारी धैर्य है, दूसरी कोमल स्पर्श है जो चिकित्सीय हो सकता है और तीसरा है लक्ष्य और चौथा है सुखद मुस्कान के साथ कार्य को पूर्ण करने का प्रयास करें तो चुनौती कार्य सरल हो जायेगा। चिकित्सा सेवा में नर्सेज मां का रूप है। जिस तरह मां अपने बच्चे के प्रति समर्पित रहती है उसी तरह नर्सेज धाय मां की भाती रोगी की सेवा करें।

नर्सिंग प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा ने अतिथिगण को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पैरामेडिकल प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, फार्मेसी प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, नर्सिंग से श्रीमती प्रिंसी जी, श्रीमती रजीथा आर.एम. श्रीमती ममता रावत, श्रीमती रिंकी सिंह, सुश्री स्वेता अल्बर्ट, सुश्री सोसन डेन, श्रीमती संगीता, श्री अक्षय एडवर्ड, श्रीमती सुमिता त्रिपाठी, सुश्री प्रिया सिंह, सुश्री कविता साहनी, सुश्री नैंशी मिश्रा, सुश्री ममता चौरसिया, सुश्री शांति कुमारी, सुश्री निधि मिश्रा, सुश्री काजल मौर्य, सुश्री पूनम गोंड, सुश्री शक्ति जायसवाल, सुश्री निधि रायए सुश्री मानसी पांडे, सुश्री सुमन यादव, श्री केशव अधिकारी, सुश्री श्रद्धा, सुश्री प्राची यादव, डॉ. अभिनव सिंह सहित सभी शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित रहें।

स्थापना दिवस समारोह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

दिनांक : 27 अगस्त, 2024। स्थापना के सिर्फ तीन साल में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय पूर्वी उत्तर प्रदेश में विशिष्ट और रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का केंद्र बन गया है। इस अल्प काल में ही विश्वविद्यालय के खाते में उपलब्धियों की लंबी फेहरिस्त है जिसमें सबसे अद्यतन उपलब्धि है एमबीबीएस कोर्स की मान्यता। बीएएमएस की पढ़ाई तो स्थापना के पहले साल से हो रही है,

इसी सत्र से यहां नीट काउंसिलिंग के बाद एमबीबीएस की प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर पढ़ाई शुरू कर दी जाएगी। रोजगारपरक कई नए पाठ्यक्रमों का संचालन करने के साथ ही विश्वविद्यालय के पास शोध–अनुसंधान के लिए कई प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ एमओयू की भी विस्तृत श्रृंखला है।

इस विश्वविद्यालय का तीसरा स्थापना दिवस समारोह बुधवार को मनाया जाएगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डी.पी. सिंह उपस्थित रहेंगे।

28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों लोकार्पित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय तीन वर्ष में ही रोजगारपरक शिक्षा के विशिष्ट व प्रमुख केंद्र के रूप में विख्यात हो चुका है। यहां भारतीय ज्ञान मूल्यों का संरक्षण व संवर्धन, वर्तमान और भावी समय को ध्यान में रखकर अनुसंधानिक तरीके से किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में यहां पाठ्यक्रम ऐसे हैं जो समाज के लिए लाभकारी, विद्यार्थी के लिए सहज रोजगारदायी हैं।

इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति (गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री) योगी आदित्यनाथ की मंशा 2032 तक गोरखपुर को 'नॉलेज सिटी' के रूप में ख्यातिलब्ध कराने की है। यहां बता दें कि 10 दिसम्बर 2018 को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह में आए तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने परिषद के शताब्दी वर्ष 2032 तक गोरखपुर को नॉलेज सिटी बनाने का आह्वान किया था।

गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय के विचारों का मूर्त रूप है विश्वविद्यालय : इस विश्वविद्यालय की नींव में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज व राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के विचार हैं, जिनका मानना था कि दासता से मुक्ति, स्वावलंबन व सामाजिक विकास के लिए शिक्षा ही सबसे सशक्त माध्यम है। वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ इसी वैचारिक परंपरा के संवाहक हैं। उनके मार्गदर्शन में इस विश्वविद्यालय का लक्ष्य भारतीय ज्ञान मनीषा के आलोक में मूल्य संवर्धित, रोजगारपरक उस शिक्षा को बढ़ावा देना है जो समग्र रूप में सामाजिक व राष्ट्रीय हितों का पोषण कर सकें।

इसी लक्ष्य की दिशा में कदम बढ़ाते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में बीएएमएस की पढ़ाई का सफलतापूर्वक संचालन हो रहा है। इसी सत्र से यहां एमबीबीएस की कक्षाएं भी प्रारंभ होने जा रही हैं। अकेले गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में दर्जनभर रोजगारदायी पाठ्यक्रम पूर्ण क्षमता से संचालित हैं। विश्वविद्यालय में मेडिकल साइंस, नर्सिंग, पैरामेडिकल, एग्रीकल्चर, एलॉयड हेल्थ साइंसेज और फार्मेसी से संबंधित डिप्लोमा से लेकर मास्टर तक के दो दर्जन पाठ्यक्रम संचालित हैं। यहां के सभी पाठ्यक्रम रोजगारपरक हैं और उनकी बहुत मांग है।

शिक्षा, चिकिसा, कृषि अनुसंधान, रोजगार व ग्राम्य विकास के क्षेत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय नेपाल, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय, एम्स गोरखपुर, केजीएमयू लखनऊ, आरएमआरसी गोरखपुर, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद, वैद्यनाथ आयुर्वेद, इंडो–यूरोपियन चौंबर ऑफ स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो, भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, जुबिलेंट एग्रीकल्चर रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी, लॉजिस्टिक सेक्टर स्किल काउंसिल आदि के साथ एमओयू किया है। इन एमओयू के माध्यम से अलग–अलग क्षेत्रों में विश्व स्तरीय शोध अनुसंधान के साथ ही स्टार्टअप को बढ़ावा मिलेगा।

सप्तदिवसीय स्मृति व्याख्यानमाला

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. डी.पी. सिंह जी को स्मृति चिन्ह् भेंट करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव एवं विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि

दिनांक : 28 अगस्त, 2024। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पूर्व अध्यक्ष प्रा. डी. पी. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत शिखर की स्वर्णिम यात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्थापना के महज तीन साल में इस विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप रोजगारपरक पाठ्यक्रमों, नवाचार और अन्वेषकीय दृष्टि की मिसाल कायम की है। जल्द ही यह विश्वविद्यालय अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए रोल मॉडल के रूप में नजर आएगा और उनका मार्गदर्शन करेगा।

प्रो. सिंह बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए यूजीसी के पूर्व चेयरमैन ने कहा कि स्थापना दिवस विगत वर्ष की स्मृतियों पर गौरवान्वित होने का अवसर देता है।

यह आत्म अवलोकन का अवसर होता है कि पिछले वर्ष हमारे लक्ष्य क्या थे, हमने कौन से संकल्प को पूरा किया और आगे हमारे लक्ष्य क्या होंगे। ऐसे में विद्यार्थियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने जीवन के उद्देश्य और लक्ष्य के प्रति जागरूक रहें। प्रो. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की मातृ संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद विशाल वटवृक्ष है। इसकी शाखाओं से शिक्षा, चिकित्सा के संस्थान निरंतर नवाचारों से प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित कर रहे है।

प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसके कुलाधिपति के रूप में उनकी मंशा है कि यह विश्वविद्यालय देश का ही नहीं विश्व का प्रतिनिधित्व करें। कुलाधिपति के स्वप्न को पूरा करने के लिए विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति अपनी जड़ें मजबूत करनी होंगी। संवेदनशीलता, दया, करुणा, प्रेम, शांति का संदेश लेकर विश्व कल्याण और मानव सेवा के भाव का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी में शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उन्नति हुई है। उत्तर प्रदेश उत्तम से आगे सर्वोत्तम प्रदेश की दृष्टि से आगे बढ़ रहा है।

योगी जी भारतीय ज्ञान परंपरा के ध्वज वाहक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में जिज्ञासा होनी चाहिए, सीखने की प्रवृत्ति होनी चाहिए, नए टेक्नोलॉजी के साथ क्षमता को विकसित करने का संकल्प होना चाहिए।

निरंतर उपलब्धियों से विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा विश्वविद्यालय : डॉ. जी.एन. सिंह विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. जी.एन. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अपने तीसरे स्थापना वर्ष में निरंतर उपलब्धियों से विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। इस विश्वविद्यालय ने शिक्षा के साथ चिकित्सा में भी उत्कृष्ट पहचान स्थापित की है। यह विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में संचालित फार्मेसी संकाय ने 15 लाख रुपये का अनुदान लाने का उल्लेखनीय कार्य किया है।

भारत सरकार और उच्च शिक्षा विभाग के प्रयास से यहां शिक्षा को और उन्नत बनाने पर मंथन किया जा रहा है। डॉ. सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री एवं कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ यहां के लिए चिंतित रहते है। आज जरूरी है कि विद्यार्थी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से स्किल डेवलपमेंट से प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त नए नवाचार के लिए अपना लक्ष्य साधे।

महायोगी गोरखनाथ विवि में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी सौभाग्यशाली : डॉ. माहेश्वरी : समारोह में बिरला ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी सौभाग्यशाली हैं। यहां शिक्षा और रोजगार का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता। इस विश्वविद्यालय ने ऐसी शिक्षा पर जोर दिया है जिससे रोजगार की समस्या न रहे और यहां के विद्यार्थी समाज और देश की सेवा में अपना भरपूर योगदान दे सकें।

उन्होंने कहा कि यहां का मेडिकल कॉलेज पूरे देश में नजीर बनने की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर जेएसएस हॉस्पिटल मैसूर के पूर्व निदेशक कर्नल डॉ. आर.के. चतुर्वेदी ने कहा कि इस विश्वविद्यालय की नींव में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और राष्ट्र संत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के विचार अनुप्राणित हैं तो इसे गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ का दूरदर्शी मार्गदर्शन प्राप्त है। पूरी उम्मीद है कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अनुशासन की आंच में तपकर शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित करेंगे। समारोह में बिरला ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट को सीनियर सर्जन

डॉ. रेखा माहेश्वरी ने भी विद्यार्थियों को जीवन पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि कई चुनौतियों का सामना करते हुए अल्पकाल में इन विश्वविद्यालय ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। ऊंचे संकल्प से आबद्ध इस विश्वविद्यालय ने अनुशासन और संस्कार, संस्कृति की पवित्रता के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के नर्सिंग कॉलेज ने पूरे उत्तर प्रदेश के शीर्ष 10 कॉलेज में अपना स्थान बनाकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। समारोह में कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिनंदन किया। समारोह में विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

स्वागत संबोधन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, आभार ज्ञापन नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा और संचालन डॉ. शशिकांत सिंह ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती, भारत माता, गुरु गोरखनाथ, महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ के चित्रों पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। समारोह में एनसीसी कैडेट्स ने अतिथियों को गार्ड आफ ऑनर दिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे सहित सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहें।

ओवरऑल चौंपियन बना ऑरेंज हाउस : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कला, संस्कृति, साहित्य और खेलकूद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर ऑरेंज हाउस ने ओवरऑल चौंपियन का खिताब जीता। साथ ही ऑरेंज हाउस के बीएएमएस द्वितीय वर्ष के छात्र सिद्धांत श्रीवास्तव को उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रथम स्थान की ट्राफी से सम्मानित किया गया। अंकों के आधार पर रेड हाउस को दूसरा और ब्लू हाउस को तीसरा स्थान मिला।

डॉ. रेखा माहेश्वरी जी को स्मृति चिन्ह् भेंट करती डॉ. डी.एस. अजीथा एवं कर्नल (डॉ.) आर.के. चतुर्वेदी स्मृति चिन्ह् भेंट करते डॉ. मंजूनाथ एन.एस.

डॉ. संजय माहेश्वरी जी एवं डॉ. जी.एन. सिंह जी को स्मृति चिन्ह् भेंट करते डॉ. मंजूनाथ एन.एस.

ऑरेंज हाउस के बीएएमएस द्वितीय वर्ष के छात्र सिद्धांत श्रीवास्तव को उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रथम स्थान की ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

तीन दिवसीय निःशुल्क वृहद लेजर सर्जरी कैम्प

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

दिनांक : 29 अगस्त, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क वृहद लेजर सर्जरी कैम्प का समापन हो गया।

कैम्प में तीनों दिन मिलाकर अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के कैंसर सर्जन और लैप्रोस्कोपिक एवं किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय माहेश्वरी तथा सीनियर सर्जन डॉ.. रेखा माहेश्वरी ने कुल 213 मरीजों को देखा और उन्हें जरूरी परामर्श दिया। कैम्प में 22 मरीजों की लेजर सर्जरी भी की गई।

बिरला ग्रुप ऑफ हास्पिटल के डायरेक्टर और डॉ. संजय महाश्वरी ने बताया कि इस कैम्प में किडनी, गॉल ब्लेडर, लिवर, आंत और पेट से जुड़ी बीमारियों के मरीज अधिक आए। सभी का इलाज कर जरूरी दवाओं के सेवन का परामर्श दिया गया। साथ जिन मरीजों को तत्काल सर्जरी की जरूरत थी, उनकी मुफ्त लेजर सर्जरी की गई।

उन्होंने बताया कि पूर्वांचल में पहली बार इस तरह के लेजर सर्जरी कैम्प का आयोजन किया गया। इसके लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज का आभार जताना चाहिए।

अच्छी बात यह है कि इस तरह का निःशुल्क कैम्प यहां हर महीने के आखिरी सप्ताह में आयोजित किया जाएगा। हॉस्पिटल डायरेक्टर कर्नल डॉ. राजेश बहल एवं मैनेजर जी.के. मिश्रा ने कैम्प में मरीजों का निःशुल्क इलाज करने के लिए डॉ. माहेश्वरी के प्रति आभार व्यक्त किया।

उपलब्धि : मतदान हेतु स्वदेशी सॉफ्टवेयर का निर्माण

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

दिनांक : 30 अगस्त, 2024 | महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित वेब एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर voting.mgug.ac.in के जरिए छात्रसंघ चुनाव में भी होगा इस सॉफ्टवेयर का प्रयोगः महाराणा प्रताप महाविद्यालय के बाद महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में होने वाले छात्रसंघ चुनाव में भी ऑनलाइन मतदान के लिए इसी सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जाएगा। अन्य उच्च शिक्षण संस्थान भी अपने यहां ऑनलाइन छात्रसंघ चुनाव कराने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की आईटी टीम से यह सॉफ्टवेयर क्रय कर सकते हैं। कोरोना काल में जब महाराणा प्रताप महाविद्यालय ने पहली बार ऑनलाइन मतदान के लिए फ्रांस के सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल किया था, तब प्रति छात्र 11 रुपये का खर्च आया था।

अगस्त माह की मुख्य बैठकें

15 अगस्त, 2024 || माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में निम्न विषयों पर बैठक सम्पन्न हुई:–

- दिनांक 15 अगस्त, 2024 को स्वतन्त्रता दिवस समारोह के अवसर पर झण्डारोहण कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 9.3 बजे से पंचकर्मा भवन के सामने तथा शेष सभी कार्यक्रम नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय के आडिटोरियम में प्रातः 10 बजे से कराया जाये।
- झण्डारोहण व एन.सी.सी. परेड आदि की जिम्मेदारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, एन.सी.सी. अधिकारी को सौंपी गई।
- पंचकर्मा के सामने आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम की जिम्मेदारी प्राचार्य, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कालेज) को तथा नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में आयोजित कार्यक्रमों की जिम्मेदारी वहाँ के प्राचार्य को सौंपी गई।
- समस्त प्राचार्य, अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष 15 अगस्त को अपने कॉलेज/संकाय/विभाग से सम्बन्धित गतिविधियों का संकल्प प्रस्तुत करेंगे जिसकी समीक्षा 26 जनवरी को प्रस्तुत करेंगे।

23 अगस्त, 2024 || माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में निम्न विषयों पर बैठक सम्पन्न हुई:–

- एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम के संचालन हेतु मानक के अनुसार शैक्षणिक पदों पर नियुक्तियाँ की जाए।
- विद्यार्थियों के आगमन पर पहले दिन से ही कक्षाएं चलाये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, साथ ही दिनांक 13 सितम्बर, 2024 से छात्रावास आवंटन की कार्यवाही की जाए।
- प्रवेश प्रक्रिया हेतु डॉ. मंजूनाथ एन.एस. की अध्यक्षता में प्रकोष्ठ बना कर सुव्यस्थित ढंग से एम.बी.बी.एस. एव ंबी.ए.एम.एस. में प्रवेश की कार्यवाही पूर्ण करायी जाए।

28 अगस्त 2024 || माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में योगीराज बाबा गम्भीरनाथ अतिथि गृह के बैठक कक्ष में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर, दिग्विजयनाथ पीजी कालेज गोरखपुर तथा महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड, गोरखपुर के आई.क्यू.ए.सी. की समीक्षा हेतु सम्पन्न हुई

- नियामक संस्थाओं द्वारा जारी नवीनतम/अद्यावधिक दिशा निर्देशों को प्रत्येक दिन देखा जाए।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में 50 से अधिक सर्कुलर है, उनका अध्ययन किया जाए और उसे अपने यहाँ लागू किया जाए।
- एकाधिक निकास एवं एकाधिक प्रवेश (Multiple exit and multiple entry) के अवधारणा पर कार्य किया जाए।
- इंडियन नॉलेज सिस्टम के उपर इंडियन कल्चर होलिस्टिक एजूकेशन के उपर शिक्षा मंत्रालय के एनआईआरएफ की वेबसाइट को विजिट किया जाए।
- बहु–विषयक प्रणाली को विश्वविद्यालय में लागू की जाए।
- शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा वैल्यू एजूकेशन सम्मिलित किया जाए।

03 अगस्त 2024 || माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के शैक्षणिक पदों पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई।

20 अगस्त 2024 || माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के शैक्षणिक पदों पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई।

27 अगस्त 2024 || माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के शैक्षणिक पदों पर नियुक्ति हेतु चयन समिति की बैठक सम्पन्न हुई।

28 अगस्त 2024 || विश्वविद्यालय का तृतीय स्थापना दिवस समारोह को आयोजित किया गया।

अगस्त माह के प्रमुख आयोजन

राष्ट्रीय कैडेट कोर

06 अगस्त, 2024	एनसीसी नव नामांकन का प्रथम प्री स्क्रीनिंग, दौड़ एवं शारारिक माप
09 अगस्त, 2024	जयघोष से काकोरी शहीदों को नमन
15 अगस्त, 2024	78वें स्वतंत्रता दिवस पर पथ संचलन, सांस्कृतिक प्रस्तुति, तिरंगा यात्रा
21 अगस्त, 2024	102 यू.पी. बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अभिषेक मान सिंह एवं अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा जी द्वारा विश्वविद्यालय भ्रमण और कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी से एनसीसी गतिविधियों पर परिचर्चा
23 अगस्त, 2024	राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर 'जय विज्ञान जय अनुसंधान' विषय पर व्याख्यान और पीपीटी प्रस्तुति
24 अगस्त, 2024	बटालियन द्वारा एनसीसी नव नामांकन प्रवेश भर्ती परीक्षा पूर्ण
28 अगस्त, 2024	महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के तृतीय स्थापना दिवस पर यूजीसी पूर्व चेयरमैन प्रो. डी.पी. सिंह जी को कैडेट्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर
29 अगस्त, 2024	राष्ट्रीय खेल दिवस पर रन फॉर फिटनेस दौड़, टग ऑफ वॉर अन्य प्रतियोगिता का आयोजन

सितम्बर, 2024 प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

विश्वविद्यालय

16–25 सितम्बर, 2024	पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग (विश्वविद्यालय परीक्षा)
16–25 सितम्बर, 2024	द्वितीय व्यावसायिक परीक्षा बीएएमएस 2021–22 बैच टर्म–2
13–14 सितम्बर, 2024	छात्र संसद चुनाव

राष्ट्रीय कैडेट कोर

14 सितम्बर, 2024	विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस : व्याख्यान

सितम्बर, 2024 प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

विभागीय आयोजन

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

03–06 सितम्बर, 2024	शैक्षणिक यात्रा : चरक बैच
16–20 सितम्बर, 2024	षष्ठम आवधिक परीक्षा : वागभट्ट बैच
16–25 सितम्बर, 2024	द्वितीय आंतरिक परीक्षा : चरक बैच
01–14 सितम्बर, 2024	प्रथम आवधिक परीक्षा परीक्षा (सुश्रुत बैच)
22 सितम्बर, 2024	अतिथि व्याख्यान : सुश्रुत बैच

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

16 से 20 सितम्बर, 2024	प्रथम आंतरिक परीक्षा
24 सितम्बर, 2024	अतिथि व्याख्यान

कृषि संकाय

07 सितम्बर, 2024	किसान गोष्ठी
17 सितम्बर, 2024	अतिथि व्याख्यान
26 सितम्बर, 2024	प्रथम आंतरिक परीक्षा (तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर)

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

07 सितम्बर, 2024	तृतीय आंतरिक परीक्षा के परिणाम की घोषणा
17 सितम्बर, 2024	अतिथि व्याख्यान

फॉर्मेसी संकाय

06 से 07 सितम्बर, 2024	प्रथम आंतरिक परीक्षा
23 सितम्बर, 2024	अतिथि व्याख्यान
25 सितम्बर, 2024	वर्ल्ड फार्मेसिस्ट डे

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

29 सितम्बर, 2024	गोरक्षनाथ चिकित्सालय में रोल प्ले एवं जागरूकता कार्यक्रम

समाचार दर्पण

आयुर्वेद कॉलेज में समय और तनाव प्रबंधन पर व्याख्यान का आयोजन

मखौड़ा संदेश गोरखपुर संवाददाता।

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग द्वारा 'टाइम मैनेजमेंट एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता आर्ट ऑफ लिविंग बेंगलुरु के शिक्षक रश्मिन पुलेकर ने समय और तनाव प्रबंधन को लेकर विद्यार्थियों को जरूरी टिप्स दिए। श्री पुलेकर ने कहा कि कम ऊर्जा और उच्च ऊर्जा से हमारे जीवन की सफलता–असफलता जुड़ी हुई है स उच्च ऊर्जा के साथ हम अपने जीवन में उद्देश्यों की प्राप्ति कर सकते है। जबकि ऊर्जा मे कमी होने पर सफलता को लेकर हमेशा संशय की स्थिति रहती है। उन्होंने बताया कि ऊर्जा का उच्च स्तर प्राप्त करने के लिए ध्यान और सुदर्शन क्रिया योग मददगार हो सकती है। आयुर्वेद कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. नवीन के. ने स्मृति चिन्ह देकर मुख्य वक्ता का स्वागत किया। इस अवसर पर संजय पांडेय, आलोक गुप्ता, डॉ. राजकुमार, डॉ. परीक्षित देवनाथ, डॉ शांति भूषण, डॉ. गिरिधर, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. संध्या पाठक, डॉ. सार्वभौम आदि शिक्षक एवं चरक व सुश्रुत बैच के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आयुर्वेद कॉलेज में समय और तनाव प्रबंधन पर व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर,(संवाददाता)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग द्वारा 'टाइम मैनेजमेंट एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता आर्ट ऑफ लिविंग बेंगलुरु के शिक्षक रश्मिन पुलेकर ने समय और तनाव प्रबंधन को लेकर विद्यार्थियों को जरूरी टिप्स दिए। श्री पुलेकर ने कहा कि कम ऊर्जा और उच्च ऊर्जा से हमारे जीवन की सफलता–असफलता जुड़ी हुई है स उच्च ऊर्जा के साथ हम अपने जीवन में उद्देश्यों की प्राप्ति कर सकते हैं। जबकि ऊर्जा में कमी होने पर सफलता को लेकर हमेशा संशय की स्थिति रहती है। उन्होंने बताया कि ऊर्जा का उच्च स्तर प्राप्त करने के लिए ध्यान और सुदर्शन क्रिया योग मददगार हो सकती है। आयुर्वेद कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. नवीन के. ने स्मृति चिन्ह देकर मुख्य वक्ता का स्वागत किया। इस अवसर पर संजय पांडेय, आलोक गुप्ता, डॉ. राजकुमार, डॉ. परीक्षित देवनाथ, डॉ शांति भूषण, डॉ. गिरिधर, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. संध्या पाठक, डॉ. सार्वभौम आदि शिक्षक एवं चरक व सुश्रुत बैच के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आयुर्वेद कॉलेज में समय और तनाव प्रबंधन पर व्याख्यान का आयोजन'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

(आयुर्वेद कॉलेज) में स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग द्वारा 'टाइम मैनेजमेंट एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता आर्ट ऑफ लिविंग बेंगलुरु के शिक्षक रश्मिन पुलेकर ने समय और तनाव प्रबंधन को लेकर विद्यार्थियों को जरूरी टिप्स दिए। श्री पुलेकर ने कहा कि कम ऊर्जा और उच्च ऊर्जा से हमारे जीवन की सफलता–असफलता जुड़ी हुई है स उच्च ऊर्जा के साथ हम अपने जीवन में उद्देश्यों की प्राप्ति कर सकते हैं। जबकि ऊर्जा में कमी होने पर सफलता को लेकर हमेशा संशय की स्थिति रहती है। उन्होंने बताया कि ऊर्जा का उच्च स्तर प्राप्त करने के लिए ध्यान और सुदर्शन क्रिया योग मददगार हो सकती है। आयुर्वेद कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. नवीन के. ने स्मृति चिन्ह देकर मुख्य वक्ता का स्वागत किया। इस अवसर पर संजय पांडेय, आलोक गुप्ता, डॉ. राजकुमार, डॉ. परीक्षित देवनाथ, डॉ शांति भूषण, डॉ. गिरिधर, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. संध्या पाठक, डॉ. सार्वभौम आदि शिक्षक एवं चरक व सुश्रुत बैच के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्री स्क्रीनिंग भर्ती चयन में 227 विद्यार्थियों ने दी शारीरिक परीक्षा

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स की प्री स्क्रीनिंग भर्ती चयन प्रक्रिया में दौड़, शारीरिक नाप एवं वजन में 227 विद्यार्थी सम्मलित हुए। विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सेना में कैरियर बनाने के लिए विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला। प्री स्क्रीनिंग में बालक वर्ग के लिए बटालियन द्वारा निर्देशित 800 मीटर और बालिका वर्ग के लिए 400 मीटर की दौड़ विश्वविद्यालय प्रशासन के देखरेख में कराया गया। चयनित उम्मीदवारों के दस्तावेजों की जांच के बाद बटालियन स्तर पर लिखित परीक्षा में सामान्य ज्ञान, सामयिकी, और एनसीसी एवं रक्षा क्षेत्र से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे। एनसीसी में चयनित होने के बाद कैडेट्स को सैन्य ड्रिल, शारीरिक प्रशिक्षण, हथियार प्रशिक्षण, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट और सामरिक अभ्यास कुशल उस्तादो द्वारा कराया जाता हैं।

प्री स्क्रीनिंग भर्ती चयन में विद्यार्थियों ने दी शारीरिक परीक्षा

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स की प्री स्क्रीनिंग भर्ती चयन प्रक्रिया में दौड़, शारीरिक नाप एवं वजन में 227 विद्यार्थी सम्मलित हुए।

विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉण् संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सेना में कैरियर बनाने के लिए विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला। प्री स्क्रीनिंग में बालक वर्ग के लिए बटालियन द्वारा निर्देशित 800 मीटर और बालिका वर्ग के लिए 400 मीटर की दौड़ विश्वविद्यालय प्रशासन के देखरेख में कराया गया। चयनित उम्मीदवारों के दस्तावेजों की जांच के बाद बटालियन स्तर पर लिखित परीक्षा में सामान्य ज्ञानए सामयिकी, और एनसीसी एवं रक्षा क्षेत्र से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे। एनसीसी में चयनित होने के बाद कैडेट्स को सैन्य ड्रिल, शारीरिक प्रशिक्षण, हथियार प्रशिक्षण, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट और सामरिक अभ्यास कुशल उस्तादो द्वारा कराया जाता हैं।

आयुर्वेद कॉलेज में समय और तनाव प्रबंधन पर व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग द्वारा 'टाइम मैनेजमेंट एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता आर्ट ऑफ लिविंग बेंगलुरु के शिक्षक रश्मिन पुलेकर ने समय और तनाव प्रबंधन को लेकर विद्यार्थियों को जरूरी टिप्स दिए।

श्री पुलेकर ने कहा कि कम ऊर्जा और उच्च ऊर्जा से हमारे जीवन की सफलता-असफलता जुड़ी हुई है। उच्च ऊर्जा के साथ हम अपने जीवन में उद्देश्यों की प्राप्ति कर सकते हैं। जबकि ऊर्जा में कमी होने पर सफलता को लेकर हमेशा संशय की स्थिति रहती है। उन्होंने बताया कि ऊर्जा का उच्च स्तर प्राप्त करने के लिए ध्यान और सुदर्शन क्रिया योग मददगार हो सकती है। आयुर्वेद कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. नवीन के. ने स्मृति चिन्ह देकर मुख्य वक्ता का स्वागत किया। इस अवसर पर संजय पांडेय, आलोक गुप्ता, डॉ. राजकुमार, डॉ. परीक्षित देवनाथ, डॉ शांति भूषण, डॉ. गिरिधर, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. संध्या पाठक, डॉ. सार्वभौम आदि शिक्षक एवं चरक व सुश्रुत बैच के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्री स्क्रीनिंग भर्ती चयन में 227 विद्यार्थियों ने दी शारीरिक परीक्षा

संवाददाता

गोरखपुर, 6 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन गोरखपुर के एनसीसी कैडेटस की प्री स्क्रीनिंग भर्ती चयन प्रक्रिया में दौड़, शारीरिक नाप एवं वजन में 227 विद्यार्थी सम्मलित हुए। विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी

डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सेना में कैरियर बनाने के लिए विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला। प्री स्क्रीनिंग में बालक वर्ग के लिए बटालियन द्वारा निर्देशित 800 मीटर और बालिका वर्ग के लिए 400 मीटर की दौड़ विश्वविद्यालय प्रशासन के देखरेख में कराया गया। चयनित उम्मीदवारों के दस्तावेजों की जांच के बाद बटालियन स्तर पर लिखित परीक्षा में सामान्य ज्ञान, सामयिकी, और एनसीसी एवं रक्षा क्षेत्र से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे। एनसीसी में चयनित होने के बाद कैडेट्स को सैन्य ड्रिल, शारीरिक प्रशिक्षण, हथियार प्रशिक्षण, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट और सामरिक अभ्यास कुशल उस्तादो द्वारा कराया जाता हैं।

समाचार दर्पण

काकोरी ट्रेन एक्शन पर जिले में आयोजित हुए विविध कार्यक्रम, शहीदों को किया नमन

काकोरी ट्रेन एक्शन एक वैचारिक क्रांति

गोरखनाथ विवि

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कालेज में काकोरी ट्रेन एक्शन पर आयुर्वेद कालेज में एनएसएस के अष्टावक्र इकाई द्वारा व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित सहायक आचार्य डा. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन एक वैचारिक क्रांति है। इससे स्वतंत्रता आंदोलन के चिंगारी को धधकती लौ की आंच मिली थी। नौ अगस्त 1925 को वीर युवा क्रांतिकारियों ने काकोरी की घटना को अंजाम देकर ब्रिटिश सरकार की नींव हिला दिया था।

काकोरी ट्रेन एक्शन एक वैचारिक क्रांति है। इसके नायक पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी, ठाकुर रोशन सिंह, चंद्रशेखर आजाद ने शामिल होकर ब्रिटिश हुकूमत को चुनौती देते हुए अपने प्राणों की आहुति दिया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. नवीन के, डॉ मिनी, डॉ शांति भूषण, डॉ गिरिधर, डॉ विक्रम शर्मा, डॉ संध्या पाठक, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ आयुष पाठक, अभिषेक सिंह उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल विभाग में भी एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजन अधिकारी डॉ.अभिषेक कुमार सिंह रहे। फार्मेसी संकाय के निलेश यादव, आशीष दुबे, विवेक मिश्रा ने काकोरी कांड के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला।

पं. रामप्रसाद बिस्मिल की प्रतिमा पर कमिश्नर अनिल डीगरा, डीआईजी आनंद कुलकर्णी, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर व अन्य ने माल्यार्पण किया। ● हिन्दुस्तान

चौरीचौरा शहीद स्मारक पर काकोरी एक्शन शताब्दी कार्यक्रम में सेनानी आश्रितों को राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव ने सम्मानित किया। ● हिन्दुस्तान

एनसीसी कैडेट ने काकोरी शहीदों को किया नमन

विश्वविद्यालय में 102 यूपी बटालियन के एनसीसी कैडेट्स ने काकोरी शहीदों को नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि राम प्रसाद बिस्मिल और उनके साथियों के साहस और बलिदान ने स्वतंत्रता संग्राम को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया। स्वतंत्रता केवल अहिंसात्मक आंदोलन से नहीं, बल्कि सशस्त्र संघर्ष से भी प्राप्त की जा सकती है। आयोजन में अनुभव, खुशी गुप्ता, मोतीलाल, शिवम सिंह, आंचल पाठक, साक्षी प्रजापति, निकिता गौड़, दरकशा बानो, खुशी यादव, श्रद्धा आदि मौजूद रहे।

गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लें युवा : गिरीश

चौरीचौरा, हिन्दुस्तान संवाद। काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह का शुभारंभ शुक्रवार को चौरीचौरा शहीद स्मारक से हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के खेल व युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव ने शहीद स्मारक पर झंडारोहण और श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन से युवा प्रेरणा लें और देश के विकास में सहयोग करें।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में चौरीचौरा का अहम योगदान है। यहां लोगों ने देश को ब्रिटिश हुकूमत से आजाद कराने के लिए अपने प्राणों की कुर्बानी दी है। काकोरी ट्रेन एक्शन कांड नहीं, ब्रिटिश हुकूमत से आजादी दिलाने का एक एक्शन था। सीएम योगी ने काकोरी कांड को काकोरी एक्शन नाम दिया व चौरीचौरा कांड को चौरीचौरा जनविद्रोह का नाम दिया।

चरक जयन्ती समारोह का आयोजन

महर्षि चरक के स्वास्थ्य सूत्र आज भी प्रासंगिक : डा शान्ति भूषण

गोरखनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज में चरक जयंती समारोह का किया गया आयोजन

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कालेज के पंचकर्म सभागार में संहिता सिद्धांत एवं संस्कृत विभाग द्वारा चरक जयन्ती के अवसर पर वर्तमान स्वास्थ्य परिदृश्य और गतिहीन जीवन शैली में चरकोक्त आयुर्वेद सिद्धांतों की प्रासंगिकता विषय वाद प्रतिवाद प्रतियोगिता और क्वीज प्रतियोगिता और चरक शपथ का आयोजन किया गया। जिसमें तीनों समूह स्थापन, प्रतिस्थापन,और वितण्ड ने अपने अपने विचार तर्क और चरक संहिता के संदर्भों के अनुसार व्यक्त किया। छात्रों ने अपने विचार रखने के लिए पीपीटी प्रजेंटेशन का भी सहारा लिया। कार्यवाहक प्राचार्य डॉ नवीन ने सभी प्रतिभागियों के प्रति साधुवाद प्रदान करते हुए विजयी समूह स्थापना समूह की घोषणा किया।और पुरस्कार वितरित किए।डा परिक्षित , डा सुमित और डा गोपीकृष्ण ने निर्णायक की भूमिका निभाया ।

चरक जयन्ती के अवसर पर डा साध्वी नन्दन ने महर्षि चरक के जीवन परिचय को बताते हुए कहा कि महर्षि चरक मात्र शरीर ही नहीं दशों इन्द्रिय,मन, आत्मा तक स्वास्थ्य की कामना की है और इसके बारे में चरक संहिता में उल्लेख किया है। स्वस्थ के स्वास्थ्य का रक्षण करना और रोगी के विकार का शमन करना ही आयुर्वेद का प्रायोजन है। आयुर्वेद को जन जन तक पहुचाने में महर्षि चरक और ऋषि परंपरा के शिष्यों, अनुयायियों का अहम भूमिका है आज परंपरागत ज्ञान भारत के सुदूर ग्रामों में भी देखने को मिलता है। जिसमें महर्षि चरक का अतुलनीय योगदान है।

कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस द्वितीय वर्ष के छात्र शौर्य और आशमा ने किया। सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों का आभार ज्ञापन करते हुए डा शान्ति भूषण ने कहा कि चरक संहिता के स्वास्थ्य के सूत्र आज भी प्रासंगिक और सत्य सिद्ध होते है जिन्हें जीवन में धारण कर हम स्वस्थ जीवन जी सकते है।

महर्षि चरक के स्वास्थ्य सूत्र आज भी प्रासंगिक

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विवि अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज में चरक जयंती मनाई गई। इस अवसर पर वर्तमान स्वास्थ्य परिदृश्य और गतिहीन जीवनशैली में चरकोक्त आयुर्वेद सिद्धांतों की प्रासंगिकता विषय वाद प्रतिवाद प्रतियोगिता और क्वीज प्रतियोगिता और चरक शपथ का आयोजन किया गया।

इसमें कॉलेज के समूह स्थापन, प्रतिस्थापन और वितण्ड ने अपने-अपने विचार तर्क और चरक संहिता के संदर्भों के अनुसार व्यक्त किया। कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. नवीन ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन कर विजयी समूह स्थापना समूह की घोषणा की और पुरस्कार वितरित किए। निर्णायक के तौर पर डॉ. परीक्षित, डॉ. सुमित और डॉ. गोपीकृष्ण मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन शौर्य और आशमा ने किया। आभार ज्ञापन करते हुए डा शान्ति भूषण ने कहा कि चरक संहिता के स्वास्थ्य के सूत्र आज भी प्रासंगिक और सत्य सिद्ध होते है।

महायोगी गोरखनाथ विवि में लिया गया नशा मुक्त भारत बनाने का संकल्प

एकजुट होकर पाना होगा नशे से मुक्ति: वशिष्ठ नारायण सिंह

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत समस्त संकाय में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नशा न करने और नशा मुक्त भारत बनाने में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। विश्वविद्यालय के नशा मुक्त अभियान के नोडल अधिकारी दिलीप कुमार मिश्रा ने सभी उपस्थित लोगों को को नशा नहीं करने एवं समाज को नशा मुक्त करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं तथा युवाओं की शक्ति का समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। अतः यह अति आवश्यक है कि नशामुक्त भारत अभियान में सर्वाधिक संख्या में युवा जुड़े। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वशिष्ठ नारायण सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी, गोरखपुर उपस्थित रहे। उन्होंने कहा युवा ही देश का भविष्य है, इसलिए उन्हें नशे से दूर रहना चाहिए और आगे आकर अपने समाज को नशा मुक्त बनाना चाहिए। श्री सिंह ने कहा कि आजकल नशा समाज के उत्थान में एक अवरोध की तरह कार्य कर रहा है, हम सभी को एकजुट होकर इससे मुक्ति पाना होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. नवीन के., फार्मास्युटिकल साइंसेज संकाय के प्राचार्य डॉ.शशिकांत सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी, सभी संकाय के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विवि में लिया गया नशा मुक्त भारत बनाने का संकल्प

गोरखपुर, 12 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत समस्त संकाय में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नशा न करने और नशा मुक्त भारत बनाने में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

एकजुट होकर पाना होगा नशे से मुक्ति -वशिष्ठ नारायण सिंह

विश्वविद्यालय के नशा मुक्त अभियान के नोडल अधिकारी दिलीप कुमार मिश्रा ने सभी उपस्थित लोगों को को नशा नहीं करने एवं समाज को नशा मुक्त करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं तथा युवाओं की शक्ति का समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। अतः यह अति आवश्यक है कि नशामुक्त भारत अभियान में सर्वाधिक संख्या में युवा जुड़े। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वशिष्ठ नारायण सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी, गोरखपुर उपस्थित रहे। उन्होंने कहा युवा ही देश का भविष्य हैं, इसलिए उन्हें नशे से दूर रहना चाहिए और आगे आकर अपने समाज को नशा मुक्त बनाना चाहिए। श्री सिंह ने कहा कि आजकल नशा समाज के उत्थान में एक अवरोध की तरह कार्य कर रहा है, हम सभी को एकजुट होकर इससे मुक्ति पाना होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. नवीन के., फार्मास्युटिकल साइंसेज संकाय के प्राचार्य डॉ.शशिकांत सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी, सभी संकाय के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आयोजन | महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

नशे से मुक्ति की अलख जगाने का लिया संकल्प

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत समस्त संकाय में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नशा न करने और नशामुक्त भारत बनाने में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

विश्वविद्यालय के नशा मुक्त अभियान के नोडल अधिकारी दिलीप कुमार मिश्रा ने सभी उपस्थित लोगों को नशा नहीं करने एवं समाज को नशामुक्त करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं। यह आवश्यक है कि नशामुक्त भारत अभियान में सर्वाधिक संख्या में युवा जुड़े।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला समाज कल्याण अधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने कहा युवा ही देश का भविष्य हैं, इसलिए उन्हें नशे से दूर रहना चाहिए और आगे आकर अपने समाज को नशा मुक्त बनाना चाहिए। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. नवीन के, फार्मास्युटिकल साइंसेज संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी सभी संकाय के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

छात्रों और शिक्षकों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई

गोरखपुर। महात्मा गांधी इंटर कॉलेज में भारत सरकार के नशा मुक्त अभियान के तहत प्रधानाचार्य ओपी सिंह ने छात्रों और शिक्षकों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। प्रधानाचार्य ने बच्चों और युवाओं में बढ़ती नशे की आदतों पर चिंता जताते हुए इसे रोकने की अपील की। शिक्षक विवेकानंद मिश्र, सूर्यकांत शर्मा, सत्य प्रकाश मिश्र, रुशील त्रिपाठी और शिवेश श्रीवास्तव भी मौजूद थे।

युवाओं को मानसिक, शारीरिक रूप से सशक्त बनने की सलाह

गोरखपुर। बाबू पुरुषोत्तम दास राधा रमण दास महाविद्यालय कुडाघाट और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर नशा एक अभिशाप विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। मुख्यवक्ता डॉ. देव चंद्र प्रज्ञा ने युवाओं के विकास और जीवन रूपरेखाओं पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. विकास रंजन मणि त्रिपाठी ने युवाओं को मानसिक, शारीरिक और तकनीकी रूप से सशक्त बनने की सलाह दी।

युवा नशामुक्त होंगे, तो देश शक्तिशाली बनेगा : महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज की प्रार्थना सभा में नशामुक्त भारत अभियान के तहत प्रधानाचार्य डॉ. अरुण कुमार सिंह ने अध्यापकों और छात्रों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं के योगदान से समाज और देश का विकास संभव है। इसलिए यह जरूरी है कि युवा समाज में नशामुक्ति के प्रयास करें। प्रधानाचार्य ने बताया कि भारत में युवाओं की संख्या अधिक है और जितने ज्यादा युवा नशामुक्त होंगे, देश उतना ही शक्तिशाली बनेगा। इस अवसर पर सभी अध्यापक और छात्र मौजूद थे।

समाचार दर्पण

गोरखनाथ विवि पहुंचे बीआरडी के छात्र

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विवि में आधुनिक तकनीक से पढ़ाई हो रही है। एडवांस क्लास के साथ ही सिम्यूलेशन लैब है। मंगलवार को विवि के एडवांस क्लास का निरीक्षण बीआरडी मेडिकल कॉलेज के राजकीय नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने किया। यह कॉलेज की तरफ से शैक्षणिक भ्रमण रहा।

इसमें बीएससी नर्सिंग के पांचवें सेमेस्टर की छात्र-छात्राएं शामिल रहीं। राजकीय नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अल्का सक्सेना ने बताया कि यह एक एजुकेशनल विजिट है। इसमें सबसे पहले छात्राओं ने महायोगी गोरखनाथ विवि के कैंपस का भ्रमण किया। विवि की भौतिक प्रयोगशाला, डिजिटल लाइब्रेरी, डिजिटल क्लासरूम, सिम्यूलेशन प्रयोगशाला के बारे में जानकारी ली। छात्राओं को महायोगी गोरखनाथ विवि के नर्सिंग कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ डीएस अजीथा ने सिम्यूलेशन स्किल लैब के बारे में जानकारी दी।

महायोगी गोरखनाथ विवि में हर्षोल्लास के साथ मना स्वतंत्रता दिवस

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 16 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में स्वतंत्रता दिवस हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने एनसीसी कैडेट्स के मार्चपास्ट के बीच विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचकर्म भवन पर ध्वजारोहण किया। अपने संबोधन में कुलपति ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के इस महापर्व पर राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं संविधान में निहित आदर्शों व मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित कर हम सभी को देश व लोकतंत्र की प्रगति में अपना योगदान देना है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के नर्सिंग कॉलेज, फार्मेसी कॉलेज, पैरामेडिकल कॉलेज, आयुर्वेद कॉलेज, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों और एनसीसी कैडेट्स ने भावपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में

विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डीएस अजीथा, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य, डॉ. शशिकांत सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नवीन के., पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे, एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव, डॉ अखिलेश कुमार दूबे, डॉ. विकास यादव, डॉ. अमित दूबे, धनंजय पाडेय, साध्वीनंदन पांडेय, डॉ. सुमित, डॉ. आयुष पाठक सहित समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रजस्वलाचर्या में वर्जित हैं खट्ठे फल व डिब्बाबंद आहार : डॉ. हेतल

गोरखपुर। रजस्वलाचर्या के नियम महिलाओं के समग्र स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। आयुर्वेद में बताया गया है कि रजस्वला के दौरान महिलाओं को अत्यधिक तले हुए, मसालेदार और भारी भोजन से परहेज करना चाहिए। इस अवधि में खट्टे फलों और बंद डिब्बे वाली सामग्रियों का सेवन भी नहीं करना चाहिए। योग और प्राणायाम से अपनी ऊर्जा को संचित किया जा सकता है।

ये जानकारी राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल एच दवे ने दी। डॉ. हेतल शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में 'आयुर्वेद और रजस्वलाचर्या' विषय पर आयोजित व्याख्यान को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद में माहवारी या मासिकधर्म को एक शुद्धिकरण की प्रक्रिया के रूप में देखा गया है। इस दौरान हार्मोनल बदलावों के कारण महिलाओं में चिड़चिड़ापन, उदासी और तनाव के लक्षण दिखते हैं। संवाद

स्वतंत्रता दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में ध्वजारोहण के बाद आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते एनसीसी के कैडेट्स। स्रोत - संस्था

संविधान के प्रति प्रतिबद्धता का दिन है स्वतंत्रता दिवस

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेयी ने एनसीसी कैडेट्स के मार्चपास्ट के बीच पंचकर्म भवन पर ध्वजारोहण किया। कुलपति ने कहा कि हम सभी को देश व लोकतंत्र की प्रगति में अपना योगदान देना है। उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डीएस अजीथा, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य, डॉ. शशिकांत सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नवीन के., पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल कुमार दूबे आदि रहे। संवाद

आयुर्वेद में माहवारी को माना गया है शुद्धिकरण की प्रक्रिया : डॉ. हेतल

गोरखपुर,(संवाददाता) । राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल एच दवे ने कहा कि आयुर्वेद में माहवारी या मासिकधर्म को एक शुद्धिकरण की प्रक्रिया के रूप में देखा गया है। माहवारी के दौरान हार्मोनल बदलावों के कारण महिलाओं में चिड़चिड़ापन, उदासी और तनाव जैसे मानसिक अस्थिरता के समय आयुर्वेद सम्मत आहार, योग, ध्यान और सृजनात्मक कार्यों से अशांत मन को संतुलित किया जा सकता है।

डॉ. हेतल शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में 'आयुर्वेद और रजस्वलाचर्या' विषय पर आयोजित व्याख्यान को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रजस्वलाचर्या परंपरा प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों में विस्तृत रूप से वर्णित है, जिसमें माहवारी (रजस्वला) के दौरान महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की व्याख्या है। रजस्वलाचर्या का अर्थ है, माहवारी के समय में महिला द्वारा अनुसरण की जाने वाली जीवनशैली और आहार नियम। आज के व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन में रजस्वलाचर्या के सिद्धांत न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक हो सकते हैं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन को भी बनाए रखने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

डॉ. हेतल ने बताया कि आयुर्वेद में मासिक धर्म को श्वर्तवश कहा जाता है, जो शरीर के प्रमुख धातुओं में से एक रज से संबंधित है। मासिक धर्म महिला के प्रजनन स्वास्थ्य का प्रमुख संकेतक है। आयुर्वेद के अनुसार मासिक धर्म का स्वास्थ्य तीन दोषों वात, पित्त और कफ के संतुलन पर निर्भर करता है। उन्होंने सुझाव दिया कि माहवारी

के समय हल्का, सुपाच्य और पौष्टिक भोजन लेना चाहिए। इसमें ताजे फल, सब्जियां, दही, और दलिया जैसे खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता दी जाती है। रजस्वलाचर्या में सिंघाड़े के आटे का हलवा, हरी धनिया का सेवन करना अत्यंत ही हितकारी है। तिल का तेल, घी और आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जैसे अश्वगंधा, शतावरी आदि का सेवन इस समय विशेष रूप से लाभकारी होता है। ये जड़ी-बूटियाँ शरीर को पोषण प्रदान करती हैं और हार्मोनल संतुलन को बनाए रखने में मदद करती हैं। अत्यधिक तले हुए, मसालेदार और भारी भोजन से परहेज करना चाहिए। मासिक धर्म में खट्टे फलों और बंद डिब्बे वाली सामग्रियों का सेवन नहीं करना चाहिए। रजस्वला के दौरान योग और प्राणायाम से अपनी ऊर्जा को संचित किया जा सकता है। रजस्वला चर्या के नियम महिलाओं के समग्र स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हो सकते हैं। स्वच्छता के नियमों का पालन करने से माहवारी के दौरान संक्रमण और अन्य समस्याओं से बचा जा सकता है।

डॉ. हेतल ने सभी छात्राओं से कहा कि वे एक वॉलंटियर के रूप में आयुर्वेद के रजस्वलाचर्या को बीस-बीस महिलाओं तक पहुंचाकर महिलाओं में निहित मासिक धर्म को लेकर संकोच के भाव को तोड़ें। ऑनलाइन व्याख्यान का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ .अनुपमा ओझा ने किया। व्याख्यान में संबद्ध स्वाथ्य संकाय की मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी तथा मेडिकल बायोकेमिस्ट्री की छात्राओं ने भाग लिया।

समाचार दर्पण

आयुर्वेद में माहवारी को माना है शुद्धिकरण की प्रक्रिया

गोरखनाथ विवि

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल एच दवे ने कहा कि आयुर्वेद में माहवारी या मासिकधर्म को एक शुद्धिकरण की प्रक्रिया के रूप में देखा गया है।

माहवारी के दौरान हार्मोनल बदलावों के कारण महिलाओं में चिड़चिड़ापन, उदासी और तनाव जैसे मानसिक अस्थिरता के लक्षण दिखते हैं। ऐसे समय आयुर्वेद सम्मत आहार, योग, ध्यान और सृजनात्मक कार्यों से अशांत मन को संतुलित किया जा सकता है।

डॉ. हेतल शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में 'आयुर्वेद और रजस्वलाचर्या' विषय पर आयोजित व्याख्यान को ऑनलाइन संबोधित कर रहीं थी। उन्होंने कहा कि रजस्वलाचर्या का अर्थ है, माहवारी के समय में महिला द्वारा अनुसरण की जाने वाली जीवनशैली और आहार नियम। आज के व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन में रजस्वलाचर्या के सिद्धांत न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक हो सकते हैं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन को भी बनाए रखने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। आयुर्वेद में मासिक धर्म को 'अर्तव' कहा जाता है। यह शरीर के प्रमुख धातुओं में से एक रज से संबंधित है। ऑनलाइन व्याख्यान का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपमा ओझा ने किया।

सैन्य सेवा के लिए एनसीसी कैडेट्स को आधुनिक तकनीक से सशक्त करेगा बटालियन : कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अभिषेक मान सिंह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एनसीसी कमांडिंग अरफिसर ने एनसीसी गतिविधियों को सशक्तकरने के लिए कुलपति से किया विचार विमर्श

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में 102 यू. पी बटालियन गोरखपुर के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह एवं अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने एनसीसी के यूनिट्स का निरीक्षण कर कैडेट्स को रक्षा क्षेत्र में भविष्य के प्रति प्रोत्साहित किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपई जी से कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह एवं अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा जी ने एनसीसी के गतिविधियों को सशक्त बनाने के लिए वार्ता किया।

कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपई ने कहा की महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर की यूनिट में कैडेट्स एकता और अनुशासन से सैन्य अभ्यास कर रहे हैं। एनसीसी अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव के कुशल नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कैडेट्स राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी भी सम्मिलित होकर बटालियन और विश्वविद्यालय का नाम प्रतिष्ठित कर रहे हैं। भविष्य में विश्वविद्यालय बटालियन के साथ सामंजस्य स्थापित कर कैडटो को सैन्य सेवा के लिए प्रोत्साहित करेगा। कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने विश्वविद्यालय में एनसीसी की गतिविधियों की प्रगति आख्या को देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा की 102 यू पी बटालियन महनिदेशालय के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए सभी कंपनियों में सबसे बृहद कंपनी के रूप में कार्य कर रही है। बार्डर एरिया पर 102 यू पी बटालियन अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही है। जिसमे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की एनसीसी यूनिट्स अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सहयोग दे रही है । बटालियन स्तर पर विश्वविद्यालय में राष्ट्र हित में सैन्य गतिविधियों की ट्रेनिंग कोर्स , रक्षा के क्षेत्र में व्याख्यान, और विविध प्रतियोगिताओं के माध्यम से कैडेट्स को सक्रिय बनाने का प्रयास किया जायेगा । कैडेट्स को संबोधित करते हुए कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने कहा की कैडेट्स अपना अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं सैन्य सेवा के संकल्प के साथ परिवार समाज और राष्ट्र की जुड़ना होगा । एनसीसी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आधुनिक तकनीक और उपकरणों का समावेश आवश्यक हो रहा है। डिजिटल सिमुलेशन, वर्चुअल रियलिटी, और अन्य तकनीकी उपकरणों के माध्यम से कैडेट्स को अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा । जिससे न केवल उनकी कौशल क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि वे बेहतर तरीके से राष्ट्र सेवा के लिए तैयार हो सकें गें। अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स को वैश्विक दृष्टिकोण और अनुभव प्रदान करता है । एनसीसी विश्वविद्यालय स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के लिए बटालियन कृत संकल्पित है। भविष्य में। बटालियन विश्वविद्यालय के साथ एक सेतु के रूप में कैडेटो के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देगा। विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की एनसीसी अधिकारियों के विश्वविद्यालय के प्रति आशान्वित दृष्टि कैडेट्स के विकास पथ के द्वार को सुगम बनाएगा। बटालियन स्तर पर जो भी निर्देश कैडेटों के प्रोत्साहन के लिए होगा उसे पूर्ण करने के प्रति विश्वविद्यालय संकल्पित है। कैडेट्स ने आधिकारिक दल को सैल्यूट करके सम्मान व्यक्त किया । जिसमे प्रमुख रूप से अंडर आफिसर अंशिका सिंह , सार्जेंट खुशी गुप्ता , अभिषेक चौरसिया, अनुभव, अमित चौधरी, शिवम सिंह, भानु प्रताप सिंह, सागर यादव, कृष्णा त्रिपाठी,आशुतोष सिंह , अमृता कन्नौजिया, संजना शर्मा, गौरी कुशवाहा , अश्मित सिंह, आंचल पाठक, पूजा सिंह, , शालिनी चौहान, अनुष्का गुप्ता , प्रियेश उपस्थित रहे।

सैन्य सेवा के लिए कैडेट्स को सशक्त करेगा बटालियन: कर्नल अभिषेक

☐ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एनसीसी कमांडिंग ऑफिसर ने एनसीसी गतिविधियों को सशक्त करने के लिए कुलपति से किया विचार विमर्श

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में 102 यूं पी बटालियन गोरखपुर के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह एवं अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्र ने एनसीसी यूनिट्स का निरीक्षण कर कैडेट्स को रक्षा क्षेत्र में भविष्य के प्रति प्रोत्साहित किया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपई से कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह एवं अडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्र ने एनसीसी के गतिविधियों को सशक्त बनाने के लिए वार्ता किया।

कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने विश्वविद्यालय में एनसीसी की गतिविधियों की प्रगति आख्या को देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा की 102 यू पी बटालियन महनिदेशालय के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए सभी कंपनियों में सबसे बृहद कंपनी के रूप में कार्य कर रही है। एनसीसी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आधुनिक तकनीक और उपकरणों का समावेश आवश्यक हो रहा है कैडेट्स ने आधिकारिक दल को सैल्यूट करके सम्मान व्यक्त किया । जिसमे प्रमुख रूप से अंडर आफिसर अंशिका सिंह , सार्जेंट खुशी गुप्ता , अभिषेक चौरसिया, अनुभव, अमित चौधरी, शिवम सिंह, भानु प्रताप सिंह, सागर यादव, कृष्णा त्रिपाठी,आशुतोष सिंह , अमृता कन्नौजिया, संजना शर्मा, गौरी कुशवाहा , अश्मित सिंह, आंचल पाठक, पूजा सिंह, , शालिनी चौहान, अनुष्का गुप्ता , प्रियेश उपस्थित रहे।

एनसीसी कैडेट को सशक्त करेगा बटालियन

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में पहुंचे 102 यूपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने एनसीसी कैडेट्स के साथ संवाद किया। इस दौरान लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा मौजूद रहे। एनसीसी यूनिट्स का निरीक्षण कर कैडेट को रक्षा क्षेत्र में भविष्य के प्रति प्रोत्साहित किया। दोनों अधिकारियों ने विवि के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई से एनसीसी के गतिविधियों को सशक्त बनाने के लिए वार्ता की।

आयुर्वेद में माहवारी को माना गया है शुद्धिकरण की प्रक्रिया : डॉ. हेतल

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हेतल एच दवे ने कहा कि आयुर्वेद में माहवारी या मासिकधर्म को एक शुद्धिकरण की प्रक्रिया के रूप में देखा गया है। माहवारी के दौरान हार्मोनल बदलावों के कारण महिलाओं में चिड़चिड़ापन, उदासी और तनाव जैसे मानसिक अस्थिरता के समय आयुर्वेद सम्मत आहार, योग, ध्यान और सृजनात्मक कार्यों से अशांत मन को संतुलित किया जा सकता है।

डॉ. हेतल शनिवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में ह्आयुर्वेद और रजस्वलाचर्याह्न विषय पर आयोजित व्याख्यान को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रजस्वलाचर्या परंपरा प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों में विस्तृत रूप से वर्णित है, जिसमें माहवारी (रजस्वला) के दौरान महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की व्याख्या है। रजस्वलाचर्या का अर्थ है, माहवारी के समय में महिला द्वारा अनुसरण की जाने वाली जीवनशैली और आहार नियम। आज के व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन में रजस्वलाचर्या के सिद्धांत न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक हो सकते हैं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन को भी बनाए रखने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं ।डॉ. हेतल ने बताया कि आयुर्वेद में मासिक धर्म को ह्यअर्तवह्न कहा जाता है, जो शरीर के प्रमुख धातुओं में से एक रज से संबंधित है। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

समाचार दर्पण

वटवृक्ष बना महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद

शैक्षिक क्रांति में महंत दिग्विजयनाथ व महंत अवेद्यनाथ का स्वर्णिम योगदान : डॉ. जायसवाल

संवाददाता, गोरखपुर

अमृत विचार : बीआरडी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रामकुमार जायसवाल ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक क्रांति लाने में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ का योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित है। शिक्षा के जिस पौधे को महंत दिग्विजयनाथ ने रोपित किया, जिसे महंत अवेद्यनाथ ने सिंचित किया वह आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के रूप में विशाल वटवृक्ष बन चुका है।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि। अमृत विचार

डॉ. जायसवाल महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस के साप्ताहिक समारोह में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का उद्घाटन करने के बाद अपनी बात रख रहे थे। विवि परिसर स्थित पंचकर्म हाल में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के इस बहुआयामी प्रकल्प महायोगी गोरखनाथ विवि ने स्थापना के बेहद कम समय में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे अद्वितीय हैं। कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने सकारात्मक क्रांति लाने का काम किया है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे आदि मौजूद थे।

शैक्षिक क्रांति में महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ का स्वर्णिम योगदान : डॉ. जायसवाल

☐ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस पर सप्तदिवसीय व्याख्यान का शुभारंभ

स्वतंत्र चेतना गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रामकुमार जायसवाल ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक क्रांति लाने में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित है। शिक्षा के जिस पौधे को महंत दिग्विजयनाथ ने रोपित किया, जिसे महंत अवेद्यनाथ ने सिंचित किया वह आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के रूप में विशाल वटवृक्ष बन चुका है। डॉ. जायसवाल महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के तृतीय स्थापना दिवस के साप्ताहिक समारोह में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का शुभारंभ करने के बाद अपनी बात रख रहे थे। विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचकर्म हाल में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के इस बहुआयामी प्रकल्प महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने स्थापना के बेहद कम समय में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे अद्वितीय हैं।

सप्तदिवसीय व्याख्यान के शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने लोक कल्याण की भावना से समाज के हर क्षेत्र में सकारात्मक क्रांति लाने का काम किया है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसके सिंह, पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव सहित सभी विभागों के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

शैक्षिक क्रांति में महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवैद्यनाथ का स्वर्णिम योगदानः डॉ. जायसवाल

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रामकुमार जायसवाल ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक क्रांति लाने में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित है। शिक्षा के जिस पौधे को महंत दिग्विजयनाथ ने रोपित किया, जिसे महंत अवेद्यनाथ ने सिंचित किया वह आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के रूप में विशाल वटवृक्ष बन चुका है।

डॉ. जायसवाल महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के तृतीय स्थापना दिवस के साप्ताहिक समारोह में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का शुभारंभ करने के बाद अपनी बात रख रहे थे। विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचकर्म हाल में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मेरा सौभाग्य है महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद रूपी विशाल वटवृक्ष की शाखा महाराणा प्रताप इंटर कालेज से मिली शिक्षा की लौ में तपकर आज मुझे चिकित्सा के क्षेत्र में मानव सेवा का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है।

सप्तदिवसीय व्याख्यान के शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद रूपी विशाल वटवृक्ष की शाखा महाराणा प्रताप इंटर कालेज से मिली शिक्षा की लौ में तपकर आज मुझे चिकित्सा के क्षेत्र में मानव सेवा का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। लोक कल्याण की भावना इस परिषद के मूल में है। इसी कड़ी में यह विश्वविद्यालय शिक्षा और चिकित्सा के द्वारा मानव सेवा का संकल्प पूरा कर रहा है। विश्वविद्यालय अपने उच्च मानदंड, पूर्ण अनुशासन और संस्कारयुक्त शिक्षा से नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसके सिंह, पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव सहित सभी विभागों के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शैक्षिक क्रांति में गोरक्षपीठ का स्वर्णिम योगदानः डॉ. जायसवाल

गोरखनाथ विवि

- एमपी शिक्षा परिषद के मूल में है लोक कल्याण की भावना : डॉ. वाजपेयी
- तृतीय स्थापना दिवस पर सात दिवसीय व्याख्यान का शुभारंभ

हर क्षेत्र में सकारात्मक क्रांति लाने का काम किया

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम।

गोरखपुर, कार्यालय संवाददाता। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रामकुमार जायसवाल ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक क्रांति लाने में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित है। शिक्षा के जिस पौधे को महंत दिग्विजयनाथ ने रोपित किया, जिसे महंत अवेद्यनाथ ने सिंचित किया वह आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के रूप में विशाल वटवृक्ष बन चुका है।

डॉ. जायसवाल महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के तृतीय स्थापना दिवस के साप्ताहिक समारोह में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज की स्मृति में सातदिवसीय व्याख्यानमाला का शुभारंभ करने के बाद अपनी बात रख रहे थे। विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचकर्म हाल में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के इस बहुआयामी प्रकल्प महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने स्थापना के बेहद कम समय में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे अद्वितीय हैं। यह विश्वविद्यालय रोजगारपरक और चिकित्सा शिक्षा के पाठ्यक्रमों के लिए अन्य संस्थाओं के लिए नजीर बन रहा है।

कार्यक्रम में ये भी रहे मौजूद : इस मौके पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसके सिंह, पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

समाचार दर्पण

शैक्षिक क्रांति में महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ का स्वर्णिम योगदान : डॉ. जायसवाल

- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मूल में है लोक कल्याण की भावना : डॉ. वाजपेयी
- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस पर सप्तदिवसीय व्याख्यान का शुभारंभ

गोरखपुर (विधान केसरी)। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रामकुमार जायसवाल ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक क्रांति लाने में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित है। शिक्षा के जिस पौधे को महंत दिग्विजयनाथ ने रोपित किया, जिसे महंत अवेद्यनाथ ने सिंचित किया वह आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के रूप में विशाल वटवृक्ष बन चुका है। डॉ. जायसवाल महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के तृतीय स्थापना दिवस के साप्ताहिक समारोह में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का शुभारंभ करने के बाद अपनी बात रख रहे थे। विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचकर्म हाल में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने लोक कल्याण की भावना से समाज के हर क्षेत्र में सकारात्मक क्रांति लाने का काम किया है। डॉ. राम कुमार जायसवाल ने कहा कि मेरा सौभाग्य है महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद रूपी विशाल वटवृक्ष की शाखा महाराणा प्रताप इंटर कालेज से मिली शिक्षा की लौ में तपकर आज मुझे चिकित्सा के क्षेत्र में मानव सेवा का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। सप्तदिवसीय व्याख्यान के शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मूल में है लोक कल्याण की भावना। विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचकर्म हाल में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के इस बहुआयामी प्रकल्प महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्थापना के बेहद कम समय में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे अद्वितीय हैं। यह विश्वविद्यालय रोजगारपरक और चिकित्सा शिक्षा के पाठ्यक्रमों के लिए अन्य संस्थाओं के लिए नजीर बन रहा है। डॉ. राम कुमार जायसवाल ने कहा कि मेरा सौभाग्य है महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद रूपी विशाल वटवृक्ष की शाखा महाराणा प्रताप इंटर कालेज से मिली शिक्षा की लौ में तपकर आज मुझे चिकित्सा के क्षेत्र में मानव सेवा का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। सप्तदिवसीय व्याख्यान के शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने लोक कल्याण की भावना से समाज के हर क्षेत्र में सकारात्मक क्रांति लाने का काम किया है। विश्वविद्यालय अपने उच्च मानदंड, पूर्ण अनुशासन और संस्कारयुक्त शिक्षा से नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसके सिंह, पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव सहित सभी विभागों के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शैक्षिक क्रांति में महंत दिग्विजयनाथ और अवेद्यनाथ का स्वर्णिम योगदान

जासं, गोरखपुरः बीआरडी मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. रामकुमार जायसवाल ने कहा कि पूर्वांचल में शैक्षिक क्रांति लाने में ब्रम्हलीन महंत दिग्विजयनाथ और ब्रम्हलीन महंत अवेद्यनाथ का स्वर्णिम योगदान है। डा. रामकुमार गुरुवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर आयोजित सात दिवसीय व्याख्यान के शुभारंभ अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के जिस पौधे को महंत दिग्विजयनाथ ने रोपित किया, जिसे महंत अवेद्यनाथ ने सिंचित किया, वह आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के रूप में विशाल वटवृक्ष बन चुका है।

उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय रोजगारपरक और चिकित्सा शिक्षा के पाठ्यक्रमों के लिए अन्य संस्थाओं के लिए नजीर बन रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी ने भी विचार व्यक्त किए। व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, नर्सिंग कालेज की प्राचार्य डा. डीएस अजीथा, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डा. सुनील कुमार सिंह आदि रहे।

शैक्षिक क्रांति में महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ का स्वर्णिम योगदान : डॉ. जायसवाल

संवाददाता

- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मूल में है लोक कल्याण की भावना : डॉ. वाजपेयी'
- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस पर सप्तदिवसीय व्याख्यान का शुभारंभ

गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रामकुमार जायसवाल ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक क्रांति लाने में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित है। शिक्षा के जिस पौधे को महंत दिग्विजयनाथ ने रोपित किया, जिसे महंत अवेद्यनाथ ने सिंचित किया वह आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के रूप में विशाल वटवृक्ष बन चुका है। डॉ. जायसवाल महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के तृतीय स्थापना दिवस के साप्ताहिक समारोह में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का शुभारंभ करने के बाद अपनी बात रख रहे थे। विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचकर्म हाल में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने लोक कल्याण की भावना से समाज के हर क्षेत्र में सकारात्मक क्रांति लाने का काम किया है।

लोक कल्याण की भावना इस परिषद के मूल में है। इसी कड़ी में यह विश्वविद्यालय शिक्षा और चिकित्सा के द्वारा मानव सेवा का संकल्प पूरा कर रहा है। विश्वविद्यालय अपने उच्च मानदंड, पूर्ण अनुशासन और संस्कारयुक्त शिक्षा से नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसके सिंह, पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव सहित सभी विभागों के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस पर सप्तदिवसीय व्याख्यान का शुभारंभ

मखौड़ा संवेश गोरखपुर संवाददाता।

गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रामकुमार जायसवाल ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक क्रांति लाने में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित है। शिक्षा के जिस पौधे को महंत दिग्विजयनाथ ने रोपित किया, जिसे महंत अवेद्यनाथ ने सिंचित किया वह आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के रूप में विशाल वटवृक्ष बन चुका है।

डॉ. जायसवाल महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के तृतीय स्थापना दिवस के साप्ताहिक समारोह में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का शुभारंभ करने के बाद अपनी बात रख रहे थे। विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचकर्म हाल में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के इस बहुआयामी प्रकल्प महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्थापना के बेहद कम समय में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे अद्वितीय हैं। यह विश्वविद्यालय रोजगारपरक और चिकित्सा शिक्षा के पाठ्यक्रमों के लिए अन्य संस्थाओं के लिए नजीर बन रहा है। डॉ. राम कुमार जायसवाल ने कहा कि मेरा सौभाग्य है महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद रूपी विशाल वटवृक्ष की शाखा महाराणा प्रताप इंटर कालेज से मिली शिक्षा की लौ में तपकर आज मुझे चिकित्सा के क्षेत्र में मानव सेवा का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है।

सप्तदिवसीय व्याख्यान के शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने लोक कल्याण की भावना से समाज के हर क्षेत्र में सकारात्मक क्रांति लाने का काम किया है। लोक कल्याण की भावना इस परिषद के मूल में है। इसी कड़ी में यह विश्वविद्यालय शिक्षा और चिकित्सा के द्वारा मानव सेवा का संकल्प पूरा कर रहा है। विश्वविद्यालय अपने उच्च मानदंड, पूर्ण अनुशासन और संस्कारयुक्त शिक्षा से नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजनाथ संबद्ध

शैक्षिक क्रांति में महंतों का स्वर्णिम योगदान

संदेश वाहक न्यूज

माल्यार्पण करते अतिथि।

- सप्तदिवसीय व्याख्यान का शुभारंभ

गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रामकुमार जायसवाल ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक क्रांति लाने में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित है। शिक्षा के जिस पौधे को महंत दिग्विजयनाथ ने रोपित किया, जिसे महंत अवेद्यनाथ ने सिंचित किया वह आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के रूप में विशाल वटवृक्ष बन चुका है।

डॉ. जायसवाल महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के तृतीय स्थापना दिवस के साप्ताहिक समारोह में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन

महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का शुभारंभ करने के बाद अपनी बात रख रहे थे। डॉ. राम कुमार जायसवाल ने कहा कि महाराणा प्रताप इंटर कालेज से मिली शिक्षा की लौ में तपकर आज मुझे चिकित्सा के क्षेत्र में मानव सेवा का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है।

सप्तदिवसीय व्याख्यान के शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मूल में है लोक कल्याण की भावना। विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंचकर्म हाल में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के इस बहुआयामी प्रकल्प महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्थापना के बेहद कम समय में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे अद्वितीय हैं। यह विश्वविद्यालय रोजगारपरक और चिकित्सा शिक्षा के पाठ्यक्रमों के लिए अन्य संस्थाओं के लिए नजीर बन रहा है। डॉ. राम कुमार जायसवाल ने कहा कि मेरा सौभाग्य है महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद रूपी विशाल वटवृक्ष की शाखा महाराणा प्रताप इंटर कालेज से मिली शिक्षा की लौ में तपकर आज मुझे चिकित्सा के क्षेत्र में मानव सेवा का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है।

सप्तदिवसीय व्याख्यान के शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने लोक कल्याण की भावना से समाज के हर क्षेत्र में सकारात्मक क्रांति लाने का काम किया है। लोक कल्याण की भावना इस परिषद के मूल में है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसके सिंह, पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव सहित सभी विभागों के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चंद्रयान-3 का सफल प्रक्षेपण भारत के गौरव का स्वर्णिम दिन

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एनसीसी द्वारा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर जय विज्ञान, जय अनुसंधान विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। साथ ही पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन के जरिये चंद्रयान-तीन की सफल यात्रा को साझा किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि चंद्रयान-तीन का चंद्रमा पर सफल प्रक्षेपण भारत की गौरव यात्रा का स्वर्णिम दिन है।

पंचकर्म हाल में आयोजित व्याख्यान में डॉ.संदीप ने कहा कि चंद्रमा पर चंद्रयान का सफल प्रक्षेपण कर विश्व में भारत चौथा राष्ट्र बना। इसके अलावा दक्षिणी ध्रुव के पास लैंडिंग होने से भारत ने एक नया इतिहास रचा है।

समाचार दर्पण

देश में खून की कमी से जूझ रहीं हैं 52 फीसदी महिलाएं

गोरखनाथ विवि

- स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत व्याख्यान श्रृंखला का दूसरा दिन

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्थापना सप्ताह समारोह मना रहा है। इसके अंतर्गत व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की रही है। शुक्रवार को इसका दूसरा दिन रहा। इसमें बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. राज किशोर सिंह देश के लिए एनीमिया एक चुनौती विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. राज किशोर ने बताया कि महिलाओं में हीमोग्लोबिन 12 व पुरुषों में 13 से कम होने पर एनीमिया की श्रेणी में रखा जाता है। गर्भवतियों में हीमोग्लोबीन का स्तर 11 से कम होने पर एनीमिया कहा जाता है। देश में 52% गर्भवती एनीमिया से ग्रसित हैं। छह माह से पांच साल के 67% बच्चे एनीमिया के शिकार हैं। उन्होंने कहा कि इसके मरीजों में कमजोरी, सांस फूलना, इन्फेक्शन होना, चक्कर आना, जल्दी थकान लगना, सीढ़ियां चढ़ने पर पैरों में दर्द के लक्षण होते हैं। शरीर में हीमोग्लोबीन कम होने पर मानसिक बीमारी हो जाती है। एनीमिया से जूझ रहे मरीजों में डिप्रेशन (अवसाद), अनावश्यक उत्तेजना (एंग्जायटी) स्मृति का कमजोर होना, एकाग्रता में कमी हो सकती है। इससे जूझ रहे बच्चों का गणित, भौतिक विज्ञान व रसायन विज्ञान जैसे विषय में परफॉर्मेंस खराब हो जाता है। मरीज में एंटी सोशल (असमाजिक) व्यवहार की आशंका बढ़ जाती है।

उन्होंने एनीमिया के कारक आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी 12 की कमी पर भी प्रकाश डाला। बताया कि चाय, काफी के सेवन से भोजन में मौजूद लौह तत्व का शरीर में अवशोषण नहीं हो पाता है।

भारत में 52 फीसदी गर्भवतियां एनीमिया की चपेट में : किशोर

ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की दसवीं पुण्यतिथि पर व्याख्यानमाला में मंचासीन प्रो. सदानंद गुप्त, डॉ. विजय चौधरी आदि। स्रोत- विवि

संवाद न्यूज एजेंसी

महायोगी गोरखनाथ विवि में साप्ताहिक व्याख्यानमाला का दूसरा दिन

गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के आचार्य डॉ. राजकिशोर ने कहा कि वैश्विक स्तर पर 30 प्रतिशत लोग एनीमिया से ग्रसित हैं जबकि भारत में 52 प्रतिशत गर्भवती महिलाएं एनीमिया की चपेट में हैं। छह महीने से पांच साल के बच्चों में एनीमिया की स्थिति अत्यंत ही भयावह है। इस आयु वर्ग में 67 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से ग्रसित हैं।

वे शुक्रवार को महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में साप्ताहिक समारोह की व्याख्यान श्रृंखला के दूसरे दिन 'एनीमिया भारतवर्ष के लिए एक चुनौती विषय' पर अपना व्याख्यान दे रहे थे। एनीमिया के लक्षणों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि एनीमिया मानसिक, सामाजिक और शारीरिक तीनों तरह के लक्षण देता है। शारीरिक लक्षणों में कमजोरी, सांस फूलना, बार-बार इन्फेक्शन होना, चक्कर आना, जल्दी थकान लगना, सीढ़ियां चढ़ने पर पैरों में दर्द हो जाना आदि होते हैं।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने एनीमिया मुक्त भारत अभियान वृहद स्तर पर शुरू किया है। इसके लिए हमें एनीमिया मुक्त भारत के तीन बिंदुओं पर कार्य करना होगा। पहले आयरन फोलिक एसिड, विटामिन बी 12 का पोषक तत्वों में सम्मिलीकरण, दूसरे साल में दो बार पेट के कीड़ों की दवा का सेवन व तीसरा समाज को जागरूक करना।

जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी है आयुर्वेद : प्रो. जीएस तोमर'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित व्याख्यानमाला में शनिवार को 'वर्तमान स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान मे आयुर्वेद की भूमिका विषय पर विश्व आयुर्वेद मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एव राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय हंडिया, प्रयागराज के पूर्व प्राचार्य प्रो. (डॉ.) जीएस तोमर ने व्याख्यान दिया।

इस अवसर पर प्रो. तोमर ने कहा कि विश्व की सबसे प्राचीनतम विधा आयुर्वेद मात्र एक चिकित्सा पद्धति न होकर सम्पूर्ण जीवन दर्शन है। यह स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करती है तथा रोगी के रोग का निवारण करती है। आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए भी संजीवनी है। उन्होंने कहा किआयुष मंत्रालय भारत सरकार 'आयुर्वेद फॉर वन हैल्थ' पर कार्य कर रहा है। भारत वर्ष के अलावा सौ से अधिक देश इस पर कार्य कर रहे है। इसमें मानव के अतिरिक्त जीव जन्तु एवं पेड़ पौधों के लिए भी स्वास्थ्य लाभ के उपाय बताए गए है।

डॉ. तोमर ने कहा कि हमारे देश की अस्सी प्रतिशत से अधिक जनसंख्या आज भी गाँवो में निवास करती है तथा अपनी दैनिक बीमारियों की लिए अपने पास उपलब्ध जड़ी बूटियों पर ही निर्भर है। कोरोना कालखण्ड मे तुलसी, अश्वगंधा व गिलोय जैसी औषधियों की कार्यकारिता को सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकार किया है। संक्रामक रोगो के बचाव मे आयुर्वेद रोगी के व्याधिक्षमत्व को बढ़ाने का काम करता है। प्रकृति मे उपलब्ध असंख्य जड़ी बूटियाँ ही आयुर्वेद का अक्षय भण्डार है। हमे शहरीकरण के इस दौर में अपनी इसी वन सम्पदा की रक्षा करनी होगी।

डॉ. तोमर ने कहा कि आयुर्वेद मे वर्णित औषधियां ही प्राणरक्षक नहीं हैं अपितु इसमें वर्णित जीवनशैली भी आदर्श एवं अनुकरणीय है। यह हमारी पारम्परिक चिकित्सा विधा है वैश्विक परिदृश्य में इसे और अधिक ग्राह्य एवं उपयोगी बनाने के लिए हमे इसे साक्ष्य आधारित प्रमाणों से पुनः सिद्ध करना होगा।

- महायोगी गोरखनाथ विवि में तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष का व्याख्यान'
- आयुर्वेद मात्र चिकित्सा पद्धति ही नहीं वरन सम्पूर्ण जीवन दर्शन'

'निशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर में प्रो. तोमर ने देखे 116 मरीज': गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बालापार मे निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर में प्रो. (डॉ.) जीएस तोमर ने 116 मरीजों को निशुल्क चिकित्सकीय परामर्श दिया। शिविर में उन्होंने मधुमेह, अस्थमा, स्पाइन, गठिया और अन्य व्याधियों से निदान के लिए आयुर्वेदिक दवाओं के प्रयोग के साथ योग करने व दिनचर्या मे सुधार के परामर्श दिए।

आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए भी संजीवनी है - प्रो (डॉ) जी एस तोमर

गोरखपुर: महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस समारोह पर आयोजित व्याख्यान माला में वर्तमान स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान मे आयुर्वेद की भूमिका पर अपने उद्बोधन मे विश्व आयुर्वेद मिशन के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व प्राचार्य, राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय हण्डिया, प्रयागराज प्रो. (डॉ.) जी एस तोमर ने आयुर्वेद को प्राणि मात्र के लिए उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि विश्व की सबसे प्राचीनतम विधा आयुर्वेद मात्र एक चिकित्सा पद्धति न होकर सम्पूर्ण जीवन दर्शन है। यह स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करती है तथा रोगी के रोग का निवारण करती है। आयुष मंत्रालय भारत सरकार 'आयुर्वेद फॉर वन हैल्थ' पर कार्य कर रहा है। भारत वर्ष के अलावा सौ से अधिक देश इस पर कार्य कर रहे हैं। इसमें मानव के अतिरिक्त जीव जन्तु एवं पेड़ पौधों के लिए भी स्वास्थ्य लाभ के उपाय बताए गए हैं।

हमारे देश की अस्सी प्रतिशत से अधिक जनसंख्या आज भी गाँवों में निवास करती है तथा अपनी दैनिक बीमारियों की लिए अपने पास उपलब्ध जड़ी बूटियों पर ही निर्भर है। कोरोना कालखण्ड में तुलसी, अश्वगंधा व गिलोय जैसी औषधियों की कार्यकारिता को सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकार किया है। संक्रामक रोगों के बचाव मे आयुर्वेद रोगी के व्याधिक्षमत्व को बढ़ाने का काम करता है। प्रकृति में उपलब्ध असंख्य जड़ी बूटियाँ ही आयुर्वेद का अक्षय भण्डार है। हमें शहरीकरण के इस दौर में अपनी इसी वन सम्पदा की रक्षा करनी होगी। आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए भी संजीवनी है। इसमें वर्णित औषधियाँ ही प्राणरक्षक नहीं हैं अपितु इसमे वर्णित जीवनशैली भी आदर्श एवं अनुकरणीय है। यह हमारी पारम्परिक चिकित्सा विधा है वैश्विक परिदृश्य में इसे और अधिक ग्राह्य एवं उपयोगी बनाने के लिए हमें इसे साक्ष्य आधारित प्रमाणों से पुनः सिद्ध करना होगा। कार्यक्रम में डाबर के सेल्स के वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं अनुभवी रसशास्त्री डॉ दुर्गा प्रसाद ने भी रसौषधियों के निर्माण एवं मानक पूर्ण गुणवत्ता पर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ मंजूनाथ, सभी चिकित्सक एवं चिकित्सालय के डायरेक्टर कर्नल डॉ राजेश बहल सहित लगभग 300 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

खनिजों के उपयोग से पूर्व आवश्यक है शोधन

गोरखपुर। महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में बीएएमएस के विद्यार्थियों के लिए अतिथि व्याख्यान का आयोजन हुआ। अतिथि वक्ता के रूप में डाबर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के महाप्रबंधक डॉ. दुर्गा प्रसाद उपस्थित रहे। हर्बोमिनरल आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन के उपयोग विषय पर व्याख्यान देते हुए डॉ. दुर्गा प्रसाद ने कहा कि धातुएं एवं खनिज अत्यधिक विषैले होते हैं। इसका उपयोग करने से पूर्व शोधन (शुद्धिकरण) की जरूरत होती है। कार्यक्रम में डॉ. जीएस तोमर, प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, डॉ. विमल दूबे, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. मिनी, डॉ. शांतिभूषण, डॉ. देवी नायर, डॉ. नवीन के आदि उपस्थित रहे।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में अतिथि व्याख्यान का आयोजन

मखौड़ा संदेश गोरखपुर संवाददाता।

गोरखपुर। महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग ने चरक, सुश्रुत एवं वाग्भट्ट बैच के बीएएमएस के विद्यार्थियों के लिए अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। अतिथि वक्ता के रूप में डाबर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के महाप्रबंधक डॉ. दुर्गा प्रसाद उपस्थित रहे। 'रसौषधियों (हर्बोमिनरल आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन) के नैदानिक उपयोग' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. दुर्गा प्रसाद ने कहा कि धातुएं एवं खनिज अत्यधिक विषैले होते हैं, इनके उपयोग करने से पूर्व इनके शोधन (शुद्धिकरण) भस्मीकरण की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि एक अध्ययन में यह देखा गया कि स्वर्ण भस्म के कण का आकार लगभग 23 से 35 एनएम(नैनोमीटर) की सीमा में हैं। उन्होंने स्वर्ण भस्म, वज्र भस्म और आयुर्वेदिक औषधियों के निर्माण की प्रक्रिया और उपयोगिता के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। आभार ज्ञापन डा. गोपीकृष्ण ने किया। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति के आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. जीएस तोमर, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, कृषि संकायाध्यक्ष डॉ. विमल दूबे औषधि विज्ञान संकायाध्यक्ष डॉ. शशिकांत सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. मिनी, डॉ. शांतिभूषण, डॉ. देवी नायर, डॉ. नवीन के, डॉ. दीपू, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ संध्या पाठक, डॉ. जीतेंद्र मिश्रा, डॉ. सार्वभौम, डॉ. चैतन्या, डॉ. प्रिया, आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय सहित सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समाचार दर्पण

Ayurveda is also a lifesaver for lifestyle diseases - Prof. (Dr.) G.S. Tomar

JUSTICE EXPRESS

Gorakhpur: In his speech on the role of Ayurveda in solving current health problems in the lecture series organized on the third foundation day celebration of Mahayogi Gorakhnath University, International President of Vishwa Ayurveda Mission and former Principal, Government Ayurveda College, Handia, Prayagraj Prof. (Dr.) G.S. Tomar described Ayurveda as useful for all living beings. He said that Ayurveda, the oldest discipline of the world, is not just a medical system but a complete philosophy of life. It protects the health of a healthy person and cures the disease of the patient. The Ministry of AYUSH, Government of India is working on "Ayurveda for One Health". Apart from India, more than a hundred countries are working on it. In this, apart from humans, measures for health benefits have also been given for animals and plants. More than eighty percent of the population of our country still lives in villages and is dependent on the herbs available to them for their daily ailments. During the Corona period, the effectiveness of medicines like Tulsi, Ashwagandha and Giloy has been accepted by the whole world. Ayurveda works to increase the immunity of the patient in the prevention of infectious diseases. The innumerable herbs available in nature are the inexhaustible storehouse of Ayurveda. In this era of urbanization, we have to protect this forest wealth of ours. Ayurveda is also a lifesaver for lifestyle diseases. Not only the medicines described in it are lifesaving, but the lifestyle described in it is also ideal and exemplary. This is our traditional system of medicine. To make it more acceptable and useful in the global scenario, we have to prove it again with evidence-based evidence. In the program, Senior General Manager of Sales of Dabur and experienced Rasashastrar Dr. Durga Prasad also shared his experiences on the manufacture and standard quality of Rasaushadis. Principal Dr Manjunath, all the doctors and the hospital director Colonel Dr Rajesh Bahl along with about 300 students were present in the program.

जीवनशैली आधारित बीमारी के लिए संजीवनी है आयुर्वेद

व्याख्यान

भटहट, हिन्दुस्तान संवाद। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस सप्ताह समारोह मनाया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में शनिवार को वर्तमान स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान में आयुर्वेद की भूमिका विषय पर विश्व आयुर्वेद मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने व्याख्यान दिया।

प्रो. तोमर ने कहा कि आयुर्वेद मात्र चिकित्सा पद्धति न होकर सम्पूर्ण जीवन दर्शन है। यह स्वास्थ्य रक्षा व रोग का निवारण करती है। आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए भी संजीवनी है। प्रकृति में उपलब्ध असंख्य जड़ी बूटियां ही आयुर्वेद का अक्षय भण्डार है।

आर्थोपेडिक तकनीशियन की भूमिका सर्जरी में अहम

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विवि के महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में शनिवार को राष्ट्रीय ऑर्थोपेडिक टेक्निशियन दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। समारोह का उद्घाटन कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को ऑर्थोपेडिक विभाग से संबंधित जानकारी मॉडल तथा पोस्टर प्रेजेंटेशन के जरिये दिया गया। ऑर्थोपेडिक के इंचार्ज संदीप शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय ऑर्थोपेडिक टेक्निशियन दिवस का इस वर्ष का थीम है, स्ट्रांग बोन्स, स्ट्रांग इंडिया। इस दौरान कई लोग मौजूद रहे।

जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी है आयुर्वेद : प्रो. जीएस

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित व्याख्यानमाला में शनिवार को 'वर्तमान स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान में आयुर्वेद की भूमिका' विषय पर विश्व आयुर्वेद मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय हंडिया, प्रयागराज के पूर्व प्राचार्य प्रो. (डॉ.) जीएस तोमर ने व्याख्यान दिया। इस अवसर पर प्रो. तोमर ने कहा कि विश्व की सबसे प्राचीनतम विधा आयुर्वेद मात्र एक चिकित्सा पद्धति न होकर सम्पूर्ण जीवन दर्शन है। यह स्वास्थ्य रक्षा व रोग का निवारण करती है। आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए भी संजीवनी है। उन्होंने कहा कि आयुष मंत्रालय भारत सरकार "आयुर्वेद फॉर वन हैल्थ" पर कार्य कर रहा है। भारत वर्ष के अलावा सौ से अधिक देश इस पर कार्य कर रहे हैं। इसमें मानव के अतिरिक्त जीव जन्तु एवं पेड़ पौधों के लिए भी स्वास्थ्य लाभ के उपाय बताए गए हैं। डॉ. तोमर ने कहा कि हमारे देश की अस्सी प्रतिशत से अधिक जनसंख्या आज भी गाँवों में निवास करती है तथा अपनी दैनिक बीमारियों की लिए अपने पास उपलब्ध जड़ी बूटियों पर ही निर्भर है। कोरोना कालखण्ड में तुलसी, अश्वगंधा व गिलोय जैसी औषधियों की कार्यकारिता को सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकार किया है। संक्रामक रोगों के बचाव में आयुर्वेद रोगी के व्यधिक्षमत्व को बढ़ाने का काम करता है। प्रकृति में उपलब्ध असंख्य जड़ी बूटियाँ ही आयुर्वेद का अक्षय भण्डार है। हमें शहरीकरण के इस दौर में अपनी इसी वन सम्पदा की रक्षा करनी होगी। डॉ. तोमर ने कहा कि आयुर्वेद में वर्णित औषधियां ही प्राणरक्षक नहीं हैं अपितु इसमें वर्णित जीवनशैली भी आदर्श एवं अनुकरणीय है। यह हमारी पारम्परिक चिकित्सा विधा है वैश्विक परिदृश्य में इसे और अधिक ग्राह्य एवं उपयोगी बनाने के लिए हमें इसे साक्ष्य आधारित प्रमाणों से पुनः सिद्ध करना होगा।

जीवनशैलीजन्य रोगों के लिए संजीवनी है आयुर्वेद : प्रो. तोमर

- महायोगी गोरखनाथ विवि में तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष का व्याख्यान

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित व्याख्यानमाला में शनिवार को 'वर्तमान स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान में आयुर्वेद की भूमिका' विषय पर विश्व आयुर्वेद मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय हंडिया, प्रयागराज के पूर्व प्राचार्य प्रो. (डॉ.) जीएस तोमर ने व्याख्यान दिया।

इस अवसर पर प्रो. तोमर ने कहा कि विश्व की सबसे प्राचीनतम विधा आयुर्वेद मात्र एक चिकित्सा पद्धति न होकर सम्पूर्ण जीवन दर्शन है। यह स्वास्थ्य व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करती है तथा रोगी के रोग का निवारण करती है। आयुर्वेद जीवनशैली जन्य रोगों के लिए भी संजीवनी है। उन्होंने कहा किआयुष मंत्रालय भारत सरकार "आयुर्वेद फॉर वन हैल्थ" पर कार्य कर रहा है। भारत वर्ष के अलावा सौ से अधिक देश इस पर कार्य कर रहे हैं। इसमें मानव के अतिरिक्त जीव जन्तु एवं पेड़ पौधों के लिए भी स्वास्थ्य लाभ के उपाय बताए गए हैं। डॉ. तोमर ने कहा कि हमारे देश की अस्सी प्रतिशत से अधिक जनसंख्या आज भी गाँवों में निवास करती है तथा अपनी दैनिक बीमारियों की लिए अपने पास उपलब्ध जड़ी बूटियों पर ही निर्भर है। कोरोना कालखण्ड में तुलसी, अश्वगंधा व गिलोय जैसी औषधियों की कार्यकारिता को सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकार किया है। संक्रामक रोगों के बचाव में आयुर्वेद रोगी के व्यधिक्षमत्व को बढ़ाने का काम करता है। प्रकृति में उपलब्ध असंख्य जड़ी बूटियाँ ही आयुर्वेद का अक्षय भण्डार है। हमें शहरीकरण के इस दौर में अपनी इसी वन सम्पदा की रक्षा करनी होगी। डॉ. तोमर ने कहा कि आयुर्वेद में वर्णित औषधियां ही प्राणरक्षक नहीं हैं अपितु इसमें वर्णित जीवनशैली भी आदर्श एवं अनुकरणीय है। यह हमारी पारम्परिक चिकित्सा विधा है वैश्विक परिदृश्य में इसे और अधिक ग्राह्य एवं उपयोगी बनाने के लिए हमें इसे साक्ष्य आधारित प्रमाणों से पुनः सिद्ध करना होगा।

खनिजों के उपयोग से पूर्व शुद्धिकरण और भस्मीकरण की आवश्यकता : डॉ. दुर्गा प्रसाद

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में अतिथि व्याख्यान का आयोजन

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग ने चरक, सुश्रुत एवं वाग्भट्ट बैच के बीएएमएस के विद्यार्थियों के लिए अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। अतिथि वक्ता के रूप में डाबर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के महाप्रबंधक डॉ. दुर्गा प्रसाद उपस्थित रहे। "रसौषधियों (हर्बोमिनरल आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन) के नैदानिक ?उपयोग" विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. दुर्गा प्रसाद ने कहा कि धातुएं एवं खनिज अत्यधिक विषैले होते हैं, इनके उपयोग करने से पूर्व इनके शोधन (शुद्धिकरण) भस्मीकरण की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि एक अध्ययन में यह देखा गया कि स्वर्ण भस्म के कण का आकार लगभग 23 से 35 एनएम(नैनोमीटर) की सीमा में हैं। उन्होंने स्वर्ण भस्म, वज्र भस्म और आयुर्वेदिक औषधियों के निर्माण की प्रक्रिया और उपयोगिता के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। आभार ज्ञापन डा. गोपीकृष्ण ने किया। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति के आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. जीएस तोमर, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, कृषि संकायाध्यक्ष डॉ. विमल दूबे, औषधि विज्ञान संकायाध्यक्ष डॉ. शशिकांत सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. मिनी, डॉ. शांतिभूषण, डॉ. देवी नायर, डॉ. नवीन के, डॉ. दीपू, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ संध्या पाठक,डॉ. जीतेंद्र मिश्रा, डॉ. सार्वभौम, डॉ. चैतन्या, डॉ. प्रिया, आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय सहित सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जीवनशैली जन्य रोगों के लिए संजीवनी है आयुर्वेदः प्रो. तोमर

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित व्याख्यानमाला में शनिवार को 'वर्तमान स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान में आयुर्वेद की भूमिका' विषय पर विश्व आयुर्वेद मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय हंडिया, प्रयागराज के पूर्व प्राचार्य प्रो. (डॉ.) जीएस तोमर ने व्याख्यान दिया।

इस अवसर पर प्रो. तोमर ने कहा कि विश्व की सबसे प्राचीनतम विधा आयुर्वेद मात्र एक चिकित्सा पद्धति न होकर सम्पूर्ण जीवन दर्शन है। यह स्वास्थ्य व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करती है तथा रोगी के रोग का निवारण करती है। कोरोना कालखण्ड में तुलसी, अश्वगंधा व गिलोय जैसी औषधियों की कार्यकारिता को सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकार किया है। संक्रामक रोगों के बचाव में आयुर्वेद रोगी के व्यधिक्षमत्व को बढ़ाने का काम करता है। प्रकृति में उपलब्ध असंख्य जड़ी बूटियाँ ही आयुर्वेद का अक्षय भण्डार है। हमें शहरीकरण के इस दौर में अपनी इसी वन सम्पदा की रक्षा करनी होगी।

डॉ. तोमर ने कहा कि आयुर्वेद में वर्णित औषधियां ही प्राणरक्षक नहीं हैं अपितु इसमें वर्णित जीवनशैली भी आदर्श एवं अनुकरणीय है। यह हमारी पारम्परिक चिकित्सा विधा है वैश्विक परिदृश्य में इसे और अधिक ग्राह्य एवं उपयोगी बनाने के लिए हमें इसे साक्ष्य आधारित प्रमाणों से पुनः सिद्ध करना होगा।

निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर में प्रो. तोमर ने देखे 116 मरीज

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बालापार में निशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर में प्रो. (डॉ.) जीएस तोमर ने 116 मरीजों को निशुल्क चिकित्सकीय परामर्श दिया। शिविर में उन्होंने मधुमेह, अस्थमा, स्थाहन, गठिया और अन्य व्याधियों से निदान के लिए आयुर्वेदिक दवाओं के प्रयोग के साथ योग करने व दिनचर्या में सुधार के परामर्श दिए।

खनिजों के उपयोग से पूर्व शुद्धिकरण और भस्मीकरण की आवश्यकताः डॉ. दुर्गा प्रसाद'

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में अतिथि व्याख्यान का आयोजन

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) मे रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग ने चरक, सुश्रुत एवं वाग्भट्ट बैच के बीएएमएस के विद्यार्थियों के लिए अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। अतिथि वक्ता के रूप मे डाबर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के महाप्रबंधक डॉ. दुर्गा प्रसाद उपस्थित रहे। रसौषधियों (हर्बोमिनरल आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन) के नैदानिक उपयोग विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. दुर्गा प्रसाद ने कहा कि धातुएं एवं खनिज अत्यधिक विषैले होते है, इनके उपयोग करने से पूर्व इनके शोधन (शुद्धिकरण) भस्मीकरण की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि एक अध्ययन में यह देखा गया कि स्वर्ण भस्म के कण का आकार लगभग 23 से 35 एनएम(नैनोमीटर) की सीमा मे है। उन्होंने स्वर्ण भस्म, वज्र भस्म और आयुर्वेदिक औषधियों के निर्माण की प्रक्रिया और उपयोगिता के बारे मे भी विस्तार से जानकारी दी। आभार ज्ञापन डा. गोपीकृष्ण ने किया। कार्यक्रम मे अंतरराष्ट्रीय ख्याति के आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. जीएस तोमर, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, कृषि संकायाध्यक्ष डॉ. विमल दूबे, औषधि विज्ञान संकायाध्यक्ष डॉ. शशिकांत सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. मिनी, डॉ. शांतिभूषण, डॉ. देवी नायर, डॉ. नवीन के, डॉ. दीपू, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ संध्या पाठक,डॉ. जीतेंद्र मिश्रा, डॉ. सार्वभौम, डॉ. चैतन्या, डॉ. प्रिया, आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय सहित सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समाचार दर्पण

महायोगी गोरखनाथ विवि में एनसीसी कैडेट्स के चयन भर्ती की प्रक्रिया पूर्ण

मखौड़ा संदेश गोरखपुर संवाददाता।

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की 102 यूपी बटालियन गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स की भर्ती चयन प्रक्रिया बटालियन के सैन्य अधिकारियों के नेतृत्व में शनिवार को संपन्न हो गई। इस अवसर पर एनसीसी 102 यूपी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय के जेसीओ सूबेदार धरेश माने ने कहा कि सैन्य सेवा में जाने के लिए एनसीसी एक बेहतरीन माध्यम है। एनसीसी भारत सरकार का रक्षा संगठन है, जिसका उद्देश्य युवाओं को देश सेवा और नेतृत्व कौशल के प्रति प्रेरित करना है। भर्ती प्रक्रिया के तहत सूबेदार धरेश माने, सूबेदार यदुल हक, हवलदार नारायण की देखरेख में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की दौड़, लंबाई, तौल, सपाट, बीम के अभ्यास के अलावा रक्षा विषय से संबंधित प्रश्नों की लिखित परीक्षा विविध चरणों में हुई। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को एनसीसी के जरिये सेना के अलग अलग अंगों में होने वाले सेवायोजन की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बटालियन के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

महायोगी गोरखनाथ विवि में एनसीसी कैडेट्स के चयन भर्ती की प्रक्रिया पूर्ण

गोरखपुर।(स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की 102 यूपी बटालियन गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स की भर्ती चयन प्रक्रिया बटालियन के सैन्य अधिकारियों के नेतृत्व में शनिवार को संपन्न हो गई। इस अवसर पर एनसीसी 102 यूपी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय के जेसीओ सूबेदार धरेश माने ने कहा कि सैन्य सेवा में जाने के लिए एनसीसी एक बेहतरीन माध्यम है। एनसीसी भारत सरकार का रक्षा संगठन है, जिसका उद्देश्य युवाओं को देश सेवा और नेतृत्व कौशल के प्रति प्रेरित करना है। भर्ती प्रक्रिया के तहत सूबेदार धरेश माने, सूबेदार यदुल हक, हवलदार नारायण की देखरेख में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की दौड़, लंबाई, तौल, सपाट, बीम के अभ्यास के अलावा रक्षा विषय से संबंधित प्रश्नों की लिखित परीक्षा विविध चरणों में हुई। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को एनसीसी के जरिये सेना के अलग अलग अंगों में होने वाले सेवायोजन की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बटालियन के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

महायोगी गोरखनाथ विवि में मनाया गया राष्ट्रीय ऑर्थोपेडिक टेक्निशियन दिवस

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में शनिवार को राष्ट्रीय ऑर्थोपेडिक टेक्निशियन दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। समारोह का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को ऑर्थोपेडिक विभाग से संबंधित स्केलेटल सिस्टम, न्यूरॉन, स्कल बोन, क्लाविकल बोन और उसके मसल अटैचमेंट, ह्यूमरस बोन और उसके मसल अटैचमेंट, क्यूबोटल फोसा, वर्टेब्रल कॉलम, एक्स रे मशीन, सी-आर्म मशीन, बोन एवं फ्रैक्चर हीलिंग मैकेनिज्म, प्लास्टर मैटेरियल एवम कटर इआदि की जानकारी मॉडल तथा पोस्टर प्रेजेंटेशन के जरिये दिया गया। ऑर्थोपेडिक के इंचार्ज संदीप शर्मा ने बताया कि चिकित्सा जगत में आर्थोपेडिक टेक्निशियन की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय ऑर्थोपेडिक टेक्निशियन दिवस का इस वर्ष का थीम है, स्ट्रांग बोन्स, स्ट्रांग इंडिया।कार्यक्रम में पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य रोहित कुमार श्रीवास्तव, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, कृषि विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे, डायरेक्टर डॉ. राजेश बहल, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह आदि।

महायोगी गोरखनाथ विवि में मनाया गया राष्ट्रीय ऑर्थोपेडिक टेक्निशियन दिवस'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में शनिवार को राष्ट्रीय ऑर्थोपेडिक टेक्निशियन दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। समारोह का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को ऑर्थोपेडिक विभाग से संबंधित स्केलेटल सिस्टम, न्यूरॉन, स्कल बोन, क्लाविकल बोन और उसके मसल अटैचमेंट, ह्यूमरस बोन और उसके मसल अटैचमेंट, क्यूबोटल फोसा, वर्टेब्रल कॉलम, एक्स रे मशीन, सी–आर्म मशीन, बोन एवं फ्रैक्चर हीलिंग मैकेनिज्म, प्लास्टर मैटेरियल एवम कटर इआदि की जानकारी मॉडल तथा पोस्टर प्रेजेंटेशन के जरिये दिया गया। ऑर्थोपेडिक के इंचार्ज संदीप शर्मा ने बताया कि चिकित्सा जगत में आर्थोपेडिक टेक्निशियन की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय ऑर्थोपेडिक टेक्निशियन दिवस का इस वर्ष का थीम है, स्ट्रांग बोन्स, स्ट्रांग इंडिया। कार्यक्रम में पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य रोहित कुमार श्रीवास्तव, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, कृषि विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे, डायरेक्टर डॉ. राजेश बहल, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, डा. संदीप श्रीवास्तव आदि भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विवि में मनाया गया राष्ट्रीय ऑर्थोपेडिक टेक्निशियन दिवस

गोरखपुर।(स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में शनिवार को राष्ट्रीय ऑर्थोपेडिक टेक्निशियन दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। समारोह का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को ऑर्थोपेडिक विभाग से संबंधित स्केलेटल सिस्टम, न्यूरॉन, स्कल बोन, क्लाविकल बोन और उसके मसल अटैचमेंट, ह्यूमरस बोन और उसके मसल अटैचमेंट, क्यूबोटल फोसा, वर्टेब्रल कॉलम, एक्स रे मशीन, सी-आर्म मशीन, बोन एवं फ्रैक्चर हीलिंग मैकेनिज्म, प्लास्टर मैटेरियल एवम कटर इआदि की जानकारी मॉडल तथा पोस्टर प्रेजेंटेशन के जरिये दिया गया। ऑर्थोपेडिक के इंचार्ज संदीप शर्मा ने बताया कि चिकित्सा जगत में आर्थोपेडिक टेक्निशियन की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय ऑर्थोपेडिक टेक्निशियन दिवस का इस वर्ष का थीम है, स्ट्रांग बोन्स, स्ट्रांग इंडिया।

कार्यक्रम में पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य रोहित कुमार श्रीवास्तव, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, कृषि विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे, डायरेक्टर डॉ. राजेश बहल, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, डा. संदीप श्रीवास्तव आदि भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

एनसीसी कैडेट्स भर्ती की प्रक्रिया पूर्ण

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की 102 यूपी बटालियन गोरखपुर के एनसीसी कैडेट्स की भर्ती चयन प्रक्रिया बटालियन के सैन्य अधिकारियों के नेतृत्व में शनिवार को संपन्न हो गई। इस अवसर पर एनसीसी 102 यूपी बटालियन गोरखपुर मुख्यालय के जेसीओ सूबेदार धरेश माने ने कहा कि सैन्य सेवा में जाने के लिए एनसीसी एक बेहतरीन माध्यम है। एनसीसी भारत सरकार का रक्षा संगठन है, जिसका उद्देश्य युवाओं को देश सेवा और नेतृत्व कौशल के प्रति प्रेरित करना है। भर्ती प्रक्रिया के तहत सूबेदार धरेश माने, सूबेदार यदुल हक, हवलदार नारायण की देखरेख में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की दौड़, लंबाई, तौल, सपाट, बीम के अभ्यास के अलावा रक्षा विषय से संबंधित प्रश्नों की लिखित परीक्षा विविध चरणों में हुई।

समाचार दर्पण

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में लेजर सर्जरी कैम्प आज से

निष्पक्ष प्रतिदिन। गोरखपुर

- निशुल्क तीन दिवसीय वृहद कैम्प में अंतरराष्ट्रीय ख्याति के कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी और डॉ. रेखा माहेश्वरी की रहेगी मौजूदगी

आरोग्यधाम बालापार स्थित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में 26 अगस्त से 28 अगस्त तक तीन दिवसीय निशुल्क वृहद लेजर सर्जरी कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इस कैम्प में अंतरराष्ट्रीय ख्याति के कैंसर सर्जन और लैप्रोस्कोपिक एवं किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय माहेश्वरी तथा सीनियर सर्जन (पेट, आंत, गाल ब्लेडर, पाइल्स और कैंसर रोग विशेषज्ञ) डॉ. रेखा माहेश्वरी मौजूदगी मरीजों की लेजर सर्जरी के लिए रहेगी। इस कैम्प के जरिये पूर्वांचल में पहली बार बिना चिर फाड़, बिना बेहोश के लोकल एनेस्थीसिया द्वारा लेजर सर्जरी से पेट,आंत, लीवर, गाल ब्लेडर, पाइल्स और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का निशुल्क इलाज किया जाएगा। 26 से 28 अगस्त तक लगने वाले कैम्प में तीनों दिन दोनों विशेषज्ञ चिकित्सक सुबह दस बजे से दोपहर बाद दो बजे तक मरीजों का इलाज करेंगे। नई प्रविधि से लेजर सर्जरी में मरीजों को बहुत तकलीफ नहीं होगी और आधे घंटे का ही समय लगेगा। कैंसर के इलाज में चालीस साल की विशेषज्ञता का अनुभव रखने वाले डॉ. संजय माहेश्वरी स्लोन मेमोरियल यूएसए और टाटा मेमोरियल मुंबई में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। जबकि डॉ. रेखा माहेश्वरी भी सर्जरी के क्षेत्र में ग्लोबल पहचान है। दोनों विशेषज्ञ कैम्प में मुफ्त परामर्श देने और इलाज करने के लिए उपलब्ध रहेंगे।

महायोगी गोरखनाथ विवि के रासेयो स्वयंसेवकों ने शिविर लगाकर ग्रामीणों को किया जागरूक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की पारिजात इकाई ने रविवार को ग्रामसभा सिकटौर में एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया। इसमें स्वयंसेवकों द्वारा ग्रामवासियों को साइबर सुरक्षा, फाइलेरिया उन्मूलन, खरीफ़ फसल की तकनीकी जानकारी, स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया। रासेयो शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि ग्रामसभा सिकटौर के प्रधान प्रतिनिधि राकेश सिंह ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आयुष कुमार पाठक ने शिविर के उद्देश्य और इसमें शामिल टीमों के बारे में जानकारी दी। शिविर का निरीक्षण रासेयो के समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने किया। गांव के लोगों में शिविर को लेकर खासा उत्साह देखा गया।

घरेलू उपचार का सशक्त माध्यम है आयुर्वेद : प्रो. गिरिधर वेदांतम

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक समारोह के तहत युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति व्याख्यानमाला के चौथे दिन मुख्य वक्ता गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के द्रव्यगुण विभाग के प्रो. गिरिधर वेदांतम ने 'आयुर्वेद के घरेलू उपचार : पारंपरिक औषधियो के लाभ' विषय पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित व्याख्यान में प्रो. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में, जहां लोगों को रोजमर्रा के छोटे-मोटे रोगों के लिए डॉक्टर के पास जाने का समय नहीं मिलता, वहीं आयुर्वेदिक घरेलू उपचार बहुत उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। आयुर्वेद के प्रयोग से शरीर पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है। घरेलू उपचारों की बढ़ती लोकप्रियता पर उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवन शैली में बढ़ते तनाव और रासायनिक औषधियों के प्रभावों के कारण लोग अब आयुर्वेद और घरेलू उपचारों की ओर वापस लौट रहे हैं। आयुर्वेदिक उपचार न केवल शरीर के रोगों का निदान करते हैं, बल्कि यह शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को बनाए रखने में भी मदद करते हैं। प्रो. वेदांतम ने कहा कि आयुर्वेद में हल्दी एक प्राकृतिक एंटीसेप्टिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों की औषधि है। हल्दी का सेवन दूध के साथ करने से इम्यूनिटी को बढ़ाया जा सकता है। सर्दी-जुकाम, त्वचा पर चोट जलने पर हल्दी को पानी या शहद के साथ मिलाकर लगाने से घाव जल्दी भरता है। इसी तरह तुलसी को आयुर्वेद में 'जीवन का अमृत' कहा जाता है। सर्दी, खांसी, और बुखार जैसी समस्याओं में तुलसी के पत्ते लाभकारी है। अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं।

भागदौड़ की जिंदगी में घरेलू उपचार उपयोगी

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सात दिवसीय व्याख्यानमाला आयोजित की गई है। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ व महंत अवेद्यनाथ महाराज की स्मृति में रविवार को आयोजित व्याख्यान का विषय था- पारंपरिक औषधियों के लाभ। मुख्य वक्ता गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के द्रव्यगुण विभाग के प्रो. गिरिधर वेदांतम ने भागदौड़ की जिंदगी में घरेलू उपचार को ज्यादा उपयोगी बताया।

प्रो. वेदांतम ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों को छोटे रोगों के लिए डाक्टर के पास जाने का समय नहीं मिलता। ऐसे में आयुर्वेदिक घरेलू उपचार बहुत उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। आयुर्वेद के प्रयोग से शरीर पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है। रासायनिक औषधियों के दुष्प्रभावों के कारण लोग अब आयुर्वेद और घरेलू उपचारों की ओर लौट रहे हैं। आयुर्वेदिक उपचार न केवल शरीर के रोगों का निदान करते हैं, बल्कि यह शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को बनाए रखने में भी मदद करते हैं।

घरेलू उपचार का सशक्त माध्यम है आयुर्वेद : प्रो. गिरिधर वेदांतम

महायोगी गोरखनाथ विवि के तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में साप्ताहिक समारोह की व्याख्यानमाला का चौथा दिन

गोरखपुर, 25 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक समारोह के तहत युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्र संत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति व्याख्यानमाला के चौथे दिन मुख्य वक्ता गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के द्रव्यगुण विभाग के प्रो. गिरिधर वेदांतम ने 'आयुर्वेद के घरेलू उपचार पारंपरिक औषधियो के लाभ' विषय पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित व्याख्यान में प्रो. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि आज की भागदौड भरी जिंदगी मे जहां लोगों को रोजमर्रा के छोटे-मोटे रोगों के लिए डॉक्टर के पास जाने का समय नहीं मिलता, वहीं आयुर्वेदिक घरेलू उपचार बहुत उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। आयुर्वेद के प्रयोग से शरीर पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पडता है। घरेलू उपचारों की बढती लोकप्रियता पर उन्होने कहा कि आधुनिक जीवन शैली में बढ़ते तनाव और रासायनिक औषधियों के प्रभावों के कारण लोग अब आयुर्वेद और घरेलू उपचारों की ओर वापस लौट रहे हैं। आयुर्वेदिक उपचार न केवल शरीर के रोगों का निदान करते हैं, बल्कि यह शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को बनाए रखने में भी मदद करते हैं।

प्रो. वेदांतम ने कहा कि आयुर्वेद में हल्दी एक प्राकृतिक एंटीसेप्टिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों की औषधि है। हल्दी का सेवन दूध के साथ करने से इम्यूनिटी को बढ़ाया जा सकता है। सर्दी-जुकाम, त्वचा पर चोट जलने पर हल्दी को पानी या शहद के साथ मिलाकर लगाने से घाव जल्दी भरता है। इसी तरह तुलसी को आयुर्वेद में 'जीवन का अमृत' कहा जाता है। सर्दी, खांसी, और बुखार जैसी समस्याओं में तुलसी के पत्ते लाभकारी है। अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। त्वचा की समस्याओं, जैसे एक्ने, दाद या खाज में, नीम के पत्तों का पेस्ट बनाकर लगाने से फायदा होता है। नीम का रस पीने से खून साफ होता है और शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। शहद और नींबू के मिश्रण से गले की खराश और खांसी में आराम पहुंचाता है।

व्याख्यानमाला की अध्यक्षता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ, डॉ. अमित दुबे, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. धीरेंद्र सिंह, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. अवेद्यनाथ सिंह, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. संजय पांडेय, अनिल मिश्रा, डॉ. अखिलेश दुबे, प्रज्ञा सिंह, डॉ. रश्मि झा, जन्मेजय सिंह, अनिल शर्मा, मिताली शर्मा सहित सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समाचार दर्पण

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में आयोजित निशुल्क लेजर सर्जरी कैम्प में बोले डॉ. संजय

मिलावटी खाद्य तेल बीमारियों की बड़ी वजह

सर्जरी कैम्प

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में तीन दिवसीय लेजर सर्जरी कैम्प का सोमवार को शुभारम्भ हुआ। कैम्प में कैंसर व लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी तथा पेट, आंत, गाल ब्लेडर, पाइल्स और कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. रेखा माहेश्वरी ने मरीजों को जरुरी परामर्श दिया। पहले दिन करीब 65 मरीजों को परामर्श दिया गया। सर्जरी के लिए चिह्नित मरीजों की 27 और 28 अगस्त को निशुल्क लेजर सर्जरी की जाएगी। जबकि परामर्श का दौर भी इन दो दिनों में जारी रहेगा।

बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के डायरेक्टर डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा की पूर्वांचल में कैंसर, किडनी और गाल ब्लेडर के स्टोन तथा लिवर की बीमारियों की एक बड़ी वजह मिलावटी खाद्य तेलों का उपभोग है। कैंप में पहले दिन गुर्दा संबंधी बीमारियों से ग्रसित मरीज अधिक आए। ऐसे मरीजों को डॉ. माहेश्वरी ने समझाया की वे नमक, अचार और पापड़ के सेवन से परहेज करें। डॉ. माहेश्वरी ने कहा कि हर बीमारी के प्रारंभिक लक्षण के संकेत हमारे शरीर से खुद ही मिलते हैं। स्थिति तब गंभीर होती है जब हम शुरुआती लक्षणों की अनदेखी करते हैं। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव और हॉस्पिटल डायरेक्टर कर्नल डॉ. राजेश बहल मौजूद रहे।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में सर्जरी कैम्प का आयोजन हुआ।

विवि के तृतीय स्थापना दिवस का मुख्य समारोह 28 को

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 22 अगस्त से जारी साप्ताहिक समारोह का समापन 28 अगस्त को होगा। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विवि अनुदान आयोग (यूजीसी) के पूर्व चेयरमैन प्रो. डीपी सिंह होंगे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के डायरेक्टर डॉ. संजय माहेश्वरी, ख्याति प्राप्त सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी और जेएसएस हॉस्पिटल मैसूर के पूर्व निदेशक कर्नल डॉ. आरके चतुर्वेदी की सहभागिता रहेगी। मुख्य समारोह की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष एवं महायोगी गोरखनाथ विवि के प्रति कुलाधिपति प्रो. यूपी सिंह करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के मुख्य समारोह में सप्ताह भर में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं समेत अलग-अलग कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 101 विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

दवाओं के फार्मुलेशन में आयातक की बजाय निर्यातक बना भारत

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में साप्ताहिक समारोह मना रहा है। इसके तहत महंत दिग्विजयनाथ एवं महंत अवेद्यनाथ महराज स्मृति व्याख्यानमाला आयोजित की जा रही है। सोमवार को इसका पांचवां दिन रहा। पांचवें दिन मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व औषधि महानियंत्रक एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार डॉ. जीएन सिंह ने व्याख्यान दिया।

डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि देश एक समय तक दवाओं के फार्मूलेशन के लिए विदेशों पर निर्भर था। हाल के वर्षो में फार्मूलेशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति के चलते अब देश आयातक की बजाय निर्यातक की भूमिका में आ रहा है। डॉ. सिंह ने कहा कि फार्मास्युटिकल के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में आपार संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी विचार से प्रदेश आने वाले समय में फार्मा हब बनकर उभरेगा।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने भी वैश्विक स्तर पर भारत की फार्मा प्रगति पर प्रकाश डाला। आभार ज्ञापन औषधि विज्ञान संकाय के प्रमुख डॉ. शशिकांत सिंह ने किया। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, महंत दिग्विजयनाथ चिकित्सालय के निदेशक डॉ. राजेश बहल, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, कृषि विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, प्रवीन कुमार सिंह, दिलीप मिश्रा, दीपक कुमार, जूही तिवारी, श्रेया मद्धेशिया, पीयूष आनंद उपस्थित रहे।

डॉ. जीएन सिंह ने महंत दिग्विजयनाथ व अवेद्यनाथ के चित्र पर पुष्प अर्पित किया।

महायोगी गोरखनाथ विवि के तृतीय स्थापना दिवस का मुख्य समारोह कल

यूजीसी के पूर्व चेयरमैन प्रो. डीपी सिंह होंगे समारोह के मुख्य अतिथि

गोरखपुर (विधान केसरी)। स्थापना के महज तीन सालों में शिक्षा के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियों को संजोने वाले महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 22 अगस्त से जारी साप्ताहिक समारोह का समापन 28 अगस्त को होगा। समारोप समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी के पूर्व चेयरमैन प्रो. डीपी सिंह होंगे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डा. जीएन सिंह, बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के डायरेक्टर डॉ. संजय माहेश्वरी, ख्याति प्राप्त सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी और जेएसएस हॉस्पिटल मैसूर के पूर्व निदेशक कर्नल डॉ. आरके चतुर्वेदी की सहभागिता रहेगी। मुख्य समारोह की अध्यक्षता महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति प्रो. यूपी सिंह करेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने बताया कि विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के मुख्य समारोह में सप्ताह भर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं समेत अलग अलग कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 101 विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। स्थापना दिवस के साप्ताहिक कार्यक्रम 22 अगस्त से जारी हैं। इसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ ही युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति व्याख्यानमाला भी जारी है। उल्लेखनीय है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के तहत संचालित इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं। इस विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप खुद को उच्च शिक्षा के अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित किया है। यहां नर्सिंग, पैरामेडिकल, फर्मेसी जैसे महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों के साथ बीएएमएस की पढ़ाई स्थापना के पहले ही साल से हो रही है। इस वर्ष विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की भी मान्यता मिल चुकी है और शीघ्र ही प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर कक्षाएं शुरू हो जाएंगी।

शरीर में दिखते हैं रोग के प्रारंभिक लक्षण, अनदेखी न करें

गोरखपुर (एसएनबी)। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीच्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में 28 अगस्त तक आयोजित तीन दिवसीय निशुल्क वृहद लेजर सर्जरी कैम्प का सोमवार को शुभारम्भ हुआ। कैम्प में अंतरराष्ट्रीय ख्याति के कैंसर सर्जन और लैप्रोस्कोपिक एवं किडनी रोग विशेषज्ञ डा. संजय माहेश्वरी तथा सीनियर सर्जन डा. रेखा माहेश्वरी ने मरीजों को देखा और उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया। कैंप में पहले दिन करीब 65 मरीजों को परामर्श दिया गया। सर्जरी के लिए चिन्हित मरीजों की 27 और 28 अगस्त को निशुल्क लेजर सर्जरी की जाएगी जबकि परामर्श का दौर भी इन दो दिनों में जारी रहेगा।

- गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीच्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में निशुल्क तीन दिवसीय वृहद लेजर सर्जरी कैम्प का शुभारम्भ
- अंतरराष्ट्रीय ख्याति के कैंसर सर्जन डा. संजय माहेश्वरी और डा. रेखा माहेश्वरी ने मरीजों को दिया परामर्श, चिन्हित मरीजों की कल और परसों होगी लेजर सर्जरी

बिरला ग्रुप आफ हस्पिटल्स के डायरेक्टर और अपने 40 वर्ष की प्रैक्टिस में 3 लाख 80 हजार सर्जरी कर चुके डा. संजय माहेश्वरी ने बताया कि इस कैम्प के जरिये पूर्वांचल में पहली बार बिना चिर फाड़, बिना बेहोश के लोकल एनेस्थीसिया द्वारा लेजर सर्जरी से पेट, आंत, लीवर, गाल ब्लेडर, पाइल्स तथा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के निशुल्क इलाज की सुविधा मिल रही है। सामान्यतः लेजर सर्जरी में लाखों का खर्च आता है जबकि यहां सब कुछ मुफ्त हो रहा है। यह गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीच्यूट आफ मेडिकल साइंसेज की तरफ से एक शानदार पहल है। इस तरह का निशुल्क कैम्प यहां हर माह के आखिरी सप्ताह में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा की नई प्रविधि से लेजर सर्जरी में मरीजों को बहुत तकलीफ नहीं होगी और आधे घंटे का ही समय लगेगा। डा. माहेश्वरी ने मरीजों को परामर्श देने के साथ ही उन्हें बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक भी किया। उन्होंने कहा कि हर बीमारी के प्रारंभिक लक्षण हमारे शरीर से खुद ही मिलती है।स्थिति तब गंभीर होती है जब हम शुरुआती लक्षणों की अनदेखी करते हैं। पूर्वांचल में कैंसर, किडनी और गाल ब्लेडर के स्टोन तथा लिवर की बीमारियों की एक बड़ी वजह मिलावटी खाद्य तेलों का उपभोग है। कैंप में पहले दिन गुर्दा संबंधी बिमारियों से ग्रसित मरीज अधिक आए। ऐसे मरीजों को डा. माहेश्वरी ने समझाया की वे नमक, अचार और पापड़ के सेवन से परहेज करें। कैंप में पुरुष मरीजों को डा. संजय माहेश्वरी ने तथा महिला मरीजों को सर्जरी के क्षेत्र में ग्लोबल पहचान रखने वाली डा. रेखा माहेश्वरी ने परामर्श दिए। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव और हास्पिटल डायरेक्टर कर्नल डा. राजेश बहल आदि ने ख्याति प्राप्त दोनों चिकित्सकों का स्वागत किया।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीच्यूट आफ मेडिकल साइंसेज द्वारा आयोजित चिकित्सा कैम्प में उपस्थित डा. संजय माहेश्वरी व डा. रेखा माहेश्वरी।

65 रोगियों को दिया गया परामर्श

- गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में तीन दिवसीय कैंप का शुभारंभ
- बिना चीर-फाड़ व बेहोश किए की जाएगी चिह्नित रोगियों की सर्जरी, मिलेगा परामर्श

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : आरोग्यधाम बालापार स्थित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में सोमवार को तीन दिवसीय निश्शुल्क वृहद लेजर सर्जरी कैंप का शुभारंभ किया गया। कैंसर सर्जन डा. संजय माहेश्वरी व सर्जन डा. रेखा माहेश्वरी ने रोगियों को देखा और परामर्श दिया। कैंप में पहले दिन करीब 65 रोगियों को परामर्श दिया गया। चिह्नित रोगियों की सर्जरी 27 व 28 अगस्त को की जाएगी।

डा. संजय माहेश्वरी ने कहा कि इस कैंप के जरिये पूर्वांचल में पहली बार बिना चीर-फाड़, बिना बेहोश किए लोकल एनेस्थीसिया द्वारा लेजर सर्जरी की जाएगी। पेट, आंत, लिवर, गालब्लाडर, पाइल्स और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का निश्शुल्क उपचार होगा। सामान्यतः लेजर सर्जरी में लाखों रुपये का खर्च आता है जबकि यहां सब कुछ मुफ्त हो रहा है।

डा. संजय बिरला ग्रुप आफ हास्पिटल्स के डायरेक्टर हैं। वह अपने 40 वर्ष की प्रैक्टिस में तीन लाख 80 हजार सर्जरी कर चुके। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव और हास्पिटल डायरेक्टर कर्नल डा. राजेश बहल ने डा. माहेश्वरी का स्वागत किया।

'नवाचार के माध्यम से नर्सिंग क्षेत्र के रोजगार की अपार संभावनाएं : डॉ. संजय माहेश्वरी'

- 'चिकित्सा सेवा में नर्स मां का रूप : कर्नल डॉ. आरके चतुर्वेदी'
- महायोगी गोरखनाथ विवि के तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में साप्ताहिक समारोह के तहत व्याख्यानमाला

गोरखपुर 27 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक समारोह के तहत युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति व्याख्यानमाला में मंगलवार को डॉ. संजय माहेश्वरी (सीईओ इनोवेशन, रिसर्च एंड इंटरनेशनल रिलेशंस एमजीयाई मेडिकल यूनिवर्सिटी) और कर्नल डॉ. आरके चतुर्वेदी (पूर्व निदेशक, जेएसएस अस्पताल, मैसूर) ने नर्सिंग के अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर नर्सिंग के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि नर्सिंग का इतिहास हजारों वर्षों पुराना है। नर्सिंग का आधुनिक स्वरूप फ्लोरेंस नाइटिंगेल के काम से विकसित हुआ, जिन्होंने 1850 के दशक में क्राइमियन युद्ध के दौरान नर्सिंग को एक पेशेवर मान्यता दिलाई और इसे वैज्ञानिक और अनुशासित दृष्टिकोण से देखा गया। नर्सिंग पेशेवर क्षेत्र है जो समाज में स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नर्सिंग नवाचार के माध्यम से इस पेशे में रोजगार के अपार संभावनाएं हैं। आज के समय में, नर्सिंग एक व्यापक और विविध पेशेवर क्षेत्र बन गया है। इसमें बुनियादी देखभाल से लेकर विशेष क्षेत्रों जैसे कि प्रजनन स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, और पेडियाट्रिक्स में नर्सों की जिम्मेदारियों में रोगियों की देखभाल, निदान, चिकित्सा प्रक्रियाओं के प्रबंधन से अच्छे परिणाम आ रहे हैं। नर्सिंग के भविष्य पर डॉ. संजय माहेश्वरी ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा कि भविष्य में नर्सिंग की दिशा में कई संभावनाएँ और चुनौतियाँ हैं। चिकित्सा प्रौद्योगिकी के विकास के साथ, नर्सों को अधिक उन्नत तकनीकी कौशल की आवश्यकता होगी। रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे उन्नत तकनीकों से नर्सेज स्वयं को तैयार रखना होगा। नर्सिंग में नवाचारों से आधुनिक शिक्षा और चिकित्सा सेवा को समृद्ध किया जा सकता है। भविष्य में नर्सिंग के क्षेत्र में रोबोटिक्स तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सकता है। व्याख्यान श्रृंखला में कर्नल डॉ. आरके चतुर्वेदी ने नर्सेज को मूल मंत्र देते हुए कहा की नर्सों की पहली जिम्मेदारी धैर्य, दूसरी चिकित्सकीय दृष्टि से, तीसरी लक्ष्य और चौथी जिम्मेदारी सुखद मुस्कान के साथ कार्य को पूर्ण करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा में नर्सेज मां का रूप है। जिस तरह मां अपने बच्चे के प्रति समर्पित रहती है उसी तरह नर्सेज घाव मां की भांति रोगी की सेवा करें। इस अवसर पर नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने दोनों अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसी जी., रजीथा आरएम, ममता रावत, रिंकी सिंह, श्वेता अल्बर्ट, सोसन डेन, संगीता, अजय एडवर्ड, सुनिता त्रिपाठी, प्रिया सिंह, कविता साहनी, नैंसी मिश्रा, ममता चौरसिया, शांति कुमारी, निधि मिश्रा, काजल मौर्य, पूनम गोंड, शांति जायसवाल, निधि राय, मानसी पांडेय, सुमन यादव, केशव अधिकारी, श्रद्धा, प्राची यादव, डॉ. अमित सिंह सहित सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समाचार दर्पण

उन्नत शिखर की स्वर्णिम यात्रा पर बढ़ रहा महायोगी गोरखनाथ विवि : प्रो. डीपी सिंह

गोरखपुरए 28 अगस्त। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत शिखर की स्वर्णिम यात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्थापना के महज तीन साल में इस विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप रोजगारपरक पाठ्यक्रमों, नवाचार और अन्वेषकीय दृष्टि की मिसाल कायम की है। जल्द ही यह विश्वविद्यालय अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए रोल मॉडल के रूप में नजर आएगा और उनका मार्गदर्शन करेगा। प्रो. सिंह बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए यूजीसी के पूर्व चेयरमैन ने कहा कि स्थापना दिवस विगत वर्ष की स्मृतियों पर गौरवान्वित होने का अवसर देता है। यह आत्म अवलोकन का अवसर होता है कि पिछले वर्ष हमारे लक्ष्य क्या थे, हमने कौन से संकल्प को पूरा किया और आगे हमारे लक्ष्य क्या होंगे। ऐसे में विद्यार्थियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने जीवन के उद्देश्य और लक्ष्य के प्रति जागरूक रहें। प्रो. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की मातृ संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद विशाल वटवृक्ष है। इसकी शाखाओं से शिक्षा, चिकित्सा के संस्थान निरंतर नवाचारों से प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित कर रहे है। प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसके कुलाधिपति के रूप में उनकी मंशा है कि यह विश्वविद्यालय देश का ही नहीं विश्व का प्रतिनिधित्व करे। कुलाधिपति के स्वप्न को पूरा करने के लिए विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति अपनी जड़ें मजबूत करनी होंगी। संवेदनशीलता, दया, करुणा, प्रेम, शांति का संदेश लेकर विश्व कल्याण और मानव सेवा के भाव का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी में शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उन्नति हुई है। उत्तर प्रदेश उत्तम से आगे सर्वोत्तम प्रदेश की दृष्टि से आगे बढ़ रहा है। योगी जी भारतीय ज्ञान परंपरा के ध्वज वाहक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में जिज्ञासा होनी चाहिए, सीखने की प्रवृत्ति होनी चाहिए, नए टेक्नोलॉजी के साथ क्षमता को विकसित करने का संकल्प होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अपने तीसरे स्थापना वर्ष में निरंतर उपलब्धियों से विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। इस विश्वविद्यालय ने शिक्षा के साथ चिकित्सा में भी उत्कृष्ट पहचान स्थापित की है। यह विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में संचालित फर्मेसी संकाय ने 15 लाख रुपये का अनुदान लाने का उल्लेखनीय कार्य किया है।

रोल माडल बनेगा महायोगी गोरखनाथ विवि : प्रो .डीपी सिंह

- विश्वविद्यालय की मातृ संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद विशाल वटवृक्ष
- विवि ने स्थापित की शिक्षा के साथ चिकित्सा क्षेत्र में भी उत्कृष्ट पहचान

गोरखपुर : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत शिखर की स्वर्णिम यात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्थापना के महज तीन साल में इस विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रविधानों के अनुरूप रोजगारपरक पाठ्यक्रमों, नवाचार और अन्वेषकीय दृष्टि की मिसाल कायम की है। जल्द ही यह विश्वविद्यालय अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए रोल माडल के रूप में नजर आएगा और उनका मार्गदर्शन करेगा।

प्रो. सिंह बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस विगत वर्ष की स्मृतियों पर गौरवान्वित होने का अवसर देता है। इस विश्वविद्यालय की मातृ संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद विशाल वटवृक्ष है। इसकी शाखाओं से शिक्षा, चिकित्सा के संस्थान निरंतर नवाचारों से प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसके कुलाधिपति के रूप में उनकी मंशा है कि यह विश्वविद्यालय देश का ही नहीं विश्व का प्रतिनिधित्व करे।

विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक एवं मुख्यमंत्री के सलाहकार डा.जीएन सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अपने तीसरे स्थापना वर्ष में निरंतर उपलब्धियों से विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। इस विश्वविद्यालय ने शिक्षा के साथ चिकित्सा में भी उत्कृष्ट पहचान स्थापित की है। बिरला ग्रुप आफ इंस्टीट्यूट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा.संजय माहेश्वरी ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी सौभाग्यशाली हैं। यहां शिक्षा और रोजगार का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है।

समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए विवि के कुलपति मेजर जनरल डा.अतुल वाजपेयी ने कहा कि कई चुनौतियों का सामना करते हुए अल्पकाल में इन विश्वविद्यालय ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। ऊंचे संकल्प से आबद्ध इस विश्वविद्यालय ने अनुशासन और संस्कार, संस्कृति की पवित्रता के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंटकर उनका अभिनंदन किया। समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। स्वागत विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा.मंजूनाथ एनएस व आभार ज्ञापन नर्सिंग कालेज की प्राचार्य डा.डीएस अजीथा ने किया। संचालन डा.शशिकांत सिंह ने किया। इस दौरान डा.सुनील कुमार सिंह, डा.रोहित श्रीवास्तव, डा.विमल कुमार दुबे आदि मौजूद रहे।

ओवरआल चैंपियन बना आरेंज हाउस : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कला, संस्कृति, साहित्य और खेलकूद प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर आरेंज हाउस ने ओवरआल चैंपियन का खिताब जीता। साथ ही आरेंज हाउस के बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र सिद्धांत श्रीवास्तव को उत्कृष्ठ प्रदर्शन पर प्रथम स्थान की ट्राफी से सम्मानित किया गया। अंकों के आधार पर रेड हाउस को दूसरा और ब्लू हाउस को तीसरा स्थान मिला।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय दूसरी संस्थाओं का बनेगा रोल मॉडल

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में बोले यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत शिखर की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्थापना के महज तीन साल में इस विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप रोजगारपरक पाठ्यक्रमों, नवाचार और अन्वेषकीय दृष्टि की मिसाल कायम की है। जल्द ही यह विश्वविद्यालय अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए रोल मॉडल के रूप में नजर आएगा और उनका मार्गदर्शन करेगा।

प्रो. सिंह बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह आत्म अवलोकन का अवसर होता है कि पिछले वर्ष हमारे लक्ष्य क्या थे, हमने कौन से संकल्प को पूरा किया और आगे हमारे लक्ष्य क्या होंगे। विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति अपनी जड़ें मजबूत करनी होंगी। संवेदनशीलता, दया, करुणा, प्रेम, शांति का संदेश लेकर विश्व कल्याण और मानव सेवा के भाव का संकल्प लेना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में जिज्ञासा होनी चाहिए, सीखने की प्रवृत्ति होनी चाहिए, नए टेक्नोलॉजी के साथ क्षमता को विकसित करने का संकल्प होना चाहिए।

मुख्य अतिथि प्रो. डीपी सिंह को स्मृतिचिह्न और पुस्तक भेंट करते विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव। स्रोत-महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय।

विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि यह विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय बनने की ओर अग्रसर है। विश्वविद्यालय में संचालित फार्मेसी संकाय ने 15 लाख रुपये का अनुदान लाने का उल्लेखनीय कार्य किया है। भारत सरकार और उच्च शिक्षा विभाग के प्रयास से यहां शिक्षा को और उन्नत बनाने पर मंथन किया जा रहा है। जरूरी है कि विद्यार्थी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से स्किल डेवलपमेंट से प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त नए नवाचार के लिए अपना लक्ष्य साधें।

बिरला ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने ऐसी शिक्षा पर जोर दिया है, जिससे रोजगार की समस्या न रहे और यहां के विद्यार्थी समाज और देश की सेवा में अपना भरपूर योगदान दे सकें। जेएसएस हॉस्पिटल मैसूर के पूर्व निदेशक कर्नल डॉ. आरके चतुर्वेदी ने कहा कि इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अनुशासन की आंच में तपकर शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित करेंगे। बिरला ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट की सीनियर सर्जन डॉ. रेखा माहेश्वरी ने भी विद्यार्थियों को जीवन पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

समापन समारोह की अध्यक्षता कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के नर्सिंग कॉलेज ने प्रदेश के शीर्ष 10 कॉलेज में अपना स्थान बनाकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किया। समारोह में विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। स्वागत संबोधन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, आभार ज्ञापन नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा और संचालन डॉ. शशिकांत सिंह ने किया।

कार्यक्रम में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे आदि उपस्थित रहे।

ओवरऑल चैंपियन बना ऑरेंज हाउस

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कला, संस्कृति, साहित्य और खेलकूद में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर ऑरेंज हाउस ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब जीता। साथ ही ऑरेंज हाउस के बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र सिद्धांत श्रीवास्तव को उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रथम स्थान की ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। अंकों के आधार पर रेड हाउस को दूसरा और ब्लू हाउस को तीसरा स्थान मिला।

उन्नत शिखर की स्वर्णिम यात्रा पर बढ़ रहा महायोगी गोरखनाथ विवि: प्रो. डीपी सिंह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का तृतीय स्थापना दिवस समारोह

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत शिखर की स्वर्णिम यात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्थापना के महज तीन साल में इस विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप रोजगारपरक पाठ्यक्रमों, नवाचार और अन्वेषकीय दृष्टि की मिसाल कायम की है। जल्द ही यह विश्वविद्यालय अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए रोल मॉडल के रूप में नजर आएगा और उनका मार्गदर्शन करेगा। प्रो. सिंह बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसके कुलाधिपति के रूप में उनकी मंशा है कि यह विश्वविद्यालय देश का ही नहीं विश्व का प्रतिनिधित्व करे।

निरंतर उपलब्धियों से विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा विश्वविद्यालय : डॉ. जीएन सिंह

विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक एवं उतर प्रदेश के मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अपने तीसरे स्थापना वर्ष में निरंतर उपलब्धियों से विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। इस विश्वविद्यालय ने शिक्षा के साथ चिकित्सा में भी उत्कृष्ट पहचान स्थापित की है।

समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि कई चुनौतियों का सामना करते हुए अल्पकाल में इन विश्वविद्यालय ने नए कीर्तिमान स्थापित किए है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस पर बोले विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह

उच्च शिक्षा का रोल मॉडल बनेगा गोरखनाथ विवि

स्थापना दिवस

निरंतर उपलब्धियों से विशिष्ट पहचान बना रहा विवि

संबोधन

ओवरऑल चैंपियन बना ऑरेंज हाउस

उन्नत शिखर की स्वर्णिम यात्रा पर बढ़ रहा महायोगी गोरखनाथ विवि- प्रो. डीपी सिंह

गोरखपुर, 28 अगस्त। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीपी सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत शिखर की स्वर्णिम यात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्थापना के महज तीन साल में इस विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप रोजगारपरक पाठ्यक्रमों, नवाचार और अन्वेषकीय दृष्टि की मिसाल कायम की है। जल्द ही यह विश्वविद्यालय अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए रोल मॉडल के रूप में नजर आएगा और उनका मार्गदर्शन करेगा।

प्रो. सिंह बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तृतीय स्थापना दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए यूजीसी के पूर्व चेयरमैन ने कहा कि स्थापना दिवस विगत वर्ष की स्मृतियों पर गौरवान्वित होने का अवसर देता है। यह आत्म अवलोकन का अवसर होता है कि पिछले वर्ष हमारे लक्ष्य क्या थे, हमने कौन से संकल्प को पूरा किया और आगे हमारे लक्ष्य क्या होंगे। ऐसे में विद्यार्थियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने जीवन के उद्देश्य और लक्ष्य के प्रति जागरूक रहें। प्रो. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की मातृ संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद विशाल वटवृक्ष है। इसकी शाखाओं से शिक्षा, चिकित्सा के संस्थान निरंतर नवाचारों से प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित कर रहे है। विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अपने तीसरे स्थापना वर्ष में निरंतर उपलब्धियों से विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। इस विश्वविद्यालय ने शिक्षा के साथ चिकित्सा में भी उत्कृष्ट पहचान स्थापित की है। यह विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में संचालित फार्मेसी संकाय ने 15 लाख रुपये का अनुदान लाने का उल्लेखनीय कार्य किया है। भारत सरकार और उच्च शिक्षा विभाग के प्रयास से यहां शिक्षा को और उन्नत बनाने पर मंथन किया जा रहा है। डॉ. सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री एवं कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ यहां के लिए चिंतित रहते है। आज जरूरी है कि विद्यार्थी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से स्किल डेवलपमेंट से प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त नए नवाचार के लिए अपना लक्ष्य साधे। समारोह में बिरला ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी सौभाग्यशाली हैं। यहां शिक्षा और रोजगार का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता। इस विश्वविद्यालय ने ऐसी शिक्षा पर जोर दिया है जिससे रोजगार की समस्या न रहे और यहां के विद्यार्थी समाज और देश की सेवा में अपना भरपूर योगदान दे सकें। समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा की समारोह में कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिनंदन किया। समारोह में विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। स्वागत संबोधन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, आभार ज्ञापन नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा और संचालन डॉ. शशिकांत सिंह ने किया।

❖ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का तृतीय स्थापना दिवस समारोह ❖ सीएम योगी के नेतृत्व में यूपी में शिक्षा के क्षेत्र में हो रही अभूतपूर्व प्रगति-प्रो. डीपी सिंह

महायोगी गोरखनाथ यूनिवर्सिटी का तीसरा स्थापना दिवस समारोह

शिखर की स्वर्णिम यात्रा पर बढ़ रही गोरखनाथ यूनिवर्सिटी

स्टूडेंट्स की जिम्मेदारी वे संकल्प और लक्ष्य के प्रति सजग रहें

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (28 august):

सीएम का ड्रीम प्रोजेक्ट

विशिष्ट पहचान स्थापित

ऑरेंज हाउस चैंपियन

समाचार दर्पण

शिविर में 22 मरीजों का किया गया ऑपरेशन

महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में मौजूद चिकित्सक। अमृत विचार

गोरखपुर, अमृत विचार। आरोग्यधाम बालापार स्थित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क वृहद लेजर सर्जरी कैम्प का समापन हो गया। कैम्प में तीनों दिन मिलाकर अंतरराष्ट्रीय ख्याति के कैंसर सर्जन और लैप्रोस्कोपिक एवं किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय माहेश्वरी तथा सीनियर सर्जन (पेट, आंत, गाल ब्लेडर, पाइल्स और कैंसर रोग विशेषज्ञ) डॉ. रेखा माहेश्वरी ने कुल 213 मरीजों को देखा और उन्हें जरुरी परामर्श दिया। कैंप में 22 मरीजों की लेजर सर्जरी भी की गई। बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के डायरेक्टर और डॉ. संजय माहेश्वरी ने बताया कि इस कैम्प में किडनी, गाल ब्लेडर, लिवर, आंत और पेट से जुड़ी बीमारियों के मरीज अधिक आए। सभी का इलाज कर जरूरी दवाओं के सेवन का परामर्श दिया गया। साथ ही जिन मरीजों को तत्काल सर्जरी की जरूरत थी, उनकी मुफ्त लेजर सर्जरी की गई। उन्होंने बताया कि पूर्वांचल में पहली बार इस तरह के लेजर सर्जरी कैम्प का आयोजन किया गया। इसके लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज का आभार जताना चाहिए। अच्छी बात यह है कि इस तरह का निशुल्क कैम्प यहां हर महीने के आखिरी सप्ताह में आयोजित किया जाएगा। हॉस्पिटल डायरेक्टर कर्नल डॉ. राजेश बहल हॉस्पिटल मैनेजर जीके मिश्रा ने कैम्प में मरीजों का निःशुल्क इलाज करने के लिए डॉ. माहेश्वरी के प्रति आभार व्यक्त किया।

निशुल्क शिविर में 213 मरीजों की जांच, 22 की हुई लेजर सर्जरी

निष्पक्ष प्रतिदिन | गोरखपुर

- गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हुआ तीन दिवसीय आयोजन

आरोग्यधाम बालापार स्थित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में आयोजित तीन दिवसीय निशुल्क वृहद लेजर सर्जरी कैम्प का समापन हो गया। कैम्प में तीनों दिन मिलाकर अंतरराष्ट्रीय ख्याति के कैंसर सर्जन और लैप्रोस्कोपिक एवं किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय माहेश्वरी तथा सीनियर सर्जन (पेट, आंत, गाल ब्लेडर, पाइल्स और कैंसर रोग विशेषज्ञ) डॉ. रेखा माहेश्वरी ने कुल 213 मरीजों को देखा और उन्हें जरुरी परामर्श दिया। कैंप में 22 मरीजों की लेजर सर्जरी भी की गई। बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के डायरेक्टर और डॉ. संजय माहेश्वरी ने बताया कि इस कैम्प में किडनी, गाल ब्लेडर, लिवर, आंत और पेट से जुड़ी बीमारियों के मरीज अधिक आए। सभी का इलाज कर जरूरी दवाओं के सेवन का परामर्श दिया गया। साथ ही जिन मरीजों को तत्काल सर्जरी की जरूरत थी, उनकी मुफ्त लेजर सर्जरी की गई। उन्होंने बताया कि पूर्वांचल में पहली बार इस तरह के लेजर सर्जरी कैम्प का आयोजन किया गया। इसके लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज का आभार जताना चाहिए। अच्छी बात यह है कि इस तरह का निशुल्क कैम्प यहां हर महीने के आखिरी सप्ताह में आयोजित किया जाएगा। हॉस्पिटल डायरेक्टर कर्नल डॉ. राजेश बहल हॉस्पिटल मैनेजर जी के मिश्रा ने कैम्प में मरीजों का निशुल्क इलाज करने के लिए डॉ. माहेश्वरी के प्रति आभार व्यक्त किया।

नि:शुल्क शिविर में 213 मरीजों की जांच, 22 की हुई लेजर सर्जरी

गोरखपुर, 29 अगस्त। आरोग्यधाम बालापार स्थित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में आयोजित तीन दिवसीय निशुल्क वृहद लेजर सर्जरी कैम्प का समापन हो गया। कैम्प में तीनों दिन मिलाकर अंतरराष्ट्रीय ख्याति के कैंसर सर्जन और लैप्रोस्कोपिक एवं किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय माहेश्वरी तथा सीनियर सर्जन (पेट, आंत, गाल ब्लेडर, पाइल्स और कैंसर रोग विशेषज्ञ) डॉ. रेखा माहेश्वरी ने कुल 213 मरीजों को देखा और उन्हें जरुरी परामर्श दिया। कैंप में 22 मरीजों की लेजर सर्जरी भी की गई। बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के डायरेक्टर और डॉ. संजय माहेश्वरी ने बताया कि इस कैम्प में किडनी, गाल ब्लेडर, लिवर, आंत और पेट से जुड़ी बीमारियों के मरीज अधिक आए। सभी का इलाज कर जरूरी दवाओं के सेवन का परामर्श दिया गया। साथ ही जिन मरीजों को तत्काल सर्जरी की जरूरत थी, उनकी मुफ्त लेजर सर्जरी की गई। उन्होंने बताया कि पूर्वांचल में पहली बार इस तरह के लेजर सर्जरी कैम्प का आयोजन किया गया। इसके लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज का आभार जताना चाहिए। अच्छी बात यह है कि इस तरह का निशुल्क कैम्प यहां हर महीने के आखिरी सप्ताह में आयोजित किया जाएगा। हॉस्पिटल डायरेक्टर कर्नल डॉ. राजेश बहल हॉस्पिटल मैनेजर जी के मिश्रा ने कैम्प में मरीजों का निशुल्क इलाज करने के लिए डॉ. माहेश्वरी के प्रति आभार व्यक्त किया।

◆ गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हुआ तीन दिवसीय आयोजन

एनसीसी कैडेट ने दिया स्वस्थ रहने का संदेश

गोरखपुर, निज संवाददाता। राष्ट्रीय खेल दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एनसीसी 102 यूपी बटालियन की तरफ से दौड़ सहित अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें शामिल कैडेट्स ने सभी लोगों को फिटनेस का संदेश दिया।

एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में दौड़, टग ऑफ वॉर, ऊंची कूद, लंबी कूद और कबड्डी प्रतियोगिता में कैडेट्स के साथ अन्य विद्यार्थियों ने भी प्रतिभाग किया। इस अवसर पर डॉ. श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय खेल दिवस की चर्चा करते हुए हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आयोजन में प्रमुख रूप से डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. विकास यादव, धनंजय पांडेय, रवि आदि मौजूद रहे।

बैडमिंटन : सेमीफाइनल व फाइनल मुकाबला आज

गोरखपुर। दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'हॉकी के जादूगर' मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन पर राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया गया। प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि इस दिन राष्ट्रपति भवन में खेल पुरस्कारों का वितरण होता है। क्रीड़ा परिषद के सचिव डॉ. अवधेश शुक्ल ने बताया कि खेल दिवस पर आयोजित ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ महाराज स्मृति बैडमिंटन टूर्नामेंट में एकल बालिका वर्ग में 40 और बालक वर्ग में 54 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला शुक्रवार को होगा। उसके बाद विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

213 लोगों की जांच, 22 की हुई निशुल्क लेजर सर्जरी

गोरखपुर : गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज, आरोग्यधाम बालापार के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में तीन दिवसीय निशुल्क लेजर सर्जरी कैंप आयोजित किया गया। तीन दिनों में 213 लोगों की जांच हुई। 22 रोगियों की लेजर सर्जरी की गई। कैंसर सर्जन व विरला ग्रुप आफ हास्पिटल्स के डायरेक्टर डा.संजय माहेश्वरी व सर्जन डा. रेखा माहेश्वरी ने रोगियों का उपचार किया।

डा. संजय माहेश्वरी ने बताया कि इस कैंप में किडनी, गालब्लाडर, लिवर, आंत और पेट से जुड़ी बीमारियों के रोगी अधिक आए। सभी का उपचार कर जरूरी दवाओं के सेवन का परामर्श दिया गया। जिन रोगियों को तत्काल सर्जरी की जरूरत थी, उनकी निशुल्क लेजर सर्जरी की गई।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज, सर्जन डा. संजय माहेश्वरी व डा. रेखा माहेश्वरी ने किया उपचार

पूर्वांचल में पहली बार इस तरह के लेजर सर्जरी कैंप का आयोजन किया गया। इसके लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज का आभार जताना चाहिए।

अच्छी बात यह है कि इस तरह का निशुल्क कैंप यहां हर महीने के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा। हास्पिटल के निदेशक कर्नल डा. राजेश बहल व प्रबंधक जीके मिश्रा ने डा. माहेश्वरी के प्रति आभार प्रकट किया। विज्ञप्ति।

निशुल्क शिविर में 213 मरीजों की हुई जांच, 22 की लेजर सर्जरी

गोरखपुर (एसएनबी)। आरोग्यधाम बालापार स्थित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में आयोजित तीन दिवसीय निशुल्क वृहद लेजर सर्जरी कैम्प का समापन हो गया। कैम्प में तीनों दिन मिलाकर अंतरराष्ट्रीय ख्याति के कैंसर सर्जन और लैप्रोस्कोपिक एवं किडनी रोग विशेषज्ञ डा. संजय माहेश्वरी तथा सीनियर सर्जन डा. रेखा माहेश्वरी ने कुल 213 मरीजों को देखा और उन्हें जरुरी परामर्श दिया। कैंप में 22 मरीजों की लेजर सर्जरी भी की गई।

■ अंतरराष्ट्रीय ख्याति के कैंसर सर्जन डा. संजय माहेश्वरी और डा. रेखा माहेश्वरी ने किया मरीजों का इलाज

बिरला ग्रुप आफ हास्पिटल्स के डायरेक्टर और डा. संजय माहेश्वरी ने बताया कि इस कैम्प में किडनी, गाल ब्लेडर, लिवर, आंत और पेट से जुड़ी बीमारियों के मरीज अधिक आए। सभी का इलाज कर जरूरी दवाओं के सेवन का परामर्श दिया गया। साथ ही जिन मरीजों को तत्काल सर्जरी की जरूरत थी, उनकी मुफ्त लेजर सर्जरी की गई। उन्होंने बताया कि पूर्वांचल में पहली बार इस तरह के लेजर सर्जरी कैम्प का आयोजन किया गया। इसके लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज का आभार जताना चाहिए। अच्छी बात यह है कि इस तरह का निशुल्क कैम्प यहां हर महीने के आखिरी सप्ताह में आयोजित किया जाएगा। हास्पिटल डायरेक्टर कर्नल डा. राजेश बहल एवं मैनेजर जीके मिश्रा ने कैम्प में मरीजों का निशुल्क इलाज करने के लिए डा. माहेश्वरी के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर एनसीसी कैडेट्स ने दिया फिटनेस का संदेश'

संवाददाता

गोरखपुर, । राष्ट्रीय खेल दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में एमसीसी 102 यूपी बटालियन की तरफ से दौड व अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें शामिल कैडेट्स ने सभी लोगों को फिटनेस का संदेश दिया। एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में दौड, टग ऑफ वॉर, ऊंची कूद, लंबी कूद और कबड्डी प्रतियोगिता में कैडेट्स के साथ अन्य विद्यार्थियों ने भी प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर डॉ. श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय खेल दिवस की चर्चा करते हुए हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आयोजन में प्रमुख रूप से डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. विकास यादव, धनंजय पांडेय, रवि यादव, शारदानंद पांडेय अंडर आफिसर मोती लाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता आदि की सक्रिय सहभागिता रही।

नि:शुल्क शिविर में 213 मरीजों की जांच, 22 की हुई लेजर सर्जरी

- गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हुआ तीन दिवसीय आयोजन
- अंतरराष्ट्रीय ख्याति के कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी और डॉ. रेखा माहेश्वरी ने किया मरीजों का इलाज
- हर महीने के आखिरी सप्ताह में आयोजित होगा इस तरह का निःशुल्क कैम्प

गोरखपुर (विधान केसरी)। आरोग्यधाम बालापार स्थित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क वृहद लेजर सर्जरी कैम्प का समापन हो गया। कैम्प में तीनों दिन मिलाकर अंतरराष्ट्रीय ख्याति के कैंसर सर्जन और लैप्रोस्कोपिक एवं किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय माहेश्वरी तथा सीनियर सर्जन पेट, आंत, गाल ब्लेडर, पाइल्स और कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. रेखा माहेश्वरी ने कुल 213 मरीजों को देखा और उन्हें जरुरी परामर्श दिया। कैंप में 22 मरीजों की लेजर सर्जरी भी की गई। बिरला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के डायरेक्टर और डॉ. संजय माहेश्वरी ने बताया कि इस कैम्प में किडनी, गाल ब्लेडर, लिवर, आंत और पेट से जुड़ी बीमारियों के मरीज अधिक आए। सभी का इलाज कर जरूरी दवाओं के सेवन का परामर्श दिया गया। साथ ही जिन मरीजों को तत्काल सर्जरी की जरूरत थी, उनकी मुफ्त लेजर सर्जरी की गई। उन्होंने बताया कि पूर्वांचल में पहली बार इस तरह के लेजर सर्जरी कैम्प का आयोजन किया गया। इसके लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज का आभार जताना चाहिए। अच्छी बात यह है कि इस तरह का निःशुल्क कैम्प यहां हर महीने के आखिरी सप्ताह में आयोजित किया जाएगा। हॉस्पिटल डायरेक्टर कर्नल डॉ. राजेश बहल हॉस्पिटल मैनेजर जीके मिश्रा ने कैम्प में मरीजों का निशुल्क इलाज करने के लिए डॉ. माहेश्वरी के प्रति आभार व्यक्त किया।

निर्माणाधीन परिसर

01 निमार्णाधीन क्रीड़ांगन

02 निर्माणाधीन फार्मेसी संकाय

03 निर्माणाधीन प्रेक्षागृह

04 निर्माणाधीन शिक्षक आवास

05 विश्वविद्यालय परिसर का वायवीय दृश्य

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

01 डॉ. रश्मिन पुलेकर

02 डॉ. राज किशोर सिंह

03 डॉ. राम कुमार जायसवाल

04 माननीय कुलपति

05 डॉ. दुर्गा प्रसाद

06 डॉ. जी. एस. तोमर

07 डॉ. संजय माहेश्वरी

08 डॉ. डी. पी. सिंह

09 कर्नल (डॉ.) आर. के. चतुर्वेदी

10 मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेण्टर हेतु समीक्षा बैठक

11 कृषि संकाय, कृषि विज्ञान केंद्र व चौक बाजार कृषि फार्म के आगामी वर्ष की कार्ययोजना पर परिचर्चा

प्रधान सम्पादक
डॉ. विमल कुमार दूबे

सम्पादक
आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय

संपादक मण्डल
श्री रोहित श्रीवास्तव, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. कुलदीप सिंह एवं सुश्री स्वेता अल्बर्ट

ग्राफिक्स डिजाइनर: श्री शारदानन्द पाण्डेय

mguniversitygkp@mgug.ac.in
https://www.mgug.ac.in/
+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur